@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 21 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 135 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राष्ट्रपति संत प्रेमानंद से मिलीं

●राष्ट्रपति ने हाथ जोड़कर प्रणाम किया:संत ने राधे-राधे कहा

परिवार के साथ मुर्मू वृंदावन पहुंचीं, 25 मिनट चर्चा की

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने दूसरे दिन के दौरे के दौरान वृंदावन में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और बातचीत की।

राष्ट्रपति की इस यात्रा को लेकर पूरे मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वो सुबह करीब 7:30 बजे सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच आश्रम पहुंचीं। प्रेमानंद महाराज ने राष्ट्रपति को ब्रज की महिमा और सेवा भाव का महत्व समझाया। इस आध्यात्मिक मिलन ने न केवल ब्रजवासियों बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा है। आश्रम पहुंचने पर प्रेमानंद महाराज के शिष्यों और परिकरों ने राष्ट्रपति का भव्य एवं पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मु और पूज्य महाराज के बीच वार्तालाप हुआ। इस भेंट के दौरान मुख्य रूप से अध्यात्म, निस्वार्थ सेवा और जनकल्याण जैसे गहन विषयों पर चर्चा की गई।

रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कैंसर यूनिट का किया उद्घाटन

संत प्रेमानंद से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति, रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल पहुंची। वहां पश्चिमी यूपी की सबसे आधुनिक कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, यूपी के मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने नीम करौरी बाबा आश्रम पहुंचकर माथा टेका

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को वृंदावन में बाबा नीम करौरी आश्रम पहुंची और बाबा की समाधि पर माथा टेका। राष्ट्रपति ने यहां हनुमानजी की आराधना की। इस दौरान राष्ट्रपति में गंभीर और भक्ति व अध्यात्म के रंग में सराबोर दिखीं। इसके बाद राष्ट्रपति और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल सीधे हनुमान मंदिर पहुंचीं। यहां मुख्य पुजारी रामरूप और टीसी शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। राष्ट्रपति ने न केवल विधि-विधान से आरती की बल्कि मंदिर की परिक्रमा कर देश की सुख-समृद्धि की कामना की। हनुमान मंदिर में दर्शन के पश्चात राष्ट्रपति बाबा नीम करौरी की समाधि स्थल पहुंचीं। यहां का वातावरण अत्यंत भावुक और भक्तिमय था। समाधि स्थल पर अभिषेक पुजारी और नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने राष्ट्रपति को बाबा की फोटो, पटुका और बाबा का प्रिय 'कंबल' आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया। राष्ट्रपति ने यहां भी परिक्रमा कर अपनी गहरी आस्था प्रकट की।

दर्शन के उपरांत राष्ट्रपति ने महाराजजी की उस पावन कुटिया के दर्शन किए, जहां बाबा नीम करौरी प्रवास करते थे। इसके बाद उन्होंने आश्रम स्थित संग्रहालय का भी भ्रमण किया। डॉ. अनुराग पाठक ने उन्हें आश्रम के गौरवशाली इतिहास और बाबा के जीवन से जुड़ी स्मृतियों का विस्तृत विवरण दिया। राष्ट्रपति ने

प्रत्येक वस्तु का बारीकी से अवलोकन किया और प्रस्थान से पूर्व श्रद्धापूर्वक दान पेटिका में लिफाफा भी समर्पित किया। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री (गन्ना विकास एवं चीनी मिलें) लक्ष्मी नारायण चौधरी और जनपद के प्रभारी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार, बेसिक शिक्षा) संदीप सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किये थे।

सद्भाव और शांति के जरिए दुनिया में युद्ध रोक सकता है भारत : मोहन भागवत

●भारत अपनी सद्भावना और शांति की परंपरा के जरिए दुनिया को संघर्षों से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है : भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत अपनी सद्भावना और शांति की परंपरा के जरिए दुनिया में युद्ध रोक सकता है।

महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में शुक्रवार को सरसंघचालक डॉ. भागवत ने वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज दुनिया जिस अस्थिर दौर से गुजर रही है, उसके पीछे मुख्य कारण स्वार्थ और वर्चस्व की होड़ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अपनी सद्भावना और शांति की परंपरा के जरिए दुनिया को संघर्षों से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नागपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में सरसंघचालक ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की नींव रखी। इसके बाद उन्होंने कहा कि जब तक इंसान अपनी सोच में स्वार्थ से ऊपर नहीं उठेगा, तब तक युद्ध और टकराव खत्म नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि केवल बाहरी समझौते या बातचीत से स्थायी शांति संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के भीतर नैतिक मूल्यों, अनुशासन और एकता का होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पिछले करीब 2000 वर्षों में दुनिया ने

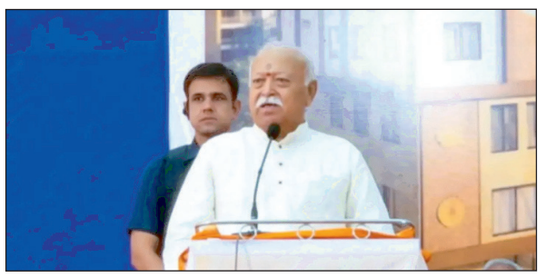

संघर्षों को समाप्त करने के कई प्रयास किए, लेकिन उनमें से बहुत कम सफल हो सके। अब समय आ गया है कि मानवता ऐसे रास्ते अपनाए, जो वास्तविक और स्थायी शांति की ओर ले जाएं। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने सामाजिक चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच जैसी समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं, जिन्हें मिलकर दूर करना होगा। भारत की वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जहां कुछ देश दुनिया को 'अस्तित्व की लड़ाई' के नजरिए से देखते हैं, वहीं भारत का दृष्टिकोण मानवता, एकता और सहअस्तित्व पर आधारित है। यही कारण है कि जब भी विश्व में शांति और संतुलन की बात होती है, तो दुनिया की नजर भारत की ओर जाती है।

चुनाव के दौरान सोशल मीडिया विज्ञापनों के लिए आयोग के कड़े नियम

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को 5 राज्यों में विधानसभा चुनावों और 6 राज्यों में उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर चुनावी विज्ञापनों और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अब किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन देने से पहले सरकारी समिति से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। निर्वाचन सदन की ओर से जारी की गई जानकारी के अनुसार असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों को मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) से विज्ञापनों का पूर्व-प्रमाणन करवाना होगा। इसके अलावा उम्मीदवारों को अपने प्रामाणिक सोशल मीडिया खातों का विवरण साझा करना होगा।

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को 5 राज्यों में विधानसभा चुनावों और 6 राज्यों में उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। आयोग के आदेश के मुताबिक उम्मीदवार जिला स्तर की एमसीएमसी में और राजनीतिक दल राज्य स्तरीय एमसीएमसी में आवेदन कर सकते हैं। यदि कोई समिति के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की अध्यक्षता वाली 'अपीलीय समिति' में शिकायत की जा सकती है। आयोग ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे नामांकन दाखिल करते समय अपने प्रामाणिक सोशल मीडिया खातों का विवरण शपथ-पत्र में अनिवार्य रूप से दें। बिना पूर्व-प्रमाणन के इंटरनेट पर कोई भी राजनीतिक विज्ञापन जारी करना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि 'पेड न्यूज' (सशुल्क समाचार) के मामलों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। साथ ही, चुनाव खत्म होने के 75 दिनों के भीतर राजनीतिक दलों को अपने डिजिटल प्रचार का पूरा खर्च आयोग को सौंपना होगा। इसमें वेबसाइट विज्ञापनों के लिए किया गया भुगतान, कंटेंट (वीडियो/ग्राफिक्स) बनाने पर हुआ खर्च, सोशल मीडिया अकाउंट के संचालन का खर्च शामिल है।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजी दवा और चिकित्सा की सहायता-विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के लिए दवा और चिकित्सा उपकरणों की एक खेप भेजी है। यह दवाएं 16 मार्च को हुए पाकिस्तानी हमले में घायल लोगों को ध्यान में रखकर भेजी गई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट कर बताया कि काबुल को 2.5 टन आपातकालीन दवाएं, चिकित्सा सामग्री, किट और उपकरण भेजे गए हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत अफगान जनता के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस कठिन घड़ी में हर संभव मानवीय सहायता प्रदान करता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि 16 मार्च की रात पाकिस्तान सैन्य बलों ने काबुल में ओमिद नशा मुक्ति उपचार केन्द्र (अस्पताल) पर हवाई हमला किया था। इसमें 400 से अधिक लोगों के मरने की बात कही जा रही है और 250 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। पिछले 15 दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष में बड़ी संख्या में जनहानि हुई है। भारत ने मानवीय आधार पर अफगानिस्तान को दवा व अन्य सहायता सामग्री भेजने की बात कही है।

घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध : केन्द्र सरकार

●देश की सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया के हालात के बीच देश की सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। लगभग 7500 उपभोक्ताओं ने एलपीजी से पीएनजी (पेट्रोलियम प्लैज) पर स्विच कर लिया है। युद्ध के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घेरलू गैस वितरकों के पास किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित दैनिक पत्रकार वार्ता में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पर्याप्त कच्चे तेल और एलपीजी स्टॉक के साथ रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं। लगभग 93 प्रतिशत बुकिंग

ऑनलाइन हैं और डिलीवरी प्रमाणित हो चुकी है। उपभोक्ताओं को पीएनजी की ओर रुख करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन प्राप्त हुआ है। पिछले सप्ताह अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को 11,300 टन की आपूर्ति की गई है। कालाबाजारी रोकने के लिए नियंत्रण कक्षों, जिला समितियों के साथ-साथ तेल विपणन कंपनियां निरीक्षण के माध्यम से निगरानी तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराकर बुकिंग न करें, आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और घर पर डिलीवरी का इंतजार करें। सरकार आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बीच ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की और पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए संवाद, तनाव कम करने और शांति पर जोर दिया। उन्होंने ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की कड़ी निंदा की, जबकि सभी पक्षों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन और निरंतर समन्वय के लिए समर्थन की पुष्टि की।उन्होंने इन नेताओं को त्योहारी शुभकामनाएं भी दीं और भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए मिले समर्थन की सराहना की।

एयर इंडिया की दिल्ली-वैंकूवर फ्लाइट सात घंटे बाद चीन के एयरस्पेस से सुरक्षित लौटी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन की एक बार फिर बड़ी चूक सामने आई है, जिसके कारण दिल्ली से कनाडा के वैंकूवर जा रही फ्लाइट एआई-185 को उड़ान भरने के करीब 7 घंटे बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा। इस घटना की जानकारी आज सामने आई है। इस विमान में 300 से ज्यादा यात्री मौजूद थे। एयर इंडिया ने गुरुवार को दिल्ली से कनाडा के वैंकूवर जाने वाले यात्रियों को बोइंग 777-300 ER की जगह बोइंग 777-200 LR फ्लाइट में भेज दिया था। एयरलाइन को गलती का पता तब चला जब विमान करीब 4 घंटे उड़ान भरकर चीन के कुनमिंग एयरस्पेस में पहुंच चुका था। इसके बाद तुरंत विमान ने यू-टर्न लिया। इस विमान की दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग हो गई है। एयरलाइन ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया है।

पश्चिम बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई

अवैध कॉल सेंटर के 16 ठिकानों पर छापेमारी

20 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में अवैध कॉल सेंटर केस में बड़ी कार्रवाई की है। कोलकाता जोनल ऑफिस ने 16 मार्च 2026 को राज्य के विभिन्न शहरों, कोलकाता, हावड़ा, सिलीगुड़ी और दुर्गापुर, में कुल 16 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। ये छापेमारी टेक्नोसोलिस इन्फॉर्मेटिक्स लिमिटेड, सुराश्री कर, सुभाजीत चक्रवर्ती और उनके सहयोगियों से जुड़ी हैं। तलाशी के दौरान ईडी ने महत्वपूर्ण जब्तियां कीं। इनमें 2.5 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सोने के सिक्के, क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े रिकॉर्ड, आपत्तिजनक दस्तावेज और कई डिजिटल डिवाइस शामिल हैं। इसके अलावा, जांच में कई अचल संपत्तियों की पहचान हुई, जिनमें जमीन, होटल और रिसॉर्ट आदि हैं। इनकी अनुमानित कीमत 20 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। ये संपत्तियां कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों से अर्जित धन से खरीदी गई थीं। ईडी ने दो बांग्लादेशी

पासपोर्ट और चार लग्जरी वाहन भी जब्त किए, जिनमें एक मर्सिडीज कार शामिल है। सिलीगुड़ी के एक स्थान से 88 विभिन्न ब्रांड की शराब की बोतलें बरामद हुईं, जिन्हें पश्चिम बंगाल आबकारी विभाग को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है, क्योंकि अवैध गतिविधियां राजनीतिक फंडिंग या प्रभाव से जुड़ी हो सकती हैं।

यह जांच पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है, जिसमें आईपीसी 1860 और भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885 की विभिन्न धाराएं लगाई गई हैं। आरोपी एक बड़े अवैध कॉल सेंटर नेटवर्क चला रहे थे, जिसमें मुख्य रूप से अमेरिका के नागरिकों को टारगेट किया जाता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने बहरीन के राजा से की बातचीत, क्षेत्रीय स्थिति पर जताई चिंता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा से बातचीत कर पश्चिम एशियाई क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और ऊर्जा तथा नागरिक बुनियादी ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी जानकारी में बताया कि उन्होंने राजा को ईद अल-फित्र के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और बहरीन की जनता के लिए भी मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की वर्तमान परिस्थितियों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने क्षेत्र में ऊर्जा और नागरिक ढांचे पर हो रहे हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इनका वैश्विक खाद्य, ईंधन और उर्वरक सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

पंजाब के युवाओं को अब घर में ही मिल रही हैं नौकरियां, देश छोड़कर विदेश जाने की नहीं कोई जरूरत: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

लुधियाना, 20 मार्च। 'आप' के नेतृत्व वाली सरकार के अधीन पंजाब में औद्योगिक पुनर्जीवन को भरपूर बढ़ावा मिला है क्योंकि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लुधियाना में भारत के दूसरे सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन किया, जो निर्णायक नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। देश में पहली बार हजारों नौकरियों के वादे और ग्रीन ऊर्जा-संचालित स्टील उत्पादन शुरू हुआ है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों को घेरते हुए जोर देकर कहा कि जो उद्योग कभी गलत नीतियों के कारण पंजाब से बाहर गए थे, वे अब उद्योग-समर्थक शासन के अधीन वापस आ रहे हैं। 3200 करोड़ रुपये की लागत से लुधियाना में स्थापित यह प्लांट पंजाब की औद्योगिक तस्वीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम है। टाटा स्टील के दूसरे सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, यह एक यादगार दिन है क्योंकि राज्य के आर्थिक विकास को बड़ा बढ़ावा देने का इतिहास रचा गया है। आज पंजाब भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने इस इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस-आधारित प्लांट के माध्यम से ग्रीन ऊर्जा का उपयोग करके स्टील उत्पादन शुरू किया है। यह पंजाब के लिए ऐतिहासिक और

विशेष दिन है क्योंकि टाटा स्टील ने सीधे तौर पर 2600 से 2700 परिवारों और अप्रत्यक्ष रूप से 8000-10000 परिवारों के भविष्य को रोशन करने की जिम्मेदारी ली है। यह विश्व स्तरीय प्लांट अत्याधुनिक ग्रीन ऊर्जा तकनीक से लैस है। टाटा स्टील टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, टाटा स्टील जैसी कंपनी का किसी राज्य में निवेश करना उसके भविष्य में विश्वास और भरोसे को दर्शाता है। टाटा स्टील की मौजूदगी स्पष्ट संदेश देती है कि पंजाब औद्योगिक विकास के अगले चरण के लिए तैयार है। यह निवेश केवल एक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि पंजाब के युवाओं, हमारे इंजीनियरों, हमारे कुशल कर्मचारियों और पंजाब के निर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर है। भविष्य के दृष्टिकोण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पंजाब हमेशा उद्यमियों की धरती रहा है और लुधियाना जैसे शहर उनकी उद्यमशीलता, कड़ी मेहनत और निर्माण शक्ति के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। टाटा स्टील प्लांट जैसी आधुनिक सुविधाओं के साथ हम अपनी विरासत को और मजबूत कर रहे हैं और पंजाब को भविष्य निर्माण के लिए तैयार कर रहे हैं। **शेष पृष्ठ 3 पर**

उत्तर प्रदेश में बारिश से फसलों को भारी नुकसान, आकाशीय बिजली से तीन लोगों की मौत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में शुक्रवार की सुबह मौसम का रुख अचानक बदल गया। गरज चमक के साथ तेज हवा के बीच झमाझम बारिश हुई और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गयी। अचानक बदले मौसम से तापमान भी लुढ़क गया। खड़ी फसल को सबसे अधिक नुकसान होने से किसानों की चिंता बढ़ गयी है। मौसम विभाग ने 21 मार्च को भी ऐसे ही मौसम होने का पूर्वानुमान लगाया है। लखनऊ में शुक्रवार को सूर्योदय के समय आसमान साफ था और धूप भी खिली हुई थी लेकिन आठ- नौ बजे के बीच अचानक काले बादल घिरने लगे और देखते देखते गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। कहीं कहीं ओले भी गिरे । बारिश और तेज हवाओं के चलते तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने पहले ही पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव का अनुमान जताया था। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को बारिश के समय हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक रही और तापमान में लगभग 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गयी है। राजधानी लखनऊ समेत सीतापुर, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, हमीरपुर, फर्रुखाबाद, फतेहपुर समेत कई जिलों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम बदल गया। बारिश के साथ कई स्थानों में ओले भी गिरे। तेज बारिश में आकाशीय बिजली गिरने से अलग अलग घटनाओं में प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि कई घायल हो गये। बहराइच जिले में महसी इलाके के बदनपुरवा बंभौरी गांव में मुनऊ (30) की मौत हो गई।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में फंसी लिफ्ट, दम घुटने से मरीज के परिजन की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शुक्रवार तड़के ट्रामा केयर सेंटर की लिफ्ट में फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की लापरवाही को लेकर तनाव फैल गया। जानकारी के मुताबिक मृतक अस्पताल में भर्ती मरीज का परिजन बताया जा रहा है, जो पांचवीं मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुआ था। अचानक तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट बीच में ही अटक गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोप है कि उस समय लिफ्ट का संचालन करने के लिए कोई ऑपरेटर वहां मौजूद नहीं था, जिसके कारण समय रहते उसे बाहर नहीं निकाला जा सका और लिफ्ट के अंदर ही उसने दम तोड़ दिया। सुबह घटना की खबर फैलते ही मृतक के परिजनों और अन्य मरीजों के रिश्तेदारों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सुरक्षा पर सवाल उठाए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि लिफ्ट में ऑपरेटर की अनुपस्थिति और तकनीकी खराबी के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

उत्तरप्रदेश के कई जिलों में बारिश से बिगड़े हालात... ओले गिरने से किसान चिंतित

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मौसम बिगड़ गया। लखनऊ में सुबह 10 बजे अचानक अंधेरा छा गया। इसके बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर और सिद्धार्थनगर में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे। इसके पहले प्रयागराज और मथुरा में तेज बारिश हुई। इतना ही नहीं धूलभरी आंधी चली। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। स्कूली बच्चे और दफ्तर के लिए निकले लोग रेनकोट और छातों के साथ नजर आए। कानपुर, नोएडा, आगरा, अलीगढ़, मेरठ सहित 25 से ज्यादा जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई। काशी में आंधी के साथ बूंदाबांदी हुई। घाटों पर दुकान लगाने वाले लोग सामान समेटकर लौट गए। वहीं, प्रयागराज, बलरामपुर, बहराइच और मिर्जापुर में आकाशीय बिजली गिरने से 3 किसानों सहित 5 की मौत हो गई। कई जगह गेहूं की खड़ी फसलें गिर गईं। किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश से सरसों और आलू की फसल भी खराब हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की वजह से पूरे प्रदेश में मौसम बदल गया है। अगले 2 दिन मौसम ऐसे ही बिगड़ा रहेगा। 40 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

वाराणसी में कॉलेज कैंपस में छात्र की गोली मारकर हत्या, पुलिस हत्यारे की तलाश में जुटी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज में शुक्रवार सुबह बीएससी छात्र की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या से हड़कंप मच गया। घटना करीब साढ़े 10 बजे कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के बाहर हुई, जहां हमलावर ने छात्र सूर्य प्रताप सिंह (23) पर चार गोलियां दागीं। घायल छात्र को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित किया। इस घटना के बाद परिसर में तनाव फैल गया और आक्रोशित छात्रों ने जमकर हंगामा किया। कॉलेज के अंदर कुर्सियां तोड़ी गईं, जबकि बाहर दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने कॉलेज का मुख्य गेट बंद कर आसपास की करीब 150 दुकानों को भी बंद कराया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सात थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई। करीब तीन घंटे बाद गेट खोला गया, लेकिन बाहर निकलते समय छात्रों ने फिर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें तीन प्रोफेसर घायल हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस के अनुसार, मृतक गाजीपुर का निवासी था और सेकेंड ईयर का छात्र था, जबकि आरोपी मंजीत सिंह, बीए सेकेंड ईयर का छात्र, वाराणसी के चांदमारी क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छह टीमें गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों और छात्रों में गहरा शोक और आक्रोश है।

शिल्पा शेट्टी को 12.5 करोड़ रुपए के गिफ्ट मामले में बड़ी राहत

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को 12.5 करोड़ रुपए के गिफ्ट मामले में बड़ी राहत मिली है। यह मामला उनके पति राज कुंद्रा द्वारा दिए गए गिफ्ट से जुड़ा था। साल 2019-20 में इनकम टैक्स अधिकारियों ने यह राशि शिल्पा की इनकम में जोड़ दी थी, क्योंकि उन्हें यह अनक्लियर क्रेडिट लगा। जांच में पाया गया कि गिफ्ट डीड और पैन डिटेल्स से केवल लेन-देन की पुष्टि नहीं होती, और गिफ्ट देने वाले की क्रेडिटवर्थनेस भी साबित नहीं हो सकी। इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) की मुंबई बेंच ने कहा कि गिफ्ट डीड में भुगतान का तरीका, बैंक डिटेल्स या रकम ट्रांसफर करने का विवरण नहीं दिया गया था। शिल्पा ने गिफ्ट डीड, पैन डिटेल्स और पति की इनकम टैक्स रिटर्न की रसीद पेश की, लेकिन उनके पति की आय 27.7 लाख रुपए दिखी, जो दिए गए 12.5 करोड़ रुपए से मेल नहीं खाती। शिल्पा ने यह भी दावा किया कि उनके पति को विदेशी संस्था से फंड मिला था, लेकिन टैक्स रिटर्न में सही विवरण नहीं था। आईटीएटी ने शिल्पा को राहत दी, लेकिन मामले की दुबारा जांच के निर्देश भी दिए। जांच अधिकारी को निर्देश हैं कि वे शिल्पा के बैंक और फाइनेंशियल रिकॉर्ड की पूरी समीक्षा करें और उन्हें गिफ्ट की सच्चाई साबित करने का मौका दें। इनकम टैक्स की धारा 68 के तहत टैक्सदाता की जिम्मेदारी होती है कि वह प्राप्त राशि की पहचान, सच्चाई और क्रेडिटवर्थनेस साबित करे। बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल दस्तावेजी प्रक्रिया गिफ्ट की वास्तविकता साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

जुबीन गर्ग मौत मामले में रोजाना सुनवाई, सीएम सरमा ने किया फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने चर्चित सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन किया है, जो इस मामले की रोजाना सुनवाई करेगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर दी। उन्होंने विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट के गठन को न्याय प्रक्रिया को तेज करने और लंबी देरी से बचने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने बक्सा जिले की जिला जज शर्मिला भुयान को फास्ट-ट्रैक कोर्ट का जिम्मा सौंपा है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इस पहल से न्याय व्यवस्था और मजबूत होगी और उन्होंने जस्टिस आशुतोष कुमार व चीफ जस्टिस का धन्यवाद किया।

राज्यसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से मिला था ऑफर, जिसे ठुकरा दिया

-कांग्रेस विधायक अभिषेक रंजन का दावा, बिहार की राजनीति गरमाई

पटना (एजेंसी)। चनपटिया से कांग्रेस विधायक अभिषेक रंजन का दावा सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि बड़ा राजनीतिक संकेत है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में उन्हें बीजेपी की ओर से ऑफर मिला, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। उनके मुताबिक यह सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि सिद्धांत और विचारधारा का सवाल था। उन्होंने साफ किया कि पार्टी उनके लिए सर्वोपरि है और किसी भी प्रलोभन को उन्होंने स्वीकार नहीं किया। यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब कांग्रेस के कई विधायकों की अनुपस्थिति चर्चा में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्यसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन को उस वक्त झटका लगा, जब उसके चार विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। इनमें तीन कांग्रेस और एक राजद विधायक हैं। वोटिंग के दिन इन विधायकों के फोन बंद रहे और वे संपर्क से बाहर बताए गए। यह स्थिति सामान्य राजनीतिक असहमति से कहीं ज्यादा गंभीर मानी जा रही है। सवाल उठ रहा है कि यह महज संयोग था या फिर किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा। यहीं से ऑपरेशन लोटस

जैसे आरोपों को भी हवा मिलती दिख रही है।

बिहार में राज्यसभा की पांचों सीटों पर एनडीए की जीत ने इस पूरे विवाद को और गहरा दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के सभी उम्मीदवार विजयी रहे। इसके साथ ही नितिन नबीन, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाह और सिवेश राम ने भी जीत दर्ज की। महागठबंधन के लिए यह परिणाम राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों स्तरों पर झटका है। खासतौर पर तब जब संख्या बल के बावजूद एकजुटता पर सवाल उठे हों। नतीजों ने इस पूरे घटनाक्रम को महज चुनाव नहीं, बल्कि रणनीतिक खेल बना दिया। अभिषेक रंजन के 'ऑफर' वाले बयान ने अनुपस्थित विधायकों की भूमिका पर सवाल खड़े किए। उन्होंने संकेत दिया कि विधायकों को प्रभावित करने की कोशिशें हो सकती हैं। सिर्फ वोट नहीं, बल्कि अनुपस्थित रहने के लिए भी प्रलोभन दिए जाने की बात कही गई। हालांकि उन्होंने किसी विशेष विधायक पर सीधा आरोप लगाने से परहेज किया।

उन्होंने यह जरूर कहा कि मौजूदा माहौल में हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इससे यह बहस और तेज हो गई है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हुई। विधायकों की अनुपस्थिति ने नेतृत्व और समन्वय की स्थिति पर बहस छेड़ दी है। तीन महीने पहले चुनावी झटका झेल चुके तेजस्वी यादव के लिए यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि क्या गठबंधन के भीतर भरोसे की कमी उभर रही है। हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी तक स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है। लेकिन चुप्पी और विरोधाभासी संकेतों ने सस्पेंस को और गहरा कर दिया है।

चीन के आसमान से एयर इंडिया की फ्लाइट ने लिया यू-टर्न, 4 घंटे बाद वापस दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कनाडा के वैंकूवर के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-185 को चीन के आसमान से अचानक वापस लौटना पड़ा। करीब चार घंटे का सफर तय करने के बाद विमान ने बीच रास्ते से ही यू-टर्न ले लिया, जिसके चलते न केवल वैंकूवर जाने वाले यात्री परेशान हुए, बल्कि वैंकूवर से कोलकाता होते हुए दिल्ली आने वाली वापसी की उड़ान को भी रद्द करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, यह विमान गुरुवार सुबह लगभग 11:30 बजे दिल्ली से रवाना हुआ था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थितियों को देखते हुए इस उड़ान के मार्ग में बदलाव किया गया था। निर्धारित योजना के तहत विमान को म्यांमार, चीन, पूर्वी चीन सागर, जापान और अलास्का की खाड़ी के ऊपर से होते हुए वैंकूवर पहुंचना था। लेकिन जब विमान चीन के क्यूजिंग शहर के ऊपर उड़ान भर रहा था, तब कुछ ऐसी परिस्थितियां बनीं कि पायलट को मिशन बीच में ही छोड़ने का फैसला लेना पड़ा। दोपहर करीब 3:30 बजे विमान ने क्यूजिंग के ऊपर से मोड़ लिया और वापस दिल्ली की ओर रुख किया। करीब चार घंटे की उड़ान के बाद यू-टर्न लेने वाला यह विमान कल शाम 7:30 बजे वापस दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कर गया। हालांकि, एयरलाइन की ओर से इस अचानक यू-टर्न के सटीक तकनीकी या परिचालन कारणों का खुलासा आधिकारिक तौर पर नहीं किया गया है, लेकिन एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि विपरीत परिस्थितियों के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया। इस घटनाक्रम के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया अब प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने में जुटी है। इस मार्ग पर उड़ानों के रद्द होने से अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है।

बिहार में गैस संकट के बीच श्मशान के कोयले से जल रही होटलों, रेस्टोरेंट के साथ स्ट्रीट फूड वालों की भट्टी

-इसी श्मशान के कोयले से ही अगरबत्ती बनाई जाती

पटना(एजेंसी)। इंसान की हड्डियां मरने के बाद चिंता पर जल जाती हैं। लेकिन क्या आपको पता हैं कि श्मशान में सब कुछ बिक जाता है। बड़ा कोयला होटलों में और छोटा अगरबत्ती की फैक्ट्रियों में भेज दिया जाता है। बिस्किट की फैक्ट्रियों में भी इस कोयला से सब तैयार होता है। एक, दो नहीं बिहार में बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां भी इसी कोयले से माल तैयार कर रही हैं। इसी कोयले से बनी अगरबत्ती कई राज्यों में जा रही है। गुलाब, केवड़ा, चंदन से लेकर जो भी फ्लेवर हो, लेकिन अंदर, तब हमारा दिया बुरादा होता है।

श्मशानों का कोयला होटल और फैक्ट्रियों में सप्लाई करने वाले एजेंट्स का खुलासा हैरान करने वाला है। एजेंट्स सेहत के साथ आस्था से भी खेल रहे हैं। देश में अगरबत्ती का 10 से 12 हजार करोड़ का कारोबार है। इसमें इकलौते बिहार में 800 से 1500 करोड़ का कोराबार है।

रिपोर्ट के अनुसार गैस संकट के बीच बिहार के होटलों और रेस्टोरेंट के साथ स्ट्रीट फूड के वेंडरों तक श्मशान के कोयले की सप्लाई हो रही है। नेटवर्क को एक्सपोज करने के लिए हमारी टीम ने होटल संचालक और फैक्ट्री मालिक बनकर डील की। हम पटना, गया, नालंदा, वैशाली, सारण, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण सहित 12 जिलों में गए। बड़े पैमाने पर होटलों में श्मशान के कोयले की सप्लाई चेन के साथ अगरबत्ती फैक्ट्री का भी खुलासा हुआ। श्मशान से कोयला सप्लाई करने वाला पूरा सिंडिकेट काम कर रहा है। कोयला सप्लाई के लिए एजेंट्स ने अलग-अलग गाड़ियां भी लगा रखी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पटना के बांस घाट में मौजूद एक एजेंट से हुई बातचीत में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। होटलों में श्मशान के कोयले की सप्लाई की डील के दौरान ही इस एजेंट ने अगरबत्ती की फैक्ट्रियों में कोयला सप्लाई करने का खुलासा भी किया। एजेंट ने बताया कि कोयले से अगरबत्ती बनाई जाती है। यहां से कोयला दूर-दूर तक जाता है।

चुनाव आयोग की प्रशासनिक सर्जरी से नाखुश ममता सरकार... पहुंची कलकत्ता हाईकोर्ट

टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने दायर की याचिका

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव से पूर्व तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग में तनाव जारी है। टीएमसी ने शुक्रवार को बंगाल में कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी द्वारा दायर याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को प्रतिवादी बनाया गया है।

याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले पर सवाल उठाया है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से सलाह किए बिना अधिकारियों का तबादला किया। इस मामले की सुनवाई अगले हफ्ते की शुरुआत में हो सकती है। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को विधानसभा चुनावों की घोषणा करने के कुछ ही घंटों के भीतर, मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित बड़ी संख्या में सीनियर अधिकारियों का

तबादला किया गया था।

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फैसले की आलोचना कर 'अघोषित आपातकाल' बताया। उन्होंने संस्थागत हेरफेर के द्वारा बंगाल पर कब्जा करने की सोची-समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि हम जो देख रहे हैं, वहां अघोषित आपातकाल से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों से नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। ममता ने बाद में चुनाव आयुक्त कुमार को पत्र लिखकर चुनाव आयोग के इसतरह के 'मनमाने, एकतरफा और पक्षपातपूर्ण' कदमों से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने शालीनता और संवैधानिक मर्यादा की सभी सीमाएं लांघ दी हैं। उन्होंने कहा कि तथाकथित विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत के बाद से चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया है और जमीनी हकीकतों या लोगों की भलाई की जरा भी परवाह नहीं की है।

आयोग ने सीनियर पुलिस अधिकारियों के कुछ इंटर-स्टेट ट्रांसफर के आदेशों पर रोक लगा दी। बिधाननगर के सीपी मुरलीधर शर्मा और सिलीगुड़ी के सीपी सैयद वकार रजा, जिन्हें पहले तमिलनाडु जाने के लिए कहा गया था, उन्हें अब इंतजार करने को बोल गया है।

सोशल मीडिया पर लगाई जा रही पाबंदियों पर बोली कांग्रेस- असहमति को दबा रही है मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता के मुद्दे उठाने वाले विभिन्न अकाउंट्स को ब्लॉक करने, उनका कंटेंट हटाने और क्रिएटर्स पर कार्रवाई को अभिव्यक्ति की आजादी पर गंभीर हमला बताया है। उल्लेखनीय है अब विभिन्न मंत्रालयों को सोशल मंडिया कंटेंट की जिम्मेदारी देने की तैयारी है। जिसके तहत अन-सोशल, झूठे, अफवाह फैलाने वाले कंटेंट को ब्लॉक करने को शक्ति विभिन्न मंत्रालयों को दी जाएगी।

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सोशल मीडिया पर मोदी सरकार की आलोचना और जन मुद्दों को उठाने वाली आवाज़ों को व्यवस्थित तरीके से दबाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज सुबह एक्स (ट्विटर) पर कई ऐसे अकाउंट्स को भारत में ब्लॉक कर दिया गया, जो सरकार की विफलताओं को उजागर करते थे और आम लोगों के मुद्दे उठाते थे। 4 पीएम चैनल के दोबारा सस्पेंड होने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इसी तरह कई यूट्यूब चैनल्स सस्पेंड किए गए हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट्स और रील्स भी निशाने पर लिए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कारवां मैगजीन को मोदी की तस्वीर के साथ 'हीरो ऑफ़

हेटरेड' के कैप्शन वाली कवर फ़ोटो पोस्ट करने पर उसे डिलीट करने का आदेश आया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जरिए यह कार्रवाई की जा रही है। सरकारी अधिकारी तय कर रहे हैं कि क्या कंटेंट चलेगा और क्या नहीं। श्रीनेत ने बताया कि उन्हें स्वयं 11 ऐसे ईमेल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आ चुके हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार आर्थिक, कूटनीतिक, राजनीतिक और सामाजिक समेत हर मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी है। मोदी सरकार के नामी लोगों का नाम एपस्टीन फाइल में है और हर मोर्चे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी सरकार की काली करतूतों का पर्दाफाश हो रहा है। ऐसे में विपक्ष के साथ ही देश की आम जनता मोदी सरकार से सवाल पूछ रही है। सरकार ने मुख्यधारा की मीडिया को अपने अधीन ले लिया है। आम लोगों के लिए सवाल पूछने का साधन सोशल मीडिया बन गया है। ऐसे में सरकार चाहती है कि जो सवाल मुख्यधारा की मीडिया नहीं उठा रही है, वह सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स भी न उठाएं।

गैस बुकिंग को लेकर साइबर ठग सक्रिय, भेज रहे एपीके फाइन नहीं करें डाउनलोड

-ऐप के जरिए ठग आपके फोन में मौजूद संवेदनशील जानकारी हासिल कर लेते हैं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। अगर आपके मोबाइल पर अचानक गैस बुकिंग अपडेट या एलपीजी बिल पेंडिंग का मैसेज आए, तो यह कोई साधारण नोटिफिकेशन नहीं, बल्कि एक साइबर ट्रैप हो सकता है इसलिए सावधान रहें। केरल पुलिस ने एक नए तरह के फ्रॉड को लेकर अलर्ट जारी किया है, जिसमें ठग गैस सिलेंडर बुकिंग के बहाने लोगों के बैंक अकाउंट तक पहुंच बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में एजेंसी के मुताबिक साइबर ठग इन दिनों एलपीजी सिलेंडर की कमी की खबरों के बीच लोगों की परेशानी का फायदा उठा रहे हैं। सबसे पहले आपके मोबाइल पर एक एसएमएस आता है, जिसमें लिखा होता है कि आपका गैस बिल अपडेट करना है या बुकिंग अधूरी है। इसके बाद ठग व्हाटसएप के जरिए आपसे संपर्क करते हैं और एक फाइल भेजते हैं-जिसका नाम होता है गैस बिल अपडेट एपीके।

यह एपीके फाइल असल में एक खतरनाक ऐप होती है। जैसे ही कोई यूजर इसे इंस्टॉल करता है, उसका पूरा मोबाइल

फोन ठगों के कंट्रोल में चला जाता है। इस ऐप के जरिए ठग आपके फोन में मौजूद संवेदनशील जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसमें आपके बैंकिंग ऐप्स, यूपीआई डिटेल्स, पासवर्ड और यहां तक कि ओटीपी भी शामिल हो सकते हैं। इसके बाद बिना आपकी जानकारी के आपके बैंक अकाउंट से पैसे गायब होने लगते हैं। कई मामलों में लोगों को तब पता चलता है जब उनके अकाउंट से रकम निकल चुकी होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन सर्विसेज के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर फ्रॉड के तरीके भी तेजी से बदल रहे हैं। गैस बुकिंग जैसी रोजमर्रा की सेवाओं को निशाना बनाना इसलिए आसान है, क्योंकि लोग इनसे जुड़े मैसेज पर जल्दी भरोसा कर लेते हैं। ऊपर से अगर मैसेज में अर्जेंट या लास्ट चांस जैसे शब्द हों, तो लोग जल्द लिंक पर क्लिक कर देते हैं। केरल पुलिस ने साफ कहा है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और व्हाटसएप या एसएमएस के जरिए आए एपीके फाइल को कभी भी डाउनलोड या इंस्टॉल न करें। अगर गलती से आपने ऐसा कोई ऐप इंस्टॉल कर लिया है या आपको लगता है कि आपके साथ फ्रॉड हुआ है, तो तुरंत कार्रवाई करें। सबसे पहले अपने बैंक को जानकारी दें और अपने अकाउंट को सेफ करें। इसके बाद राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

नागरिकों की हिरासत पर यूक्रेन का दावा कहा- भारत से हमारे रिश्ते खराब कराना चाहता है रूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में हिरासत में लिए गए छह यूक्रेनी नागरिकों के मामले ने अब एक गंभीर राजनयिक मोड़ ले लिया है। यूक्रेन सरकार ने इस मामले में भारत से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हुए अपने नागरिकों की किसी भी प्रकार की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। यूक्रेन का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे रूस का हाथ हो सकता है, जो भारत और यूक्रेन के बीच के मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों में दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब मिजोरम में बिना वैध अनुमति (ऑथराइजेशन) के प्रवेश करने और संदिग्ध गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक को हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन व्यक्तियों पर म्यांमार के उन गुटों की सहायता करने का संदेह है, जिनके संबंध भारत विरोधी विद्रोही समूहों से माने जाते हैं। इस संवेदनशील मामले पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है कि भारत के कुछ क्षेत्र प्रतिबंधित और संरक्षित श्रेणी में आते हैं, जहाँ यात्रा के लिए विशेष अनुमति अनिवार्य है। चूंकि यह मामला अब अदालत के अधीन है, इसलिए तथ्यों की प्रस्तुति के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने इस संबंध में विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर अपने नागरिकों तक राजनयिक पहुंच (कंसुलर एक्सेस) प्रदान करने का आग्रह किया है। यूक्रेनी दूतावास द्वारा जारी एक कड़े बयान में कहा गया है कि यूक्रेन खुद रूसी आतंक का सामना कर रहा है, इसलिए वह आतंकवाद के किसी भी रूप के खिलाफ एक अडिग रुख रखता है। दूतावास ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर भी गहरी चिंता जताई है जिनमें दावा किया गया था कि यह कार्रवाई रूसी खुफिया जानकारी के आधार पर की गई है। यूक्रेन ने इसे राजनीति से प्रेरित कदम बताते हुए रूस पर दो मित्र देशों के बीच अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया है।यूक्रेन ने अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा के दौरान जारी किए गए उस संयुक्त बयान का भी हवाला दिया, जिसमें दोनों देशों ने मिलकर आतंकवाद की निंदा की थी। यूक्रेन ने भारतीय अधिकारियों को आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता संधि के तहत पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। साथ ही, यूक्रेन ने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले का उपयोग उसे बदनाम करने या भारत-यूक्रेन संबंधों को नुकसान पहुँचाने के लिए किया गया, तो इसे द्विपक्षीय विश्वास पर जानबूझकर किया गया हमला माना जाएगा।

पांच करोड़ से अधिक ओपीडी के साथ आम आदमी क्लीनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ बन रहे हैं: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 20 मार्च: 'शानदार चार साल, भगवंत मान के साथ' श्रृंखला को जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज स्वास्थ्य क्षेत्र का चार वर्षों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इससे पहले कृषि और सिंचाई क्षेत्रों में 'आप' सरकार के कार्यों का विवरण दिया गया था। 'शर्तों वाली' आयुष्मान भारत योजना और 'आप' सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को एक सार्वभौमिक और सुलभ स्वास्थ्य मॉडल बताया और जोर देकर कहा कि फर्क इरादे और क्रियान्वयन में है। डेटा-आधारित परिणाम प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आप' सरकार घोषणाओं से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव ला रही है। बिना किसी पाबंदी के 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की गारंटी से लेकर एक ऐसी प्रणाली विकसित की जा रही है, जिस पर लोग भरोसा करते हैं और सक्रिय रूप से उसका उपयोग कर रहे हैं। गलत जानकारी फैलाने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में अफवाह फैलाने वाले पंजाब को स्वस्थ नहीं देखना चाहते। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री सेहत योजना सभी के कल्याण के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य योजना है और इसके बारे में अफवाह फैलाने वाले पंजाब के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने यह योजना खासकर कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण इलाज तक सीधी पहुंच देने के उद्देश्य से शुरू की है। उन्होंने आगे कहा, यह देश की अपनी तरह की पहली योजना है, जो पंजाब के हर परिवार को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज प्रदान करती है। इसे गर्व की बात बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब ऐसा पहला भारतीय राज्य है जो व्यापक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान कर रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होने के साथ-साथ जनता पर आर्थिक बोझ काफी हद तक कम हो रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इस योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों और सभी नागरिकों को सुविधा केंद्रों, कॉमन सर्विस सेंटरों या आधार अथवा वोटर कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर स्वास्थ्य कार्ड जारी करते हुए सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा, इस योजना को व्यापक समर्थन मिला है और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ लेने के लिए आगे आ रहे हैं, जिससे उन परिवारों को काफी राहत मिली है जिन्हें इलाज पर भारी खर्च करना पड़ता था। अफवाहों पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ पंजाब विरोधी ताकतें, जो नहीं चाहतीं कि लोग ऐसी सुविधाओं का लाभ उठाएं, इस योजना के बारे में गलत जानकारी फैला रही हैं। ऐसे तत्वों का उद्देश्य लोगों को इसके लाभ से वंचित करना है, जो अनुचित है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने इस योजना के तहत अधिकांश निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है, जहां सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर लगभग 2600 बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। केंद्र की आयुष्मान योजना से तुलना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मुख्यमंत्री सेहत योजना लोगों के लिए वरदान है, जबकि आयुष्मान केवल दिखावा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र ने 140 करोड़ की आबादी के लिए केवल 9300 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जबकि पंजाब ने मात्र 3 करोड़ लोगों के लिए 2000 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इसका अर्थ है कि पंजाब प्रति व्यक्ति लगभग दस गुना अधिक खर्च कर रहा है। आयुष्मान के विपरीत हमारी योजना में कोई शर्त नहीं है। इस योजना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, पंजाब और चंडीगढ़ के लगभग 900 सरकारी और निजी अस्पताल इस योजना के अंतर्गत शामिल किए गए हैं और 25 लाख लाभार्थी पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 1.6 लाख से अधिक लोग इलाज प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आगे बताया, वर्ष 2025-26 के लिए 1200 करोड़ रुपए और 2026-27 के लिए 2000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। यह योजना 2,356 चिकित्सा एवं सर्जिकल प्रक्रियाओं को कवर करती है, जिसमें ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, हृदय, फेफड़े, गुर्दे की बीमारियां, कैंसर उपचार सहित कई अन्य सेवाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग का चार वर्ष का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब भर में 883 आम आदमी क्लीनिक कार्यरत हैं और 28 मार्च को 100 और क्लीनिक समर्पित किए जाएंगे। इसके अलावा 400 क्लीनिक निर्माणाधीन हैं। इन क्लीनिकों में 47 जांच और 107 दवाएं मुफ्त उपलब्ध हैं तथा मरीज संतुष्टि दर 94 प्रतिशत है। उन्होंने आगे कहा, ओपीडी संख्या 5 करोड़ को पार कर चुकी है और 1.69 करोड़ मरीजों का इलाज किया जा चुका है। यह मॉडल अब पूरे भारत में लोकप्रिय हो रहा है। मानव संसाधनों में अधिक निवेश की वकालत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब ने 2022 के बाद अपने इतिहास में डॉक्टरों की सबसे बड़ी भर्ती देखी है, जिसमें 948 जनरल डॉक्टर और 627 विशेषज्ञ शामिल हैं। यह पिछले 75 वर्षों में कुल सरकारी डॉक्टरों की भर्ती का लगभग 35 प्रतिशत है। उन्होंने आगे कहा, 300 नर्सिंग स्टाफ और 250 फार्मासिस्ट भर्ती किए गए हैं तथा 672 नर्सों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने कहा, 250 बिस्तरों की क्षमता वाले सात मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र निर्माणाधीन हैं और 17 मार्च को 30 बिस्तरों वाले धूरी केंद्र का उद्घाटन किया गया। अब सभी अस्पतालों में मुफ्त दवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करना प्राथमिकता है और सभी जिला अस्पतालों तथा 42 में से 33 सब-डिविजनल अस्पतालों में हॉटलाइन सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, शेष अस्पताल अप्रैल-मई 2026 तक हॉटलाइन सेवाओं से जुड़ जाएंगे और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों पर 400 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 50-50 बिस्तरों वाले 22 क्रिटिकल केयर ब्लॉक निर्माणाधीन हैं और डायग्नोस्टिक सेवाओं का महत्वपूर्ण विस्तार किया जा रहा है। अक्टूबर 2026 तक सभी जिला अस्पतालों में एमआरआई सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे 500 प्रतिशत वृद्धि होगी, जबकि सीटी स्कैन सेवाओं में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने आगे कहा, अमृतसर, फरीदकोट, मोहाली और पटियाला में पीईटी स्कैन सुविधाएं शुरू की जाएंगी और 200 से अधिक सूचीबद्ध निजी डायग्नोस्टिक केंद्र मुफ्त एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। तकनीक के उपयोग पर उन्होंने कहा, डायलिसिस सेवाओं का विस्तार किया गया है और क्षमता बढ़ाकर 4800 कर दी गई है, जिससे प्रतीक्षा समय कम हुआ है। देश में पहली बार सितंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच एआई आधारित कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 9,294 महिलाओं की स्तन कैंसर के लिए जांच की गई। उन्होंने आगे कहा, 1.07 लाख लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 21,660 लोगों में समस्या पाई गई। क्रिटिकल केयर पहलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मिशन अमृत के तहत पंजाब स्टेमी प्रोजेक्ट को दिल के दौरे के मरीजों की देखभाल के लिए 23 जिलों में लागू किया गया है। इसमें 29,000 मरीज दर्ज किए गए हैं और 1700 से अधिक मामलों की पहचान की गई है। उन्होंने आगे कहा, सीएमसी लुधियाना और मेडट्रॉनिक के सहयोग से 'समर्थ पंजाब स्ट्रोक प्रोजेक्ट' पहले ही 100 से अधिक मरीजों को लाभ पहुंचा चुका है। उन्होंने आगे कहा, अपनी तरह का पहला पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायलरी साइंसेज लोगों को बड़ी राहत दे रहा है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री की योगशाला अभियान के तहत प्रतिदिन 8000 योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे लगभग 2 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, सात नए मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं, जिनसे 600 नई एमबीबीएस सीटें बढ़ेंगी और पंजाब को चिकित्सा शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने निष्कर्ष में कहा, पंजाब सरकार आने वाले समय में राज्य को स्वस्थ और प्रगतिशील बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर को डिजिटल अरेस्ट कर दिखाया कोर्ट रूम, जालसाजों ने ठग लिए 1.29 करोड़ रुपये

नोएडा। साइबर जालसाजों ने सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर को डिजिटल अरेस्ट कर 1.29 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। ग्रेटर नोएडा निवासी 72 वर्षीय बुजुर्ग बैंक ऑफ महाराष्ट्र में मैनेजर थे। छह फरवरी को ट्राइ का अधिकारी बनकर एक जालसाज ने उन्हें कॉल कर कहा कि आपके नाम पर एक सिम कार्ड जारी हुआ है, जिसका इस्तेमाल गैरकानूनी कामों में हो रहा है। कुछ ही देर बाद जालसाजों ने वीडियो कॉल कर कहा कि आपको डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया है। वीडियो कॉल पर उन्होंने कोर्ट जैसी सेटिंग दिखाई गई और कहा गया कि सहयोग नहीं करेंगे तो गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ठगों ने पीड़ित पर दबाव बनाया और कहा कि उसके बैंक खातों की जांच होगी। जांच पूरी होने तक घर से बाहर नहीं जाना है और फोन कॉल चालू रखना है। करीब दो दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर खाते का सत्यापन के नाम पर पीड़ित से रकम ट्रांसफर कराई गई। 13 फरवरी 2026 को करीब 51.95 लाख रुपये, 19 फरवरी को 48.95 लाख रुपये, 21 फरवरी को 10.95 लाख रुपये, 25 फरवरी को 17.20 लाख रुपये और 26 फरवरी को 56 हजार 962 रुपये ट्रांसफर किए गए। इस तरह कुल 1 करोड़ 29 लाख 61 हजार 962 रुपये ठगों के खातों में चले गए। कुछ दिन बाद ठगों ने पीड़ित को सुप्रीम कोर्ट और मुंबई पुलिस के नाम से फर्जी लेटर भी भेजे और कहा कि उसे नो ड्यूज सर्टिफिकेट मिल गया है

पंजाब के युवाओं को अब घर में ही मिल रही हैं नौकरियां, देश छोड़कर विदेश जाने की नहीं कोई जरूरत: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

यह भारत में टाटा स्टील का पहला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस-आधारित प्लांट है, जो दर्शाता है कि पंजाब केवल निवेश ही नहीं, बल्कि आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार निवेश भी आकर्षित कर रहा है। ऐसा उत्पादन दक्षता, स्थिरता और संसाधनों के बेहतर उपयोग की वैश्विक दिशा को दर्शाता है। सरकार के औद्योगिक दृष्टिकोण को दोहराते हुए उन्होंने जोर देकर कहा, हम चाहते हैं कि पंजाब भारत के सबसे पसंदीदा औद्योगिक स्थलों में से एक बने। हम चाहते हैं कि कंपनियां पंजाब को केवल एक बाजार के रूप में ही नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक निर्माण भागीदार के रूप में देखें। टाटा समूह वैश्विक स्तर पर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के लिए जाना जाता है और रतन टाटा ने हमेशा इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई है। निजी उदाहरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने मानसून के दौरान आवारा कुत्तों को संघर्ष करते देख बॉम्बे हाउस में डॉग शेल्टर शुरू किया था। उन्हें देश का बेटा बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब उनका निधन हुआ तो पूरे देश ने राष्ट्र निर्माण और देश का नाम विश्व स्तर पर ऊंचा करने के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि पंजाब ग्रीन ऊर्जा के माध्यम से स्टील उत्पादन शुरू करने वाला देश का पहला राज्य है। अपनी जापान यात्रा को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने आगे कहा, जापान जैसे देश पहले ही बड़े पैमाने पर ग्रीन ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं और यह प्रोजेक्ट दर्शाता है कि पंजाब भविष्य में निवेश कर रहा है। पंजाब का मजबूत हवाई, रेल और सड़क संपर्क इसे व्यापार के लिए आदर्श स्थान बनाता है। हमने टाटा समूह के साथ यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों के लिए अधिक उड़ानें शुरू करने का मुद्दा उठाया है। पंजाब की विरासत पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य गुरुओं, संतों, पीरों, शहीदों और देशभक्तों की पवित्र धरती है, जहां नफरत के बीज को छोड़कर हर बीज उग सकता है। पंजाब ने खाद्य और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे देश का अन्नदाता और खड़ग भुजा का दर्जा प्राप्त है। इस प्लांट के साथ राज्य भर में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस प्रोजेक्ट के स्तर को उजागर करते हुए उन्होंने आगे कहा, आज हम इतिहास लिख रहे हैं क्योंकि टाटा न केवल पैसा निवेश कर रहा है, बल्कि अपनी साख भी पंजाब के नाम कर रहा है। 115 एकड़ में फैले इस प्लांट में निवेश 2600 करोड़ रुपये से बढ़कर 3200 करोड़ रुपये हो गया है और यह 100 प्रतिशत स्टील स्क्रैप को कच्चे माल के रूप में उपयोग करेगा, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल रहेगा। टाटा समूह के छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में यूनिट कार्यरत हैं और इनमें 10 लाख से अधिक लोग काम करते हैं। पंजाबी ईमानदारी और समर्पण भावना से काम करने में विश्वास रखते हैं, जिन्होंने हमेशा उद्योग और कर्मचारियों के बीच संबंधों को मजबूत किया है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया जा रहा है। उपलब्धियों का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, पिछले चार वर्षों के दौरान 1.58 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे युवाओं के लिए पांच लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। हमारा दृष्टिकोण सरल है—स्थिर नीतियां, तेज फैसले और मजबूत औद्योगिक साझेदारी। राज्य सरकार को बाधाएं खड़ी करने की बजाय निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना चाहिए। अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब निवेश का स्वागत करने के लिए तैयार है और उन उद्योगों का समर्थन करता है जो रोजगार पैदा करते हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं। हर नई फैक्ट्री और निवेश राज्य को रोजगार सृजन के और करीब ले जाता है। जब उद्योग बढ़ते हैं तो पंजाब बढ़ता है और जब पंजाब बढ़ता है तो देश बढ़ता है। जब उद्योग रोजगार पैदा करते हैं तो युवाओं को राज्य में ही अवसर मिलते हैं, जो पंजाब को मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से उच्च औद्योगिक विकास की ओर ले जाते हैं। पंजाब वैश्विक प्रतिस्पर्धा और मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की ओर बढ़ रहा है। सहयोग की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, औद्योगिक विकास हमेशा एक साझेदारी होता है। जब सरकार और उद्योग विश्वास और स्पष्टता के साथ मिलकर काम करते हैं तो परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ती हैं और बेहतर परिणाम देती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रोजेक्ट पंजाब के औद्योगिक विकास की कहानी में एक महत्वपूर्ण स्तंभ साबित होगा और अन्य कंपनियों को भी पंजाब में निवेश के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने टाटा स्टील और उद्योग जगत को पूरा सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा कि वे पंजाब की प्रगति में भागीदार हैं। उन्होंने कहा, यह परियोजना राज्य के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पंजाब को औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने और आर्थिक प्रगति को गति देने में सहायक होगी। वह दिन दूर नहीं जब पंजाब न केवल कृषि बल्कि उद्योग के क्षेत्र में भी देश का नेतृत्व करेगा। इससे पहले उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा, हरदीप सिंह मुंडियां, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा तथा अन्य उपस्थित थे।

कैंसर मरीजों के इलाज के लिए हर साल 33,000 करोड़ की जरूरत, फिनकैन शोध में खुलासा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के डॉ. बीआर अंबेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हॉस्पिटल के विशेषज्ञों की फिनकैन शोध में यह बात सामने आई है। इसका नेतृत्व डॉ. अभिषेक शंकर ने किया। अध्ययन के अनुसार, 2018 में शुरू हुई योजना के तहत अब तक 68 लाख से ज्यादा कैंसर मरीजों का इलाज हो चुका है, जिस पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। अध्ययन में पाया गया कि कैंसर का पता चलने के 30 दिनों में इलाज शुरू होने की संभावना 90त्न तक बढ़ गई है। हालांकि, यह भी सामने आया कि कैंसर के मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए हर साल करीब 33,000 करोड़ रुपये की जरूरत है, जबकि अभी सिर्फ करीब 7,700 करोड़ रुपये ही खर्च किए जा रहे हैं। शोध में सुझाव दिया गया है कि योजना में कुछ बदलाव किए जाएं। हर परिवार के लिए 5 साल में 25 लाख रुपये तक की रिवॉल्विंग लिमिट तय की जाए। इसके अलावा गंभीर मरीजों के लिए 10 लाख रुपये तक की अतिरिक्त मदद का भी सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जांच और स्क्रीनिंग सुविधाएं योजना में पूरी तरह शामिल नहीं हैं, जिससे इलाज शुरू होने में देरी होती है। इसलिए इन्हें जोड़ने का सुझाव दिया गया है। सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। हाल के बजट में जिला अस्पतालों में 200 नए कैंसर डे-केयर सेंटर खोलने की घोषणा की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, केवल इलाज पर खर्च बढ़ाना ही काफी नहीं है, बल्कि बीमारी की शुरुआती पहचान पर भी ध्यान देना जरूरी है। अगर कैंसर का पता जल्दी चल जाए और इलाज समय पर शुरू हो जाए तो हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है और हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

दिल्ली में रहने वाले बांग्लादेशी पति-पत्नी करवा रहे थे विदेशी घुसपैठ

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला की पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी दंपती को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान विकास उर्फ दिप्तो कुमार पाल (28) और इसकी पत्नी रूमा बेगम (27) के रूप में हुई है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों मिलकर अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ में मदद कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन के अलावा इसमें ईमो एप्लीकेशन इंस्टॉल बरामद किए हैं। इसके अलावा छह अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के दस्तावेज भी बरामद किए हैं। जाच के दौरान टीम को पता चला है कि दंपती मोटी रकम लेकर बॉर्डर पार करवाते थे। कुछ माह पूर्व दोनों को देहरादून पुलिस ने बांग्लादेशी डिपोर्ट किया था। दंपती दोबारा अवैध रूप से भारत में दाखिल हो गया। उत्तर-पश्चिम जिला की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि जिले की फॉरनर सेल लगातार अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे विदेशी नागरिकों की जानकारी जुटा रही है। इसकी कड़ी में कुछ दिनों पूर्व टीम ने तीन बांग्लादेशी महिला नागरिकों को दबोचा था। इन तीनों महिलाइों से पूछताछ हुई तो उन्होंने विकास का नाम बताया। महिलाओं ने कहा कि विकास ने ही उनके सीमा पार कराने का इंतजाम करवाया। इसके अलावा उसने दिल्ली में उनके रुकने का इंतजाम करवाया। विकस अपनी पत्नी के साथ मिलकर काम कर रहा है। टीम न विकाश की जानकारी जुटाना शुरू कर दी। उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुलिस ने नजर रखना शुरू कर दिया। इस दौरान टीम को खबर मिली कि आरोपी विकाश और इसकी पत्नी जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास आने वाल हैं। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने दोनों की पहचान की और दबोच लिया। दोनों शुरुआत में खुद को भारतीय बताने लगे। बाद में उनके कागजात की पड़ताल की गई तो दोनों के कागजात फर्जी निकले। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर एफआरआरओ के समक्ष पेश किया। अब इनके डिपोर्ट करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन लोगों ने भारत में अब तक कितने लोगों को अवैध रूप से दाखिल करवाया है।

नाम परिवर्तन

मै धनंजय कौशल सुपुत्र श्री कृष्ण अवतार कौशल निवासी 41 एक्सटेंशन -1 ,लोकेश सिनेमा,नांगलोई दिल्ली -110041 कि यानि मेरी दसवीं की मार्कशीट ओर माइग्रेशन सर्टिफिकेट में मेरी माता का नाम परवीन लिखा हुआ है जबकि उनका पूरा नाम परवीन बाला है उन्हें भविष्य में परवीन बाला के नाम से जाना जाए। रोल नंबर = 27023532016 वर्ष = अक्टूबर 2005

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that I, Mr. PARVIN KUMAR VIG, am filiing an application in L&DO/ NDMC for substitution / mutation of the property bearing Shop No. 62, Khanna Market, Lodhi Colony, New Delhi 110003, in the name of Late Shri Bodh Raj, on the grounds of inheritance. If there are any objections/claims from the general public in respect of this application, the same may be communicated to the office of L&DO /NDMC along with supporting document through registered post or by visiting L&DO / NDMC, or through an email at so.estateii@ndmc.gov.in,, within 30 days from the date of publication of this notice.

Mr. Parvin Kumar Vig
Address - K-49B first floor Kalkaji, New Delhi
Phone 9810519221

NAME CHANGE

I Aastha D/o Anil Kumar R/o A 14 DREAM HOME SOCIETY, SECTOR 15 OMAXE CITY, Bahadurgarh, PO:Bahadurgarh, DIST:Jhajjar, Haryana, 124507 have changed my name to Aastha Arora for all future purposes.

NAME CHANGE

I Anil Arora S/O AMRIT LAL, R/o A-14, DREAM HOME SOCIETY SECTOR 15 OMAXE CITY, Bahadurgarh, PO: Bahadurgarh, DIST: Jhajjar, Haryana-124507 have changed my name to Anil Kumar for All future purposes.

NAME CHANGE

I Seema Arora W/o Anil Kumar, R/o A-14, Dream Home Society Sector 15 Omaxe City, Bahadurgarh, PO: Bahadurgarh, DIST: Jhajjar, Haryana 124507 have changed my name to Seema for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MANJU BALA W/O NARENDER SINGH R/O H NO-749 FIRST FLOOR SECTOR-5 GURGAON -122001 HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO MANJU FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, NARESH KUMAR S/O SHRI KRISHAN SHARMA, R/o 115-A, GH-10, SUNDER APARTMENTS, PASCHIM VIHAR, DELHI - 110087, DELHI, INDIA have changed my name to NARESH KUMAR SHARMA for All future purposes.

NAME CHANGE

I, ANITA RANI W/O OM PRAKASH , R/o 369, 1st FLOOR 369 MUKHERJI NAGAR DELHI-110009, DELHI, INDIA have changed my name to ANITA MANCHANDA for All future purposes.

NAME CHANGE

I, NARESH KUMAR GOEL S/O SHISHAPAL residing at H NO-F-63, GALI NO-11, JAGAT PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI -110051. have changed my name to NARESH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, HEM LATA GOEL W/O NARESH KUMAR residing at H NO-F-63, GALI NO-11, JAGAT PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI -110051. have changed my name to HEMALATA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RITU AGGARWAL W/O PIYUSH GOEL residing at H NO-F-63, GALI NO-11, JAGAT PURI, KRISHNA NAGAR, DELHI -110051. have changed my name to RITU GOEL for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री प्रवीण विश्वास घाडगे, श्रीमती स्नेहा प्रवीण घाडगे, श्री विश्वास भगवान घाडगे, श्रीमती रंजना विश्वास घाडगे, यूनिट नं. 5, संपत्ति जिसका नगर निगम संख्या 73 है, जिसमें संपूर्ण ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर, सेकंड फ्लोर एवं थर्ड फ्लोर सहित छत के अधिकार सम्मिलित हैं, जिसका क्षेत्रफल 112 वर्ग गज है, जो कि खसरा नं. 604/427-69 एवं खसरा नं. 605/69 का हिस्सा है, स्थित ब्लॉक-ष्ट, गली नं. 2, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली ङ्ख 110005, को श्री सुभाष रतेजा से क्रय करना चाहते हैं। श्री सुभाष रतेजा उक्त संपत्ति के स्वामी हैं, जो उन्हें दिनांक 28.01.2023 के परित्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से प्राप्त हुई है। उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी उनकी माता, श्रीमती गीता रतेजा थीं। हालांकि, श्री सुभाष रतेजा ने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित दो मूल दस्तावेज, अर्थात् दिनांक 16.03.2012 का कन्वेयंस डीड (पंजीकरण संख्या 4858) तथा दिनांक 16.03.2012 का कन्वेयंस डीड (पंजीकरण संख्या 4847), खो गया/गुम हो गया है। उक्त दस्तावेज वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं और खोजने पर भी नहीं मिले हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (क्रनं. 176641/2026) दिनांक 19.03.2026 को दर्ज की गई है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति के क्रय हेतु वित्तपोषण Sammaan Capital Ltd., UGF, BP-3, पूसा रोड, ओल्ड राजेंद्र नगर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषण (Finance) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client MR. Rocky Jaiswal is purchasing the Plot No. 4, admeasuring 60 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 40/25, situated in the colony known as K-5 Extension, Part- I, Mohan Garden, Uttam Nagar, in the revenue estate of village Hastsal, New Delhi from Mrs. Prem Devi who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 07-03-2023 and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

We. Sh. Pritam Singh S/o Sh. Waryam Singh and Smt. Chanchal Rani W/o Sh. Pritam Singh, Ro B-28, GF, Gali No. 12, Jain Park, New Delhi. hereby declare that we have disowned and debarred our son Sh. Mahinder Singh S/o Sh. Pritam Singh, his wife Smt. Manisha and their children, and our daughter Smt. Amandeep Ghai Wo Sh. Rajat Ghai along with her children, from all our movable and immovable properties, present and future, due to their conduct and personal reasons. Our said son is living separately and has already received his share, and our daughter is married and settled and was given sufficient articles at the time of marriage. Henceforth, the above-named persons shall have no right, title or interest in our properties. The general public is hereby cautioned not to deal with them on our behalf, as we shall not be responsible for any of their acts, deeds or liabilities.

BABY VERMA ADVOCATE
DYNAMIC LAW CONSULTANTS
ADVOCATE & SOLICITORS

NAME CHANGE

I Shraban Kumar Satapathy S/o Panchanan Satapathy, House No-211-212, 1st Floor, Pocket-4, Sector-25 Rohini, Rohini, North West Delhi, Delhi, 110085 have changed my name to Shraban Satapathy for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Pooja Jain D/o Pitamber Singh Rana W/o Sunil Jain R/o Tower-11 Flat No. 805 Ace Divino Greater Noida West Sector-1 Bishrakh I.a. Surajpur Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh- 201306 have changed my name and hereafter be known as Pooja Rana

NAME CHANGE

I Sahil Gupta S/O Davender Kumar R/O 490/36 Onkar Nagar-C Tri Nagar, Delhi-110035, have changed my minor daughter's name from Aaradhya Aggarwal to Aaradhya Gupta for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MRS POOJA Wife of No-6502810P Rank-SEP Name-AJAY YADAV residing at VILL- BHEUSA URF BANKATA, PO-BARIGAON, TEH-KHAJNI, DISTT-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273211, have changed my name from MRS POOJA to POOJA for all future purposes vide Affidavit dated 20/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, POOJA/POOJA KAWATRA W/O BANTI R/O HOUSE NO-1689,NEAR TRIVENI PARK,SEC-2,ROHTAK,HARYANA-124001 ,HAVE CHANGED MY NAME TO POOJA ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, RAMESH SINGH ARYA S/o SH VINOD SINGH ARYA, R/o GALI NO.16. PURANA WATER TANK, RANGPURI, MAHIPAL PUR, NEW DELHI-110037 want to change my name from RAMESH SINGH ARYA to ARYAN SINGH. That RAMESH SINGH ARYA and ARYAN SINGH is one and same Person

NAME CHANGE

It is for general information that I, MEENAKSHI W/O LATE SOHAN LAL R/o. 3189, GALI NO. 234, CHANDAN NAGAR, TRI NAGAR, ONKAR NAGAR, P.O. DISTT NORTH WEST DELHI-110035 declare that name of mine has been wrongly written as MEENU in my husband service record. The actual name of mine is MEENAKSHI which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **दीपक, पुत्रः ओम प्रकाश, निवासीः मकान नंबर 5705, शिंगारा चौक के पास, हनुमान मंदिर, नवी करीम, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.486/2020 U/S 33 दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना वेलकम, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **दीपक** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.486/2020 U/S 33 दिल्ली उत्पाद शुल्क अधिनियम, थाना वेलकम, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपक** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **25.04.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं.-19, प्रथम मंजिल, शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3591/NE/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **(1) बंटू पुत्रः** मोहम्मद सिराज **पताः** वार्ड नंबर-20 लक्ष्मी गार्डन लोनी देहात गाजियाबाद उ.प्र. **इसके अलावाः** शवकत का मकान गली नंबर -7 इंद्रा कॉलोनी लक्ष्मी गार्डन लोनी देहात गाजियाबाद यूपी, **(2) नदीम पुत्रः** सलीम **पताः** मकान नंबर 26 गली नंबर 10, लक्ष्मी गार्डन लोनी जिला, गाजियाबाद **इसके अलावाः** मकान नंबर 348 डी ब्लॉक लक्ष्मी गार्डन स्ट्रीट नंबर 10, लोनी देहात गाजियाबाद यूपी, ने **FIR No. 240/2019 U/s 379/411/34 IPC थानाः मोती नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) बंटू (2) नदीम,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) बंटू (2) नदीम,** फरार हो गया है(या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 240/2019 U/s 379/411/34 IPC थानाः मोती नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **(1) बंटू (2) नदीम,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंशुल सिंघल
जेएमएफसी-04 (पश्चिम) कमरा नंबर 268
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3587/WD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1)दान सिंह उर्फ विक्की** पुत्र प्रेम सिंह निवासी ई-60, सुधीर एन्क्लेव, राम पार्क, लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **(2) संजीव** पुत्र नवल किशोर निवासी सोम बाजार, पूजा कॉलोनी, लोनी जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 14899/20 धारा 379/411/482/34 भा.द.स, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) दान सिंह उर्फ विक्की, (2) संजीव** मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **(1) दान सिंह उर्फ विक्की, (2) संजीव** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **(1) दान सिंह उर्फ विक्की, (2) संजीव, ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 14899/20 धारा 379/411/482/34 भा.द.स, थाना भजनपुरा, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01
कमरा नंबर 73, 5वीं मंजिल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/3186/RD/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

1122 करोड़ की योजना से हरियाणा में बदलेगा खेती का ढांचा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की खेती को परंपरागत ढांचे से निकालकर आधुनिक, टिकाऊ और मुनाफे वाली दिशा में ले जाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के तहत राज्य के लिए 1122 करोड़ रुपये की व्यापक कार्ययोजना को मंजूरी दी गई है। यह फैसला मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) की बैठक में लिया गया। इस योजना को केवल बजट आवंटन तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे खेती के संपूर्ण बदलाव के रूप में तैयार किया गया है, जहां तकनीक, पानी की बचत, फसल विविधिकरण और प्राकृतिक खेती को एक साथ जोड़ा गया है। राज्य सरकार ने साफ संकेत दिए हैं कि अब खेती को श्रम आधारित नहीं बल्कि तकनीक आधारित बनाया जाएगा। कृषि मशीनीकरण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत किसानों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे लागत घटेगी और उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। खास बात यह है कि छोटे और मध्यम किसानों को भी इन मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई है, ताकि तकनीक का लाभ केवल बड़े किसानों तक सीमित न रहे।

कांग्रेस बिखराव से भ्रमित, भाजपा संगठन मजबूत : मोहनलाल बड़ौली

सोनीपत। सोनीपत स्थित भाजपा कार्यालय स्वर्ण कमल में भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुचाने और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद कांग्रेस घबराई हुई है और उसके नेता कन्फ्यूज हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में आपसी विश्वास की कमी स्पष्ट रूप से सामने आई है, जिससे संगठन में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी इसलिए बनी है क्योंकि इसके कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना से कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस विकास यात्रा का सशक्त वाहक है।

अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा, छह एकड़ में बना ढांचा ध्वस्त

नारनौल। जिले में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कनीना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जिला नगर योजनाकार नारनौल की टीम ने कनीना से कोसली रोड पर स्थित राजस्व संपदा मौजा कनीना में विकसित की जा रही करीब छह एकड़ भूमि की अवैध कॉलोनी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने न केवल अवैध निर्माणों को गिराया, बल्कि प्लॉटों की निशानदेही भी हटा दी। इसके साथ ही कॉलोनी में बनाए गए पूरे रोड नेटवर्क को उखाड़ दिया गया, जिससे कॉलोनी का पूरा ढांचा समाप्त हो गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां विकसित करने वालों में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट सतेन्द्र कुमार और सहायक नगर योजनाकार की अगुवाई में की गई। मौके पर किसी प्रकार की बाधा न हो इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिला नगर योजनाकार मंदीप सिंह सिहाग ने बताया कि विभाग को लगातार अवैध कॉलोनियों की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना विभागीय अनुमति के किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह अवैध है और ऐसे मामलों में भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नियंत्रित एवं शहरी क्षेत्रों में जमीन खरीदने या निर्माण करने से पहले विभाग से अनुमति अवश्य लें। अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से लोगों को आर्थिक नुकसान हो सकता है, क्योंकि ऐसे निर्माण कभी भी हटाए जा सकते हैं।

सरकार का लक्ष्य पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना : डा. मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा है कि नायब सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की नीतियां जरूरतमंद और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित हैं और इसी कड़ी में यह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा लघु सचिवालय परिसर में आयोजित चेक वितरण समारोह के दौरान अपने स्वैच्छिक कोटे से 62 जरूरतमंद व्यक्तियों व विभिन्न समितियों को कुल एक करोड़ 33 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक वितरित करने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी स्पीकर ने कहा कि आज वितरित की गई यह राशि जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होगी। वे इस सहायता राशि के जरिये अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से संबंधित सभी जरूरतों को पूरा कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित कर सकें। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। जिससे पात्र लोगों तक सीधे लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक समय पर पहुंचे।

हरियाणा विधानसभा में 54 घंटे 24 मिनट चली बजट सत्र की कार्यवाही

- **स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने जारी की रिपोर्ट**
- **सत्र में विधायकों ने उठाए 220 सवाल, 168 के जवाब मिले**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान कुल 54 घंटे 24 मिनट सदन की कार्यवाही चली। 20 फरवरी से लेकर 18 मार्च तक आयोजित 13 बैठकों में कई अहम बिल पास किए गए। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने चंडीगढ़ में विधानसभा सत्र के संबंध रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि 20 फरवरी को राज्यपाल प्रो.असीम घोष द्वारा प्रस्तुत किए गए अभिभाषण पर कुल 7 घंटे 58 मिनट चर्चा करवाई गई। इस चर्चा में मुख्यमंत्री समेत भाजपा के 19 सदस्य 217 मिनट, कांग्रेस के 14 सदस्य 229 मिनट, इनेलो के 2 सदस्य 24 मिनट तथा 2 निर्दलीय विधायकों ने 8 मिनट अपनी बात रखी। इसी प्रकार सदन में बजट पर

10 घंटे 3 मिनट इस पर चर्चा हुई। सत्र के दौरान 6 दिन शून्यकाल रहे। इस दौरान 5 घंटे 3 मिनट चली कार्यवाही में भाजपा के 23 विधायक 129 मिनट बोले, कांग्रेस के 24 विधायक 139 मिनट बोले, इनेलो के 2 विधायक 23 मिनट तथा निर्दलीय 3 विधायकों को 12 मिनट का समय मिला। इनेलो के एक विधायक को दो बार बोलने का मौका मिला। इस प्रकार कुल 52 विधायकों ने शून्यकाल में हिस्सा लिया। बजट सत्र के दौरान 11 दिन प्रश्नकाल हुए। इसके लिए 220 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे, इनमें से 168 के जवाब हाउस में दिए गए। विधान सभा सचिवालय को 57 सदस्यों से 390 तारांकित प्रश्नों के लिए नोटिस प्राप्त हुए थे, इनमें से 258 एडमिट हुए। इनमें भाजपा के 23, कांग्रेस के 29, इनेलो के 2 तथा 3 निर्दलीय विधायकों ने प्रश्नों के लिए नोटिस भेजे। इस दौरान एक रिकॉर्ड यह बना कि लगातार 3 दिन और कुल 4 दिन निर्धारित सभी सवालों के जवाब सदन में दिए गए। इसी प्रकार 28 विधायकों की ओर से 183 अतारांकित प्रश्नों के नोटिस प्राप्त हुए। अतारांकित प्रश्न लगाने वालों में भाजपा के 10, कांग्रेस के 15 इनेलो के 2 तथा एक निर्दलीय विधायक शामिल रहा। इनमें से 145 अतारांकित प्रश्न स्वीकृत हुए। सभी 145 प्रश्नों के जवाब विधायकों को भेजे गए। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए 32 नोटिस प्राप्त हुए थे, इनमें से 5 स्वीकृत हुए। इसी प्रकार कार्य स्थगन प्रस्ताव के लिए 4 नोटिस प्राप्त हुए, जिनमें से एक स्वीकृत किया गया। सत्र के लिए 8 विधेयकों के प्रारूप मिले थे। ये सभी चर्चा उपरांत पारित कर दिए गए।

सत्र के दौरान 2 सरकारी संकल्प भी पारित किए गए। इनमें आवासन बोर्ड को भंग कर इसका एचएसवीपी में विलय करने तथा सफाई कर्मचारी नियोजन एवं शुष्क शौचालय निर्माण अधिनियम, 1993 के निरसन शामिल हैं। इसके अलावा नियम 84 के अधीन 'विकसित भारत जी-राम' योजना के प्रावधानों पर भी चर्चा हुई।

नवरात्रों में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में नहीं खुलेंगी मीट की दुकानें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने नवरात्रों के अवसर के दौरान राज्य की सभी म्युनिसिपल एरिया के संवेदनशील स्थानों के आसपास मीट की दुकानें खोलने पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश जारी किए है। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा म्यूनिसिपल एक्ट 1976 के रेगुलेशन ऑफ सेल ऑफ मीट एक्ट के तहत धार्मिक, उपासना केंद्रों एवं शैक्षणिक स्थानों के आसपास मीट की दुकानों को खोलने पर पूर्ण रूप प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा, स्थानीय निकायों के लाईसेंस अधिकारी की अनुमति लिए बिना कोई भी मीट की दुकान नहीं खोली जा सकती। शहरी निकाय मंत्री ने कहा कि नवरात्रि के दौरान शहरी क्षेत्रों में पूर्ण रूप से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आदेश जारी किये गये है। जारी आदेशानुसार, नवरात्रों के दौरान म्यूनिसिपल एरिया में मीट की दुकान खोलने के लिए लाइसेंसिंग ऑथोरिटी से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। लाईसेंसिंग ऑथोरिटी की अनुमति के बिना दुकान खोलने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने आदेशों में कहा कि सभी म्यूनिसिपल अधिकारी नियमित रूप से संबंधित म्युनिसिपल एरिया की मीट की दुकानों की मॉनिटरिंग करने के लिए पुख्ता प्रबंध करें और इन आदेश की कड़ाई से पालना करना सुनिश्चित करें। जारी आदेशों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसी प्रकार की लापरवाही एवं उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी, 12 घरेलू सिलेंडर जब्त

एजेंसी

सिरसा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीमों ने सिरसा शहर में आधा दर्जन जगहों पर औचक छापेमारी कर करीब एक दर्जन घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। बताया जा रहा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक प्रयोग किया जा रहा था वहीं जिला प्रशासन ने एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लाइनें नहीं टूट रही हैं। घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक प्रयोग को रोकने के लिए टीमें लगातार प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई कर रही हैं। विभाग की टीमों ने सिरसा शहर में छापामारी कर आधा दर्जन प्रतिष्ठानों से 12 घरेलू सिलेंडर जब्त किए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि घरेलू सिलेंडरों के कमर्शियल प्रयोग करने पर कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इस संबंध में केंद्र वाइज नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो इन गतिविधियों पर निगरानी रखेंगे और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे। सिरसा, डिंग, सूचान, मल्लेकां, नाथुसरी चोपटा क्षेत्रों के लिए सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी राहुल कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार कालांवाली, औढां और रोड़ी क्षेत्र के लिए सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी संदीप कुमार, रानियां, ऐलनाबाद, बड़ागुढा, जीवननगर व डबवाली क्षेत्रों के लिए सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी जगपाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पहले नवरात्र पर किए माता मनसा देवी के दर्शन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी के साथ चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन पंचकूला पहुंचकर माता मनसा देवी मंदिर में माथा टेककर पूजा-अर्चना की और महामाई का आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में पहुंचकर मंत्रोच्चारण के बीच हवन-यज्ञ में भाग लिया और आहुति अर्पित की। इससे पूर्व उन्होंने मंदिर परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर उपायुक्त एवं माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक सतपाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को माता मनसा देवी का चित्र एवं हिंदू नववर्ष का कैलेंडर सम्मान स्वरूप भेंट

किया। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्र और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने माता मनसा देवी के चरणों में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। उन्होंने माता से प्रार्थना की कि हरियाणा प्रदेश खुशहाल रहे और निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र हमारी समृद्ध संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक हैं। माता मनसा देवी में श्रद्धालुओं की असीम आस्था है और नवरात्रि के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं, जिन्हें माता पूर्ण करती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड द्वारा माता मनसा देवी मंदिर, काली माता मंदिर, कालका और चंडी माता मंदिर में अनेक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि माता मनसा देवी मंदिर परिसर में संचालित संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का निर्माण कार्य जारी है। इसके अतिरिक्त मंदिर को भव्य रूप देने के लिए एक नए कॉरिडोर का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है, जिसमें लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सरकार ने 23 आईएएस अधिकारियों का किया तबादला

- **वुंडरू से खाद्य एवं आपूर्ति लिया, परिवहन बना रहेगा**
- **आईएएस मुकुल कुमार होंगे निकाय विभाग के निदेशक**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने विधानसभा का बजट सत्र सम्पन्न होते ही बड़े स्तर पर प्रशासनिक बदलाव किया है। बृहस्पतिवार को 23 आईएएस अधिकारियों के नियुक्ति एवं स्थानांतरण आदेश जारी किए गए। इनमें सोनीपत डीसी को भी बदला गया है। सोनीपत के उपायुक्त सुशील सारवान की जगह अब 2015 बैच की आईएएस नेहा सिंह को सोनीपत की नई डीसी के पद पर तैनात किया गया है। वहीं सुशील सारवान को एचएसआईआईडीसी का एमडी के पद पर नियुक्ति दी गई है। वे हरियाणा फाइनेंशियल कॉरपोरेशन के एमडी भी होंगे। डॉ राजा शेखरू वुंडरू से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग वापस लिया है। हालांकि परिवहन विभाग उनके पास बना रहेगा। साथ ही, विजय सिंह दहिया से लेकर उन्हें प्रिंटिंग एंड स्टेशनरी का अतिरिक्त मुख्य सचिव भी लगाया है। समाज कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ जी़ अनुपमा से मानव संसाधन विभाग वापस लेकर इसकी जगह उन्हें नागरिक उड्डयन विभाग विभाग दिया है। एके सिंह से टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग लेकर उन्हें उच्चतर शिक्षा विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया है।

साथ ही पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) विभाग का जिम्मा भी उन्हें सौंपा है। वहीं अनुराग अग्रवाल से पीडब्ल्यूडी लेकर उन्हें अब टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया है। सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव वियजेंद्र कुमार को कृषि विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया है। साथ ही, उन्हें इन्कम इन्हांसमेंट बोर्ड का ओएसडी लगाया है। सैनिक एवं अर्ध-सैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का जिम्मा उनके पास पहले की तरह बना रहेगा।

विजय सिंह दहिया को स्कूल शिक्षा विभाग का प्रधान सचिव लगाया है। पशुपालन विभाग के प्रधान सचिव के साथ-साथ उन्हें खेल विभाग का भी प्रधान सचिव नियुक्त किया है। आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशीमा बराड़ को उर्जा विभाग की आयुक्त एवं सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। मानव संसाधन विभाग के आयुक्त एवं सचिव तथा गुरुग्राम मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ पीसी मीणा को फरीदाबाद मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अतिरिक्त प्रधान सचिव साकेत कुमार को सरकार ने सहकारिता विभाग का आयुक्त एवं सचिव भी नियुक्त किया है। हालांकि उनके शहरी स्थानीय निकाय विभाग वापस लिया गया है। सीएम के एपीएस व सहकारिता विभाग के साथ-साथ उनके पास विकास एवं पंचायत विभाग का आयुक्त एवं सचिव भी नियुक्त किया है। हरियाणा बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड के एमडी का जिम्मा भी उनके पास रहेगा। राज्यसभा चुनाव में रिटर्निंग अधिकारी (रहे) पंकज अग्रवाल से कृषि विभाग लेकर अब उन्हें सिंचाई तथा जल संसाधन विभाग का प्रधान सचिव लगाया है। साथ ही, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड का एडवाइजर भी उन्हें बनाया गया है। पंकज अग्रवाल को और भी पावरफुल बनाते हुए सरकार ने उन्हें खनन एवं भू-विज्ञान विभाग का प्रधान सचिव भी लगाया है।

हरियाणा भवन, नई दिल्ली की एडिशनल रेजिडेंट कमिश्नर ए़ मोना श्रीनिवासन को प्रमोट करते हुए सरकार ने अब रेजिडेंट कमिश्नर बनाया है। वहीं सोनीपत मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी की सीईओ पहले की तरह बनी रहेंगी। फरीदाबाद मेट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ ज़े गणेशन को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का आयुक्त एवं सचिव नियुक्त किया है। हाउसिंग फॉर ऑल के महानिदेशक के साथ-साथ हारट्रोन के एमडी सहित कई पुराने विभाग भी उनके पास बने रहेंगे।

हरियाणा में 30 से अधिक उम्र के हर व्यक्ति की की जाएगी स्क्रीनिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते खतरे को देखते हुए अब 'इलाज से पहले रोकथाम' की रणनीति पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश को हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त करना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम को राज्य के सभी 22 जिलों में लागू कर दिया है। अब हर जिले में विशेष एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करते हुए 170 उप-मंडल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 292 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी एनसीडी क्लिनिक संचालित किए जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि लोगों को अपने घर के पास ही जांच और इलाज की सुविधा मिल सके, ताकि बीमारी गंभीर होने से पहले ही पकड़ में आ जाए। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि आवश्यक औषधि सूची के तहत हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों की दवाएं सभी जिलों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, सरकार लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दे रही है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देने के साथ-साथ लोगों को तंबाकू, खराब खानपान और शारीरिक निष्क्रियता जैसे जोखिम कारकों से बचाव की सलाह दी जा रही है। सरकार ने 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की नियमित स्क्रीनिंग पर खास फोकस किया है। इस अभियान के तहत जिन बीमारियों की जांच की जा रही है, उनमें मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप, मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर शामिल हैं। इसका उद्देश्य है कि बीमारी की शुरुआती अवस्था में ही पहचान हो जाए।

कांग्रेस ने राज्यसभा चुनावों में धांधली का आरोप लगा राज्यपाल को दिया ज्ञापन

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्यसभा चुनाव में वोटिंग के दौरान कथित धांधली का आरोप लगाते हुए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा कांग्रेस विधायक दल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कांग्रेस ने राज्यसभा की 2 सीटों के लिए हुए चुनाव में बीजेपी व निर्वाचन अधिकारी की मिलीभगत का खुलासा किया।

ज्ञापन में कहा गया है कि हरियाणा विधानसभा में कुल 90 सदस्य हैं, जिसमें बीजेपी के 48, कांग्रेस के 37, इंडियन नेशनल लोक दल के 2 तथा 3 निर्दलीय विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए न्यूनतम 31 मतों की आवश्यकता थी। सामान्य परिस्थितियों में बीजेपी और कांग्रेस प्रत्येक एक सीट जीतने वाली थी, लेकिन बीजेपी ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए अपने ही उपाध्यक्ष सतीश नंदल को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में खड़ा कर दिया, जिसके लिए 7 बीजेपी विधायकों ने प्रस्तावक बनकर समर्थन दिया। कांग्रेस ने इसे सत्तारूढ़ दल द्वारा राजनीतिक खरीद-फरोख्त, प्रलोभन, धमकी, संस्थागत दबाव तथा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण बताया है। ज्ञापन में

कहा लगाया गया है कि निर्वाचन अधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर) पंकज अग्रवाल (आईएएस) ने पक्षपातपूर्ण एवं पक्षधर भूमिका निभाई। उन्होंने कांग्रेस विधायकों के वैध मतों को अवैध घोषित किया, बीजेपी एवं निर्दलीय उम्मीदवार के पक्ष में मतों को स्वीकार किया तथा कांग्रेस के मतगणना एजेंटों द्वारा दर्ज की गई सभी वैध आपत्तियों को जानबूझकर अनदेखा कर दिया। कांग्रेस ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग को भी शिकायत दर्ज कराई है। विधायक दल ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वे राज्य के संवैधानिक संरक्षक के रूप में इस अनैतिक एवं अलोकतांत्रिक व्यवहार की जांच कराएं, सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों, शालीनता एवं अनुशासन का पालन करने का निर्देश दें तथा निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस मौके पर विधायक भारत भूषण बात्रा ने बताया कि बीजेपी ने चुनाव में धांधली करने की मंशा से ही तीसरा उम्मीदवार उतारा था। सतीश नांदल बीजेपी के उपाध्यक्ष हैं, बावजूद इसके उन्हें निर्दलीय उम्मीदवार का नाम दिया गया। स्पष्ट है कि दूसरा उम्मीदवार भी बीजेपी का ही था।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम बना बदलाव का जन आंदोलन : श्रुति चौधरी

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि राज्य में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम केवल एक योजना नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है। इसके माध्यम से बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने, उनके प्रति सम्मान बढ़ाने और समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने की दिशा में निरंतर सार्थक एवं परिणामोन्मुखी प्रयास किए जा रहे हैं।

श्रुति चौधरी ने यह बात चंडीगढ़ स्थित अपने निवास स्थान पर आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कही, जो जन्म के समय लिंगानुपात में उत्कृष्ट सुधार करने वाले जिलों के सम्मान में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में जहां जन्म के समय लिंगानुपात 871 था, वहीं वर्ष 2025 में यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया है। यह बदलाव समाज की सोच में आए सकारात्मक परिवर्तन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद में 43, पानीपत में 83 और पंचकूला में 24 छापे मारकर अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। श्रुति चौधरी ने बताया कि वर्ष 2025 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों में पंचकूला (971), फतेहाबाद (961) और पानीपत (951) शामिल हैं। इन जिलों के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 871 से 923 तक का यह सुधार 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन और हरियाणा की सामूहिक जागरूकता का प्रतीक है, और आने वाले समय में इसे और बेहतर बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत रहेगी। उन्होंने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की शुरुआत 22 जनवरी, 2015 को देश में गिरते बाल लिंग अनुपात को सुधारने और महिलाओं व बालिकाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

हरियाणा में वर्ष 2025-26 में मेट्रो यात्रियों की संख्या में 13.55 फीसदी की वृद्धि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में वर्ष 2025-26 में मेट्रो यात्रियों की संख्या में 13.55 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो सार्वजनिक परिवहन की तरफ यात्रियों के बढ़ते रुझान को दर्शाती है। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन बोर्ड की बैठक में यह जानकारी दी। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच मेट्रो नेटवर्क का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या 1.74 करोड़ से अधिक रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 1.53 करोड़ था। जुलाई माह में सर्वाधिक 22.93 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी महीनों में भी सकारात्मक वृद्धि रही।

वित्तीय दृष्टि से भी एचएमआरटीसी का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा है। जनवरी 2026 तक किराया राजस्व में 12.64 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, गैर-किराया राजस्व में 108 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि स्टेशन परिसरों के बेहतर उपयोग, विज्ञापन और व्यावसायिक गतिविधियों से प्राप्त आय के कारण संभव हुई है। स्टेशनों के नामकरण अधिकारों की नीलामी तथा अतिरिक्त विज्ञापन स्थलों के विकास जैसी पहलों से एचएमआरटीसी की वित्तीय स्थिति को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। अनुराग रस्तोगी ने कहा कि यात्रियों की संख्या और राजस्व में लगातार वृद्धि हरियाणा की समेकित परिवहन रणनीति की सफलता को दर्शाती है। गुरुग्राम के सेक्टर-56 से पंचगांव तक मेट्रो कनेक्टिविटी पर तत्परता से विचार किया जा रहा है। इस संबंध में एचएसआईआईडीसी द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) एवं लेआउट प्लान का अध्ययन किया जा रहा है। इसी प्रकार सिही गांव के निकट सेक्टर-36ए में डिपो के लिए स्थान को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं बल्लभगढ़-पलवल मेट्रो विस्तार परियोजना की टेक्नो-फिजिबिलिटी का आकलन राइट्स द्वारा किया जा रहा है। बहादुरगढ़-आसौधा कनेक्टिविटी के लिए भी एक नया अध्ययन किया जा रहा है, क्योंकि एचआरआईडीसी द्वारा आसौधा में नया इंटरचेंज स्टेशन विकसित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो सके। गुरुग्राम-फरीदाबाद नमो भारत कॉरिडोर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य सरकार द्वारा इसकी अलाइनमेंट और स्टेशनों के स्थानों को अंतिम रूप देकर अनुमोदित किया जा चुका है तथा एनसीआरटीसी द्वारा डीपीआर तैयार की जा रही है।

दिल्ली-कुंडली मेट्रो विस्तार परियोजना को स्वीकृति के लिए हरियाणा मंत्रिमंडल की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है। दिल्ली-पानीपत-करनाल आरआरटीएस कॉरिडोर (136.3 किलोमीटर) पर भी प्रगति हुई है। इसकी संशोधित डीपीआर को वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया है, जिसके बाद इसे हरियाणा मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

हरियाणा राज्यसभा चुनावः कांग्रेस ने चार विधायकों को नोटिस जारी किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा को एक-एक सीट मिलने के बावजूद क्रॉस वोटिंग का घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस ने चार विधायकों को नोटिस जारी किया है। पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने स्पष्ट किया कि जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो निष्कासन तक की कार्रवाई हो सकती है।हरियाणा विधानसभा में 37 विधायकों वाली कांग्रेस अपने ही उम्मीदवार को पूरी ताकत नहीं दिला सकी। मतगणना के बाद सामने आया कि कांग्रेस के पांच विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर वोटिंग की, जबकि चार विधायकों के वोट तकनीकी कारणों से रद्द हो गए। इस चुनाव के दो दिन बाद ही कांग्रेस ने सख्त रुख अपनाते हुए चार विधायकों - शैली चौधरी, मोहम्मद इलियास, मोहम्मद इसराइल और रेनु बाला के नाम सार्वजनिक कर दिए। पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने साफ कर दिया कि जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो निष्कासन तक की कार्रवाई हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम सवाल यही है कि क्या क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों की सदस्यता जा सकती है। संवैधानिक मामलों के जानकार तथा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार के अनुसार, राज्यसभा चुनाव विधानसभा की 'आंतरिक कार्यवाही' नहीं माने जाते। इसलिए यहां दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) सीधे लागू नहीं होता। यानी विधायक अपनी मर्जी से वोट देने के लिए स्वतंत्र हैं, चाहे वह पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ ही क्यों न हो। आमतौर पर विधानसभा या लोकसभा में पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने पर सदस्यता जा सकती है, लेकिन राज्यसभा चुनाव अलग प्रकृति का होता है। यहां कोई भी पार्टी अपने विधायकों को कानूनी रूप से बाध्य नहीं कर सकती कि वे किसे वोट दें। यही वजह है कि क्रॉस वोटिंग के बावजूद विधायकों की सदस्यता सुरक्षित रहती है।

वैश्विक व्यापार वृद्धि में गिरावट का खतरा- डब्ल्यूटीओ चेतावनी

नई दिल्ली।

डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ऊंची ऊर्जा कीमतों के कारण वैश्विक व्यापार की वृद्धि दर 2026 में 1.9 फीसदी रह सकती है, जबकि 2025 में यह 4.6 फीसदी थी। यात्रा और परिवहन में रुकावटों से खाद्य आपूर्ति और सेवाओं के व्यापार पर दबाव बढ़ सकता है। इसके साथ ही, पिछले साल एआई से जुड़े उत्पादों की बढ़ी मांग और शुल्कों से बचाव के कारण आयात में आई तेजी अब सामान्य होने की ओर बढ़ रही है। यह पूर्वानुमान भारत जैसे निर्यातक देशों के लिए चिंता का विषय है। डब्ल्यूटीओ महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो इवेला ने कहा कि ऊंची ऊर्जा कीमतें और संघर्ष वैश्विक व्यापार के लिए जोखिम बढ़ा रहे हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ताओं पर लागत का दबाव बढ़ सकता है।

अमेरिका ने मिनेसोटा में मेसाबी मेटैलिक्स परियोजना के लिए 10 अरब डॉलर का समर्थन किया

एक एकीकृत लौह अयस्क खनन और प्रसंस्करण संयंत्र के निर्माण की है परियोजना

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मिनेसोटा में एस्सार समूह की कंपनी मेसाबी मेटैलिक्स को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक के वित्तीय समर्थन की घोषणा की है। यह परियोजना एक एकीकृत लौह अयस्क खनन और प्रसंस्करण संयंत्र के निर्माण की है, जो सालाना लगभग 70 लाख टन उच्च गुणवत्ता वाले प्रत्यक्ष अपचयन लौह अयस्क पेलेट्स का उत्पादन करेगी। ये पेलेट्स आधुनिक इस्पात निर्माण के लिए आवश्यक हैं और परियोजना से अमेरिका में सैकड़ों नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम) ने बताया कि उनका यह समर्थन करीब 30 अरब डॉलर के रणनीतिक समझौतों को आगे बढ़ाएगा, जिनका उद्देश्य अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को मजबूत करना है। यह पहल हिंद-प्रशांत सहयोगियों के साथ रणनीतिक आर्थिक संबंधों को भी प्रोत्साहित करती है। तोकीयो में आयोजित हिंद-प्रशांत ऊर्जा सुरक्षा मंच में एक्जिम के चेयरमैन जॉन जोवानोविच, आंतरिक मामलों के मंत्री डग बर्गम और पर्यावरण एजेंसी की प्रमुख ली जेल्डिन ने भाग लिया। एक्जिम ने जापान और दक्षिण कोरिया में परमाणु ऊर्जा संचालकों को 4.2 अरब डॉलर तक के संभावित वित्तपोषण के लिए रुचि पत्र जारी किए। यह अमेरिकी समृद्ध यूरेनियम की खरीद और सुरक्षित परमाणु ईंधन आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में मदद करेगा। ऑस्ट्रेलिया में आरजेड रिसोर्सेज कोपी परियोजना से टाइटेनियम, जिरकॉन और अन्य रणनीतिक खनिजों का उत्पादन होने की उम्मीद है। इन खनिजों का उपयोग उन्नत विनिर्माण और रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं में किया जाएगा। एक्जिम का यह समर्थन अमेरिका के ऊर्जा प्रभुत्व एजेंडा, ऊर्जा आपूर्ति के विस्तार और घरेलू उद्योग व समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाता है। इन पहलों के माध्यम से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगी देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हो रही है।

जम्मू-कश्मीर में अप्रैल में होगा 'कश्मीर ट्रैवल मार्ट-2026'

श्रीनगर ।

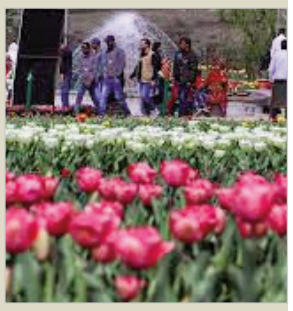

जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग इस अप्रैल में 'कश्मीर ट्रैवल मार्ट-2026' का आयोजन करेगा। इसका उद्देश्य क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं और प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करना है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि इस आयोजन में देशभर के 20 से अधिक राज्यों से लगभग 250 हितधारक भाग लेंगे। इसमें होटल, यात्रा एजेंसी, और पर्यटन विशेषज्ञ शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल पर्यटन संबंधों को मजबूत करने और कश्मीर को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। यह आयोजन निवेशकों, पर्यटन उद्योग के विशेषज्ञों और सरकार के लिए कश्मीर की सुविधाओं, स्थलों और निवेश अवसरों को प्रदर्शित करने का अवसर देगा। कश्मीर पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत ने दुर्लभ खनिज चुंबक निर्माण के लिए 7,280 करोड़ की योजना शुरू की

भारत को दुर्लभ खनिज आधारित चुंबक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने देश में सिंटर्ड रियर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) निर्माण के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की है। इसका लक्ष्य भारत को दुर्लभ खनिज आधारित चुंबक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना और चीन पर आयात निर्भरता कम करना है। योजना के तहत 6,000 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाले संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। भारी उद्योग मंत्रालय ने एकीकृत एनडीएफईबी (नियोडिमियम-आयरन-बोरोन) संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। बोली प्रक्रिया केंद्रीय सार्वजनिक खरीद मंच के माध्यम से ऑनलाइन और पारदर्शी न्यूनतम लागत प्रणाली में संचालित होगी। तकनीकी और वित्तीय दो चरण होंगे। बोली से पूर्व बैठक 7 अप्रैल 2026 को होगी, बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 28 मई 2026 है, और तकनीकी बोली 29 मई 2026 को खोली जाएगी। यनित लाभार्थियों को पूंजी अनुदान और बिक्री-आधारित प्रोत्साहन मिलेगा। प्रत्येक लाभार्थी को 600-1,200 एमटीपीए क्षमता आवंटित की जाएगी। सरकार ने पूंजी अनुदान के लिए 750 करोड़ रुपये और बिक्री-आधारित प्रोत्साहन के लिए 6,450 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके अलावा, तीन सबसे कम बोली लगाने वालों को आईआरईएल इं डिया से एनडीपीआर ऑक्साइड की सीमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। आरईपएम चुंबक विद्युत वाहन, पवन टरबाइन, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होते हैं। इस पहल से भारत में पूर्ण घरेलू मूल्य श्रृंखला विकसित होगी और देश वैश्विक दुर्लभ खनिज बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकेगा।

जीएसटी कारोबारियों को बड़ी राहत

जांच और आदेश करने वाले अधिकारी अलग-अलग

नई दिल्ली ।

जीएसटी कानून के तहत नई व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था में जांच और ऑडिट करने वाले अधिकारी आदेश नहीं कर पाएंगे। जांच और ऑडिट करने वाले अधिकारी अपनी रिपोर्ट निर्धारण अधिकारी के पास भेजेंगे। उस पर सुनवाई होने के बाद आदेश पारित किया जाएगा। अभी जो जांच करते थे, वही टैक्स डिमांड का आदेश देते थे। जिसके कारण व्यापारियों के साथ अन्याय हो रहा था।1 अप्रैल 2026 से नई व्यवस्था लागू करने के आदेश दिए गए हैं। इस व्यवस्था के बाद निश्चित रूप से निष्पक्षिता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन होगा। दोनों अधिकारी अलग-अलग होंगे। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कर निर्धारण अधिकारी मामले की जांच कर दोनों पक्षों को सुनकर आदेश पारित करेंगे।

क्रूड तेल का भाव 180 डालर तक पहुंच सकता है!

होर्मुज संकट वैश्विक बाजार के लिए चुनौती

नई दिल्ली । मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल बाजार को अस्थिर कर दिया है। ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के जवाब में तेहरान ने सऊदी अरब और कतर के प्रमुख ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया। यानबु स्थित तेल टर्मिनल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह होर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास करने वाली पाइपलाइन का अंतिम बिंदु है। इन हमलों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद होने की कगार पर है, जिससे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार सप्लाई बाधाओं के कारण क्रूड तेल की कीमत 180 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। इससे तेल उत्पादक देशों की आमदनी बढ़ेगी, लेकिन इतनी ऊंची कीमतें रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से शिफ्टिंग को बढ़ावा दे सकती हैं और लंबे समय में तेल की मांग घटा सकती हैं। महंगी ऊर्जा वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है और आर्थिक सुस्ती का खतरा पैदा कर सकती है। सऊदी अरब बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए कीमतों में बहुत तेज बढ़ोतरी नहीं चाहता। सउदी अरामको ने सार्वजनिक तौर पर स्थिति पर टिप्पणी नहीं की, लेकिन अंदरखाने संभावित ऑयल शॉक से निपटने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसका मकसद वैश्विक हिस्सेदारी सुरक्षित रखना और बाजार में संतुलन बनाए रखना है।अगर हालात जल्द सामान्य नहीं हुए, तो दुनिया को महंगे तेल, बढ़ती महंगाई और आर्थिक सुस्ती का सामना करना पड़ सकता है। करना पड़ सकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 325, निफ्टी 112 अंक उछला

मुंबई ।

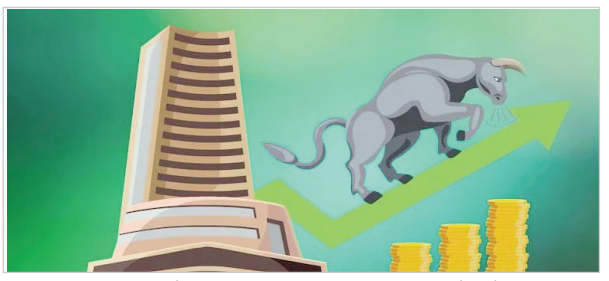

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज बाजार में आईटी और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.17 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक 2.07 फीसदी बढ़कर लाभ में रहे। निफ्टी फार्मा 1.99 फीसदी , निफ्टी हेल्थकेयर 1.89 फीसदी , निफ्टी मेटल 1.45 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 1.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.96 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं निफ्टी रियल्टी 0.93 फीसदी , निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.73 फीसदी , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.68 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 363.20 अंक बढ़कर 54,855.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.35 अंक उछलकर 15,718.60 पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, टाइटन, एनटीपीसी, सनफार्मा, एचसीएल टेक, इटरनल, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अदाणी पोर्ट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि एचडीएफसी बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एलएंडटी के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 790.56 अंक बढ़कर 74,997.80 पर खुला। वहीं निफ्टी भी 208.05 अंक चढ़कर 23,210.20 के स्तर पर पहुंच गया। ।

यह गिरावट पिछले 21 दिनों की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बेंजो मिन नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है और ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इजरायल अब बिजली ढांचे को निशाना नहीं बनाएगा। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि अमेरिका फिलहाल किसी भी क्षेत्र में सैनिक नहीं भेज रहा है। इन बयानों से वैश्विक बाजारों में कुछ स्थिरता देखने को मिली है, जिसका असर भारतीय बाजार की मजबूती पर भी पड़ा। । शुरुआती कारोबार में आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

रसोई गैस बुकिंग में नए नियम लागू, बुकिंग के समय में किया गया बदलाव

सुबह 5 से 7 और रात 8 से 12 बजे के बीच कॉल या मैसेज स्वीकार किए जाएंगे

नई दिल्ली ।

अब रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग पूरे दिन नहीं होगी। ग्राहकों को केवल दो तय समय स्लॉट में ही बुकिंग करनी होगी। सुबह 5 बजे से 7 बजे और रात 8 बजे से 12 बजे के बीच कॉल या मैसेज स्वीकार किए जाएंगे। सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लगभग 13 घंटे बुकिंग की सुविधा बंद रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि सिलेंडर खत्म होने से पहले अलार्म लगाना समझदारी भरा कदम है। नई व्यवस्था में बुकिंग केवल तभी स्वीकार की जाएगी जब आपके पिछले सिलेंडर की डिलीवरी को कम से कम 25 दिन बीत चुके हों। यदि इस अवधि से पहले बुकिंग करने की कोशिश करेंगे, तो सिस्टम इसे रिजेक्ट कर देगा। इसका उद्देश्य सिलेंडर वितरण में व्यवधान को कम करना और सभी ग्राहकों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। गैस कंपनियों ने डिजिटल माध्यमों से बुकिंग को सरल बनाया है। विभिन्न कंपनियों ने डिजिटल माध्यमों से बुकिंग को काफी सरल बना दिया है। भारत गैस के ग्राहक 1800224344 पर व्हाट्सऐप के जरिए एचआई भेजकर सिलेंडर मंगवा सकते हैं। इसी तरह इन्डेन गैस के लिए 75888-88824 पर` रि फिल लिखकर और एचपी गैस के लिए 92222-01122 पर बुक लिखकर मैसेज करना होगा। अगर आप सामान्य एसएमएस का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो भारत गैस के लिए 77150-12345 और इन्डेन के लिए 77189-55555 पर अपना संदेश भेजकर कन्फर्मेशन प्राप्त कर सकते हैं। जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है या जो व्हाट्सऐप इस्तेमाल नहीं करना चाहते, उनके लिए मिस्ड कॉल की सुविधा भी मौजूद है। भारत गैस के लिए 77180-12345, इन्डेन के लिए 84549-55555 और एचपी गैस के लिए 949360-22222 पर केवल

एक कॉल देकर आप अपनी बुकिंग दर्ज करा सकते हैं। अगर आपको सिलेंडर मिलने में परेशानी हो रही है या कोई अन्य शिकायत है, तो आप टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों का सहारा ले सकते हैं। इन्डेन और एचपी गैस के लिए 18002333555 और भारत गैस के ग्राहकों के लिए 1800224344 नंबर जारी किया गया है।

एसबीआई फंड्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी में प्रारंभिक दस्तावेज (डीआरएचपी) जमा किए हैं। यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है, जिसमें 20.37 करोड़ इक्विटी शेयर बिक्री के लिए रखे जाएंगे। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। आईपीओ के माध्यम से मौजूदा शेयरधारक अपने हिस्से का विक्रय करेंगे। इसमें प्रमुख प्रवर्तक हैं भारतीय स्टेट बैंक (एचबीआई) और अमुंडी इंडिया होल्डिंग। इस निर्गम के लिए मर्चेंट बैंकर्स का समूह नियुक्त किया गया है, जिसमें कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया, एचएसबीसी सिक्योरिटीज, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेफरीज इंडिया, जेएम फाइनेंशियल, मोतीलाल ओसवाल और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं।

ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद कच्चा तेल 118 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा प्रूडेंशियल भारत में आईसीआईसीआई लाइफ से निकलेगा बाहर

नई दिल्ली ।

ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में तेजी आई। ब्रेंट क्रूड की कीमत युद्ध शुरू होने के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 118 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी अवरोध पहले ही आपूर्ति को दबाव में डाल रहे थे, अब इन हमलों से वैश्विक बाजार और अस्थिर हो गया है। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरानी हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक उकसावे वाला बताया। ईरान ने अपने प्रमुख गैस क्षेत्र साउथ पार्स पर इजरायली हमले के जवाब में खाड़ी देशों में तेल और गैस प्रतिष्ठानों पर हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों में शामिल हैं संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक जहाज में आग लगना, कतर के पास एक अन्य जहाज को क्षति, और सऊदी अरब की यानबू रिफाइनरी पर ड्रोन हमला। इससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजरायल और हमले नहीं करेगा, लेकिन चेतावनी दी कि अगर ईरान ने कतर पर हमला किया तो

अमेरिका पूरे क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई करेगा। पेंटागन ने ईरान युद्ध के लिए 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त बजट मांगा। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने हमलों के अनियंत्रित परिणाम होने की चेतावनी दी, जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पीएनजी नेटवर्क विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया

10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि यदि वे अपने क्षेत्र में पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क का विस्तार करेंगे, तो उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आवंटित की जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इस योजना की जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत अपनी घरेलू एलपीजी खपत का लगभग 60 फीसदी आयात करता है, जिसमें से करीब 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया से होती है। सरकार ने कहा कि जो राज्य शहरी गैस वितरण समितियों की स्थापना

करेंगे, लंबित और नई अनुमतियों को समय पर निपटाएंगे, उन्हें 1-2 फीसदी अतिरिक्त गैस का लाभ मिलेगा। राज्यों को निर्देश हैं कि वे लंबित आवेदनों के लिए डीम्ड अनुमतियां जारी करें, नई अनुमतियों को 24 घंटे में मंजूरी दें, सड़क नेटवर्क बिछाएं, शुल्क माफ करें और समन्वय के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करें। इन कदमों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार तेज होगा।

सरकार का उद्देश्य घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन बढ़ाना और एलपीजी पर विदेशी निर्भरता कम करना है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और देश में गैस वितरण सुधारने में मदद करेगा। इसी बीच भारत ईरान के साथ समन्वय कर होर्मुज स्ट्रेट में फंसे टैंकरों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलएनजी का 1 टैंकर, एलपीजी के 6 टैंकर और कच्चे तेल के 4 पोत फंसे हुए हैं। युद्ध के बाद कुछ टैंकर रूस से कच्चा तेल लेकर भारत की ओर मोड़ दिए गए हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को राहत, केंद्र ने रिलीफ योजना की मंजूर

बढ़ती लॉजिस्टिक्स लागत और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को बीमा कवर व आंशिक प्रतिपूर्ति का सहारा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के कारण भारतीय निर्यातकों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जोखिम बढ़ने से जहाजों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है, ट्रांसशिपमेंट हब पर भीड़ बढ़ी है और युद्ध-जोखिम बीमा शुल्क में भारी वृद्धि हुई है। इन परिस्थितियों में निर्यात लागत बढ़ने और शिपमेंट में अनिश्चितता पैदा होने लगी है। इन समस्याओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने `रिलीफ (रिसिलेंस एंड लो जि स्टिक्स इंटरवेंशन फार एक्सपोर्ट फे सिलेसन) योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य प्रभावित निर्यातकों को वित्तीय और जोखिम सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के पहले घटक के तहत, जिन निर्यातकों ने पहले से ईसीजीसी बीमा कवर लिया हुआ है, उन्हें 14 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच भेजे गए माल पर मौजूदा कवर के ऊपर 100 प्रतिशत अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा मिलेगी। इससे पहले से बीमित शिपमेंट को पूर्ण सुरक्षा मिल सकेगी। दूसरे घटक में, 16 मार्च से 15 जून 2026 के बीच निर्यात की योजना बना रहे निर्यातकों को ईसीजीसी कवर लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवधि में उन्हें मौजूदा कवर के ऊपर 95 प्रतिशत तक अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा दी जाएगी, जिससे अनिश्चित परिस्थितियों में भी निर्यात जारी रह सके। तीसरे घटक के तहत, ऐसे एमएसएमई निर्यातकों को राहत दी जाएगी जिन्होंने बीमा नहीं लिया, लेकिन बढ़े हुए मालभाड़े और बीमा शुल्क का सामना किया। उन्हें 50 प्रतिशत तक लागत की प्रतिपूर्ति दी जाएगी, जिसकी सीमा प्रति निर्यातक 50 लाख रुपये तय की गई है। सरकार ने इस योजना के लिए 497 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और इसकी निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड आधारित प्रणाली तथा अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया गया है।

खुशहाली की दौड़ में भारत 116वें स्थान पर, रिपोर्ट ने चौंकाया

फिनलैंड सबसे खुशहाल देश, 14वीं वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025

नई दिल्ली ।

गुरुवार को जारी 14वीं वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में फिनलैंड लगातार नौवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश घोषित हुआ, इसका स्कोर 7.764/10 रहा। इसके बाद आइसलैंड और डेनमार्क का स्थान रहा।

डेनमार्क को छोड़कर शीर्ष तीन देशों में खुशहाली स्कोर में वृद्धि हुई। भारत इस साल 147 देशों में 116वें स्थान पर रहा, औसत स्कोर 4.536। 2024 में भारत 118वें स्थान पर था। रिपोर्ट में दिखाया गया कि भारत ने छह संकेतकों में से चार में 1 अंक से भी कम स्कोर किया।

2019-2025 के बीच भारत का प्रति व्यक्ति जीडीपी बढी, लेकिन स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और उदारता में गिरावट देखी गई। 2011-2025 के बीच भारत का कुल खुशहाली स्कोर 0.44 फीसदी घटा।

पड़ोसियों में चीन ने सबसे तेज

वृद्धि दर्ज की जबकि अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा गिरावट हुई। रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि केवल आर्थिक विकास देश की खुशहाली तय नहीं करता। सामाजिक समर्थन, स्वास्थ्य और पारदर्शिता भी लोगों की जीवन संतुष्टि में अहम भूमिका निभाते हैं।

सृष्टि संतुलन के लिये वनों की पुकार सुननी होगी

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस,

ललित गर्ग

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम 'वन और भोजन' यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित 'वनों और अर्थव्यवस्था' थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'हरित भारत मिशन' के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। 'नमामि गंगे' परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दशार्ती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

संपादकीय

खौफ का खेल

सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ कुछ समय पहले तक, अपनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये मशहूर रहा है। इस शहर को लंबे समय तक हिंसा व अपराधों से सुरक्षित माना जाता रहा है। लेकिन विडंबना है कि अब यह तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। पिछले दिनों चंडीगढ़ का पॉश इलाका माने जाने वाले सेक्टर नौ में एक युवा प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हुई चौंकाने वाली हत्या ने शहर की शांति व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा की सावधानीपूर्वक बनायी गई इस केंद्रशासित प्रदेश की छवि को धूमिल किया है। निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में, इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरूआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है। यह हत्याकांड एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करता है कि अब संगठित अपराध उन शहरी केंद्रों में लगातार बढ़ रहे हैं, जिन्हें कभी इस तरह की गैंगवार से अछूता समझा जाता था। माना जाता रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस यथाशीघ्र अपराध की जड़ तक पहुंचकर अपराधियों पर शिंकजा कसने में सफल रहती है। यह चौंकाने वाली बात है कि हाल के वर्षों में पंजाब में गैंगवार में होने वाली हिंसा और जबरन वसूली के रैकेट में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जिसका सबसे प्रमुख उदाहरण मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या है। निस्संदेह, सेक्टर नौ में दिनदहाड़े हुई हत्या से साल 2017 में हुए आकांक्षा सेन हत्याकांड की टीस एक बार फिर उभर आई। यह भी एक ऐसा ही हाई-प्रोफाइल मामला था। जिसमें न्याय मिलने में लगातार हुई देरी के कारण आज भी लोगों के मन में गहरी कसक व्याप्त है। निस्संदेह, दोनों ही हत्याकांडों से जुड़ी समानताएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। मसलन, अपराध सार्वजनिक रूप से हुए हैं। जिससे अपराध को रोकने की पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें एक सवाल जवाबदेही का भी है। वास्तव में इस तरह सरेआम दिन दहाड़े होने वाले अपराध सार्वजनिक विमर्श में कई संवेदनशील सवालों को जन्म देते हैं। इस घटना से जुड़ा सबसे चिंताजनक पहलू है हत्याकांड में शामिल रहे अपराधियों का दुस्साहस। निर्विवाद रूप से सार्वजनिक स्थल के बाहर दिन-दहाड़े की गई हत्या बताती है कि ये अपराधियों में कानून-व्यवस्था के प्रति डर समाप्त होने का संकेत है। जिसके परिणामस्वरूप कानून प्रवर्तन की निवारक क्षमता कमजोर हो जाती है। निस्संदेह, इस तरह की घटनाओं को लेकर खुफिया जानकारी जुटाने, पुलिस समन्वय और ऐसे हमलों को रोकने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। कोई शक नहीं कि चंडीगढ़ को अब किसी भी तरह की लापरवाही का शिकार बनने नहीं दिया जा सकता। प्रशासन को प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय सक्रिय और खुफिया जानकारी आधारित रणनीति अपनानी होगी।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है।

एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है।

जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है।

यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

राजस्थान का लोक उत्सव है गणगौर

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भावना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीघार्यु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता

है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं।

कार्यस्थल, महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म अवकाश

डॉ. प्रियंका सौरभ

क्या अनिवार्य अवकाश नीति महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाती है या उनके पेशेवर अवसरों को सीमित करने का जोखिम भी साथ लाती है?

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच, मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता, समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है, तब 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं, ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं, या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा, थकान, चक्कर, या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त, अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है, जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं, तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है, तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा, तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, वहाँ नियोक्ता महिलाओं को 'अतिरिक्त दायित्व' के रूप में देखने लग सकते हैं।

इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को 'कम सक्षम' या 'कम विश्वसनीय' कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी, जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को उच्च पदों, नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार, जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है, वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए, तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है, जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि 'अनिवार्य' शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा 'समान व्यवहार' नहीं बल्कि 'न्यायसंगत व्यवहार' भी होता है, फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

कई देशों के अनुभव भी इस बहस को जटिल बनाते हैं। कुछ स्थानों पर मासिक धर्म अवकाश की नीति लागू होने के बावजूद महिलाओं ने इसका उपयोग कम किया है, क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके प्रति नकारात्मक धारणा बन सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है; कार्यस्थल की संस्कृति और मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि संस्थान का वातावरण संवेदनशील और सहयोगी नहीं है, तो कर्मचारी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने में संकोच कर सकते हैं।

इस संदर्भ में कुछ विशेषज्ञ 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' के बजाय 'लचीली और वैकल्पिक नीति' का समर्थन करते हैं। उनका मानना है कि कर्मचारियों को यह स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अवकाश ले सकें। उदाहरण के लिए, सामान्य चिकित्सा अवकाश या लचीले कार्य समय की व्यवस्था ऐसी हो सकती है जिसमें महिला कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर घर से काम कर सकें या कुछ समय के लिए विश्राम ले सकें। इस प्रकार की व्यवस्था व्यक्तिगत जरूरतों का सम्मान करती है और साथ ही अनिवार्यता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम कर सकती है।

इसके साथ ही, कार्यस्थलों पर मासिक धर्म से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वच्छ शौचालय, सैनिटरी उत्पादों की उपलब्धता, और संवेदनशील कार्य वातावरण महिलाओं के लिए अत्यधिक सहायक हो सकते हैं। कई बार अवकाश से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि कार्यस्थल ऐसा हो जहाँ महिलाएँ बिना झिझक अपनी आवश्यकताओं के बारे में बात कर सकें और उन्हें आवश्यक सहयोग मिल सके।

वास्तव में, इस पूरी बहस का मूल प्रश्न यह है कि समानता का अर्थ क्या है। क्या समानता का अर्थ यह है कि सभी कर्मचारियों के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाए, या फिर यह कि उनकी भिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें न्यायसंगत सुविधाएँ दी जाएँ? आधुनिक नारीवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि वास्तविक समानता तभी संभव है जब जैविक और सामाजिक अंतर को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाई जाएँ। इस दृष्टि से मासिक धर्म अवकाश का विचार पूरी तरह से अनुचित नहीं है। लेकिन इसे इस प्रकार लागू करना आवश्यक है कि यह महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम साबित करने के बजाय उनकी गरिमा और अधिकारों को मजबूत करे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा प्रस्तुत करती हैं। एक ओर वे महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और संवेदनशीलता को मान्यता देती हैं, वहीं दूसरी ओर वे अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने का जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। इसलिए नीति निर्माण में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अनिवार्यता के बजाय लचीली नीतियाँ, जागरूकता, और संवेदनशील कार्यस्थल संस्कृति इस दिशा में अधिक प्रभावी समाधान हो सकते हैं।

समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें, तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

(लेखिका, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल के आरोप पर गाजा में सहायता सामग्री की होगी जांच

गाजा, एजेंसी। यूनीसेफ ने कहा है कि वह इस आरोप की जांच करेगा कि गाजा भेजी गई राहत सामग्री में तंबाकू छिपाकर भेजा गया था। इस्राइल की एजेंसी ने दावा किया कि हाइजीन किट में निकोटिन से जुड़ी चीजें मिली हैं, जिसके बाद सहायता रोक दी गई। यूनीसेफ ने कहा कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और जांच शुरू कर दी गई है। गाजा में पहले से ही हालात खराब हैं और इस तरह की रुकावट से लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

टेक्सास में मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतरे

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इथेनॉल का रिसाव हुआ। यह घटना रिचमंड शहर के पास हुई, लेकिन राहत की बात है कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि रिसाव को जल्दी ही नियंत्रित कर लिया गया और लोगों के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

ब्राजील में पुलिस कार्रवाई, ड्रग माफिया समेत आठ मारे गए

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक कुख्यात ड्रग माफिया भी शामिल था। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ की गई थी। इसके बाद बदमाशों ने एक बस में आग लगा दी और सड़कों को जाम कर दिया। पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका में कोविड मौतों पर नई रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। एक नई स्टडी में सामने आया है कि कोरोना महामारी के शुरुआती दौर में अमेरिका में वास्तविक मौतें आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा थीं। रिपोर्ट के अनुसार 2020 और 2021 में करीब 8.4 लाख मौतें दर्ज की गईं, लेकिन लगभग 1.55 लाख मौतें ऐसी थीं जो रिकॉर्ड में शामिल नहीं हो पाईं। यानी करीब 16 प्रतिशत मौतें गिनी ही नहीं गईं। शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादातर अनगिनी मौतें अस्पताल के बाहर हुईं, जहां लोगों का टेस्ट नहीं हो पाया। खासकर हिस्पैनिक और अन्य गरीब समुदाय ज्यादा प्रभावित हुए। शुरुआती समय में टेस्टिंग की सुविधा कम थी और कई जगह मौत की जांच सही तरीके से नहीं हुई।

नाइजीरिया में बड़ा हमला नाकाम

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पूर्वी इलाके में सेना ने आतंकियों के एक बड़े हमले को नाकाम कर दिया। सेना के मुताबिक इस कार्रवाई में करीब 80 आतंकी मारे गए। ये हमलावर बोको हराम या इस्लामिक स्टेट से जुड़े हो सकते हैं। हमला रात के समय एक सैन्य बेस पर किया गया था, लेकिन सेना पहले से तैयार थी और उसने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान चार सैनिक घायल भी हुए। हाल ही में इलाके में आत्मघाती हमलों में 23 लोगों की मौत हुई थी, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

रूसी टैंकर से खतरा- यूरोपीय देशों ने जताई चिंता

मास्को, एजेंसी। यूरोप के पांच देशों ने एक रूसी टैंकर को लेकर चिंता जताई है, जो भूमध्य सागर में बिना चालक के बह रहा है। यह जहाज तरलीकृत गैस लेकर जा रहा था और हाल ही में हमले में क्षतिग्रस्त हो गया। नेताओं ने चेतावनी दी है कि इससे बड़ा पर्यावरणीय खतरा पैदा हो सकता है और विस्फोट का भी डर है। इसलिए यूरोपीय संघ से तुरंत कार्रवाई की मांग की गई है।

न्यूयॉर्क के जेल में ड्रोन से तस्करी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक जेल में ड्रोन के जरिए हथियार और अन्य सामान गिराने का मामला सामने आया है। अधिकारियों के अनुसार ड्रोन ने रात में चाकू, मोबाइल फोन, नशीला पदार्थ और अन्य चीजें जेल परिसर में गिराईं। हालांकि कर्मचारियों ने तुरंत सामान बरामद कर लिया। इस घटना के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

अमेरिका के भीषण जंगल की आग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नेब्रास्का राज्य में लगी जंगल की आग पर काबू पाने की कोशिशें सातवें दिन भी जारी हैं। इस आग में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है और हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन जल चुकी है। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैली, लेकिन अब मौसम थोड़ा शांत होने से राहत मिली है। फिर भी खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है और अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

ट्रंप के टैरिफ का उल्टा असर: अमेरिकी उद्योगों को नुकसान, श्रमिक वर्ग भी नाराज; उद्योगपतियों ने उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। पूरी दुनिया में टैरिफ लगाकर अमेरिकी जजों की भी निंदा करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस मुद्दे पर अपने ही देश में अपने ही प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण ट्रंप के लगाए टैरिफ से देश के उद्योगों व निर्माताओं को मदद मिलने के बजाय नुकसान होना है। टैरिफ के फैसले से अमेरिका में कई उद्योग और कारोबार इन दिनों अच्छे-खासे नुकसान में हैं। इससे अमेरिकी विनिर्माण को भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। श्रमिक वर्ग भी इस फैसले से आहत है। ट्रंप के समर्थक उद्योगपति जे. एलन ने कहा, उद्योगपतियों ने इस भरोसे के साथ ट्रंप को वोट दिया था कि रिपब्लिकन नेता करों में कटौती और नियमों में ढील देंगे, जिससे उनके विनिर्माण व्यवसाय को मदद मिलेगी। लेकिन ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मूल में मौजूद टैरिफ ने उनकी कंपनी एलन इंजीनियरिंग कॉर्प को चौपट किया है। आयात करों ने विदेशों में बने इंजनों, स्टील, गियरबॉक्स और क्लच की लागत भी बढ़ा दी है। इसके चलते पावर ट्रॉवेल निर्माण के दाम एक लाख डॉलर तक हो सकते हैं। ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी कारखानों की मदद करने वाला बताया था लेकिन देखने में आ रहा है कि वे वास्तव में देशभर के कई उद्योगों और उत्पादन इकाइयों को कुचल रहे हैं।

कीमतें बढ़ेंगी, हालात और भी गंभीर : ट्रंप प्रशासन फरवरी में सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित आयात करों के स्थान पर नए टैरिफ बनाने के लिए संघर्ष

कर रहा है। इससे हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। देश के विनिर्माण उद्योगपति क्रेसन क्रू ने कहा, टैरिफ के कारण उन्होंने 2025 में अपनी कंपनी को घाटे में चलाया। उनके यहां कर्मचारियों की संख्या 205 से घटकर 140 रह गई। बिक्री में कमी पर भी उन्होंने कीमतें 8-10% बढ़ाई हैं।

कंपनियों के लिए योजना बनाना भी मुश्किल : अगले दशक में संघीय घाटे में वृद्धि होने का अनुमान है। आर्थिक नीति समूह एम्प्लाई अमेरिका के ईडी स्कंदा अमरनाथ ने कहा, ट्रंप के टैरिफ से विनिर्माण में कोई वृद्धि नहीं दिखती। इस क्षेत्र में कोई नया पुनर्जागरण भी नहीं हो रहा है। टैरिफ पर अनिश्चितता ने निवेश को हतोत्साहित किया है। टैरिफ लगाने के लिए कांग्रेस को दरकिनार करने से छोटी विनिर्माण कंपनियों को योजना बनाना भी मुश्किल कर दिया है।

जजों पर निजी टिप्पणी खतरनाक, इसे रोकना होगा : सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने चेताया कि संघीय जजों की निजी आलोचना खतरनाक है और इसे रोकना होगा। यह चेतावनी उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाने वाले एक संघीय जज को सनकी, नीच, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू कहने के दो दिन बाद दी। रॉबर्ट्स ने ट्रंप या किसी और को निशाना बनाने से परहेज किया और जोर दिया कि जजों पर हमले किसी एक राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं हो रहे हैं। रॉबर्ट्स ने ह्यूस्टन में कहा, न्यायिक राय की आलोचना न्यायिक पेशे का हिस्सा है और यह स्वस्थ भी हो सकती है। लेकिन जब आलोचना कानूनी विश्लेषण से हटकर दूसरी दिशा में चली जाती है तो मामला अलग हो जाता है।

जज बोसबर्ग को कहा- सिंड्रोम पीड़ित : ट्रंप ने न्यायाधीश बोसबर्ग के बारे में लिखा कि वह एक सनकी, दुष्ट, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू जज हैं, जो ट्रंप डिरेजमेंट सिंड्रोम के उच्चतम स्तर से पीड़ित हैं और वर्षों से मेरे लोगों और मेरे पीछे पड़े हैं। पिछले साल, रॉबर्ट्स ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप की बोसबर्ग के महाभियोग की मांग को खारिज कर दिया था।

एक वर्ष में नौकरियां घटीं... ट्रंप के सत्ता में आने पर अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियां घटी हैं। इससे श्रमिक भी प्रभावित हैं। कारखानों से कर्मचारियों की छंटनी से एक वर्ष में 98,000 विनिर्माण नौकरियां खत्म हो गईं।

अमेरिकी सैन्य बेस के पास संदिग्ध ड्रोन दिखने से हड़कंप, हेगसेथ-रुबियो वहीं थे मौजूद : वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट गहराता जा रहा है और पश्चिम एशिया के विभिन्न देश इसकी जद में हैं। अब इसकी आंच अमेरिका की जमीन तक पहुंचती दिख रही है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका के एक सैन्य अड्डे के ऊपर संदिग्ध ड्रोन मंडराता दिखाई दिया। जिस सैन्य अड्डे पर ड्रोन मंडरा रहा था, उस सैन्य अड्डे में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के आवास हैं। यही वजह है कि इस घटना के बाद अमेरिका में हड़कंप मच गया है। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे फोर्ट मैकनेयर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिया।

ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर नेता, वे किसी के दबाव में नहीं: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने साफ कर दिया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी दूसरे देश के इशारे पर काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता हैं और वे केवल अमेरिका के हित को ध्यान में रखकर ही फैसले लेते हैं।

जो केंट ने लगाए थे आरोप : लेविट का यह बयान नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर जो केंट के इस्तीफे के बाद आया है। जो केंट ने अपने पद से हटने के बाद गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने इस्राइल और वहां की ताकतवर लॉबी के दबाव में आकर ईरान के साथ युद्ध शुरू किया है। केंट ने यह भी दावा किया था कि ट्रंप को कोई दूसरा देश नियंत्रित कर रहा है।

जो केंट के आरोपों पर क्या बोलीं प्रेस सचिव: इन आरोपों पर पलटवार करते हुए लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने जो केंट को देश की सेवा करने का मौका दिया था। लेकिन उन्होंने झूठ से भरे एक लेटर के साथ इस्तीफा दे दिया। लेविट के अनुसार, ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के सेना के प्रमुख हैं और उन्हें कोई नहीं बताता कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति ईरान को आतंकवाद का समर्थक नहीं मानता, वह आतंकवाद विरोधी विभाग का प्रमुख नहीं हो सकता।

लेविट ने बताया कि ईरान बहुत तेजी से बैलिस्टिक मिसाइलें बना रहा था ताकि वह परमाणु बम तैयार कर सके। अमेरिकी खुफिया जानकारी के अनुसार, ईरान

अमेरिकी सैनिकों और ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा था। इसलिए ट्रंप ने अपनी सेना और संपत्ति की सुरक्षा के लिए ईरान पर हमले का फैसला लिया।

ट्रंप के चीन दौरे पर क्या बोली प्रेस सचिव : चीन यात्रा के बारे में लेविट ने बताया कि ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की टीमें नई तारीख तय करने पर काम कर रही हैं। मई में ट्रंप के कुछ जरूरी घरेलू कार्यक्रम हैं, इसलिए फिलहाल यह यात्रा टाल दी गई है। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग भी काफी व्यस्त हैं, इसलिए जल्द ही दोनों पक्ष मिलकर नई तारीखों का एलान करेंगे। जब लेविट से पूछा गया कि क्या जो केंट के इस्तीफे से नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड की नौकरी को कोई खतरा है, तो उन्होंने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है और उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है। लेविट ने यह भी जानकारी दी कि ट्रंप पश्चिम एशिया के संकट को लेकर यूरोपीय और खाड़ी देशों के सहयोगियों से लगातार बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना बहुत सक्षम है और उसके पास अभी भी कई गुप्त रणनीतियां हैं।

पार्टी 'मैं' केंद्रित राजनीति से ऊपर नहीं उठी तो पुराने दलों से भी बदतर हाल होगा- लामिछाने

काठमांडू, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सभापति रवि लामिछाने ने चेतावनी दी है कि यदि पार्टी 'मैं' केंद्रित राजनीति से ऊपर नहीं उठ सकी, तो उसका हाल पुराने राजनीतिक दलों से भी खराब हो सकता है। बुधवार को ग्वार्को में आयोजित पार्टी के दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के समापन के दौरान उन्होंने यह बात कही। हाल में लगभग दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंची पार्टी के संदर्भ में उन्होंने सांसदों को संयमित और जिम्मेदार रहने की सलाह दी। सांसदों से उन्होंने जनता का शासक नहीं, बल्कि सेवक बनकर काम करने का आग्रह किया। लामिछाने ने कहा, जनता ने सोच समझकर पार्टी को समर्थन दिया है, इसलिए इसे चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए। पुराने दलों को जनता ने 36 साल तक इंतजार किया, हमें 36 दिन भी नहीं मिलेंगे। उन्होंने चेताया, मंत्रिपरिषद गठन को लेकर उन्होंने कहा कि अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। मंत्रिपरिषद का कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

'राइट टू रिकॉल' व्यवस्था को लागू करने पर जोर : उन्होंने 'राइट टू रिकॉल' व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की बात कही। लामिछाने ने कहा कि नेपाली जनता ने पार्टी पर अभूतपूर्व भरोसा जताया है, इसलिए उसकी जिम्मेदारी को समझना जरूरी है। इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता बालेन शाह शामिल नहीं हुए। लामिछाने ने उनका नाम भी नहीं लिया।

फ्रांस लिब्रे- फ्रांस का नया परमाणु चलित युद्धपोत : पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देश के नए परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत का नाम 'फ्रांस लिब्रे' रखा है। यह जहाज 2038 तक तैयार होगा और इसमें लगभग 30 राफेल लड़ाकू विमान और 2000 सैनिक रहेंगे। इसकी लागत करीब 10 अरब यूरो बताई गई है। मैक्रों ने कहा कि यह नाम फ्रांस की आजादी और ताकत का प्रतीक है। यह जहाज फ्रांस की सैन्य शक्ति को और मजबूत करेगा और खासकर मध्य-पूर्व क्षेत्र में उसकी मौजूदगी बढ़ाएगा।

गैस फील्ड पर हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे, कतर के ऊर्जा ठिकाने पर हमले के बाद ईरान की धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने क्षेत्र में अमेरिका से जुड़े तेल ठिकानों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी ने बताया कि ये हमले 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के 63वें चरण का हिस्सा थे। ईरान ने यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल के उन हमलों के जवाब में की है जो पिछले दिनों ईरान पर हुए थे।

ईरानी सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह हमला ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब और अन्य साथियों की शहादत का बदला लेने के लिए भी थी। ईरान ने साफ किया कि उसका शुरुआती इरादा तेल ठिकानों पर हमला करने या पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। लेकिन जब दुश्मन ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों को

निशाना बनाया, तो ईरान को भी जवाबी हमला करना पड़ा। आईआरजीसी का कहना है कि अब यह युद्ध एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने इस्राइल के भीतर लगभग 80 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें रिशोन लेजियन, रामला, लोद, ईलात और तेल अवीव के पास के कई महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं। इन हमलों में कई वारहेड वाली मिसाइलों और घातक ड्रोनों का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर फिर से हमला हुआ, तो वह दुश्मन के ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर देगा और अगला हमला इससे भी ज्यादा भयानक होगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने फिर से कतर की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया, तो अमेरिका ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह नष्ट कर देगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि कतर या अमेरिका को हालिया हमलों की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी और ईरान ने गलतफहमी में कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला किया है। उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि इजरायल अब इस गैस फील्ड पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक ईरान कतर जैसे निर्दोष देश को निशाना बनाना बंद रखता है। ट्रंप ने साफ किया कि वह ईरान में तबाही नहीं चाहते क्योंकि इसका भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा, लेकिन कतर पर दोबारा हमला होने की स्थिति में वे सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे। इस बीच, ईरान के गैस फील्ड और कतर की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए इन हमलों के कारण वैश्विक बाजार में तेल और गैस की कीमतें आसमान छूने लगी हैं।

एपस्टीन फाइल्स विवाद पर अमेरिकी संसद में हंगामा, डेमोक्रेट्स सांसदों ने सदन से किया वॉकआउट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद में बुधवार को एपस्टीन फाइल्स मामले पर जमकर हंगामा हुआ। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने बुधवार को न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एपस्टीन फाइल्स विवाद में बंद कमरे में ब्रीफिंग देने के विरोध में संसद से वॉकआउट किया। डेमोक्रेट्स ने कहा कि अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को सवालों के जवाब देने होंगे क्योंकि उन्होंने इसकी शपथ ली है।

अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश बुधवार को कैपिटल हिल पहुंचे थे, जहां उन्होंने एपस्टीन के यौन तस्करी मामले से जुड़ी लाखों फाइलों के प्रबंधन को लेकर बढ़ती नाराजगी को शांत करने की कोशिश की। हालांकि, ब्रीफिंग शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही डेमोक्रेट्स ने व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे बॉन्डी को अगले महीने शपथ के तहत बयान देने के लिए जारी समन को लागू करवाने की मांग करेंगे। डेमोक्रेट सांसदों का कहना है कि उन्होंने बार-बार बॉन्डी से पूछा कि क्या वे समन का पालन करेंगी, लेकिन उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। डेमोक्रेट सांसद मैक्सवेल फ्रॉस्ट ने कहा, 'हम चाहते हैं कि वह शपथ के तहत जवाब दें, क्योंकि हमें उन पर भरोसा नहीं है।'

रिपब्लिकन सांसदों ने डेमोक्रेट के विरोध को खारिज किया : वहीं रिपब्लिकन सदस्यों ने डेमोक्रेट्स के इस कदम को राजनीतिक दिखावा करार दिया। उनका कहना है कि बॉन्डी और ब्लांश ने महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए और अटॉर्नी जनरल ने कानून का पालन करने की बात कही है।

न्याय विभाग को उम्मीद थी कि एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से यह राजनीतिक विवाद खत्म हो जाएगा, लेकिन मामला अब भी सवालों और आलोचनाओं में घिरा हुआ है। यह मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल पर भी असर डालता रहा है। पाम बॉन्डी ने विभाग के कामकाज का बचाव करते हुए डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे इन दस्तावेजों को लेकर उठे विवाद का इस्तेमाल ट्रंप की राजनीतिक उपलब्धियों से ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में आलोचना सिर्फ विपक्ष से ही नहीं, बल्कि ट्रंप की अपनी पार्टी के कुछ सदस्यों से भी आई है। ओवरसाइट समिति ने मंगलवार को बॉन्डी को 14 अप्रैल को शपथ के तहत बयान देने के लिए समन जारी किया है। सांसदों ने आरोप लगाया है कि न्याय विभाग कई महत्वपूर्ण फाइलें छिपा रहा है और दस्तावेजों में की गई कटौती के कारण पीड़ितों की निजी जानकारी उजागर हो गई।

ईरान युद्ध के खिलाफ इस्तीफा देने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान युद्ध के खिलाफ अपने पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व वरिष्ठ आतंकवाद रोधी अधिकारी जो केंट की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल उन पर शक है कि उन्होंने खुफिया जानकारी लीक की। अब अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि क्या जो केंट ने गोपनीय जानकारी को अनुचित तरीके से साझा किया था? जो केंट ने मंगलवार को ही अपने पद से इस्तीफा दिया था, उसके बाद ही यह जांच शुरू हुई।

इस्तीफे के बाद शुरू हुई जांच : केंट ने हाल ही में अमेरिका के नेशनल आतंकरोधी सेंटर के निदेशक पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने ईरान के साथ युद्ध को लेकर असहमति जताते हुए यह कदम उठाया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले एक वर्ष में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कई जांच शुरू की हैं। इनमें पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटेशिया जेम्स भी शामिल हैं। हालांकि, कई मामलों में अभियोजन पक्ष को अदालतों से झटका लगा है या आरोप तय कराने में मुश्किल आई है।

केंट ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर उठाए थे सवाल : जांच के दायरे में किन-किन पहलुओं की पड़ताल की जा रही है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। केंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए ईरान पर सैन्य कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि वे अंतरात्मा की आवाज के खिलाफ जाकर ईरान के साथ युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते। उन्होंने अपने बयान में लिखा कि ईरान से अमेरिका को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था और यह युद्ध इस्राइल और उसकी प्रभावशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया।

वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें हमेशा लगता था कि केंट सुरक्षा के मुद्दे पर कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी टीम में कोई ईरान को खतरा नहीं मानता, तो ऐसे लोगों की हमें जरूरत नहीं है। ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों, जिनमें सीआईए निदेशक जॉन रेटक्लिफ भी शामिल हैं, ने भी केंट के बयान से दूरी बना ली है। बुधवार रात केंट से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

एनवाईयू अध्ययन में खुलासा: उम्र बढ़ने की चिंता, सेहत का डर तेजी से ले जाता है बुढ़ापे की ओर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। उम्र बढ़ने को लेकर चिंता, खासकर भविष्य में स्वास्थ्य बिगड़ने का डर, सिर्फ मानसिक तनाव नहीं बल्कि शरीर की जैविक घड़ी को भी तेज कर सकता है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी (एनवाईयू) के एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जो महिलाएं बढ़ती उम्र को लेकर अधिक चिंतित रहती हैं, उनके खून में तेज जैविक उम्र बढ़ने के संकेत दिखाई देते हैं। यह निष्कर्ष 700 से अधिक महिलाओं पर किए गए शोध के आधार पर सामने आया है।

एनवाईयू स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ के इस अध्ययन में 726 महिलाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जो मिडलाइफ इन द यूनाइटेड स्टेट्स (एमआईडीयूएस) अध्ययन का हिस्सा थीं। प्रतिभागियों से पूछा गया कि वे उम्र बढ़ने के साथ कम आकर्षक होने, स्वास्थ्य समस्याएं विकसित होने या बच्चों को जन्म देने की उम्र पार कर जाने को लेकर कितनी चिंतित हैं। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों के रक्त नमूनों का विश्लेषण दो स्थापित एपिजेनेटिक क्लॉक्स के माध्यम से किया। पहला क्लॉक डुनेडिनपेस जैविक उम्र बढ़ने की गति को मापता है, जबकि दूसरा ग्रिमएज2 समय के साथ शरीर में जमा हुए जैविक नुकसान का अनुमान लगाता है। परिणामों में पाया गया कि जो महिलाएं उम्र बढ़ने को लेकर अधिक चिंता व्यक्त करती थीं, उनमें डुनेडिनपेस क्लॉक के अनुसार तेज एपिजेनेटिक एजिंग के संकेत मिले।

क्यों अधिक प्रभावित हो सकती हैं महिलाएं : अध्ययन की मुख्य लेखिका और एनवाईयू स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ की मरियाना रोड्रिग्स के अनुसार, महिलाएं विशेष रूप से उम्र बढ़ने की चिंता के प्रति संवेदनशील होती हैं। सामाजिक अपेक्षाएं, युवावस्था और रूप-रंग को लेकर दबाव, तथा प्रजनन क्षमता से जुड़ी चिंताएं मध्य आयु में तनाव को बढ़ाती हैं। उन्होंने

कहा कि मध्य आयु की महिलाएं अक्सर कई भूमिकाएं निभा रही होती हैं, जैसे अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल करना। परिवार के बुजुर्गों को बीमार होते देख वे यह सोचकर चिंतित होती हैं कि कहीं उनके साथ भी भविष्य में ऐसा न हो। रोड्रिग्स के शब्दों में, हमारा शोध यह संकेत देता है कि व्यक्तिपरक अनुभव, उम्र बढ़ने के वस्तुनिष्ठ मापदंडों को प्रभावित कर सकते हैं। उम्र से जुड़ी चिंता केवल मनोवैज्ञानिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह शरीर पर वास्तविक प्रभाव छोड़ सकती है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का गहरा संबंध : अध्ययन में बताया गया कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य जीवनभर गहराई से जुड़े रहते हैं, भले ही अक्सर इन्हें अलग-अलग समझा जाता हो। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक प्रो. एडोल्फो क्यूवास ने कहा कि यह शोध उम्र बढ़ने की चिंता को एक मापने योग्य और संशोधित किए जा सकने वाले मनोवैज्ञानिक कारक के रूप में पहचानता है, जो जैविक उम्र बढ़ने को प्रभावित करता प्रतीत होता है। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अध्ययन एक ही समय बिंदु पर आधारित है, इसलिए इससे प्रत्यक्ष कारण-परिणाम संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता।

सुखी जीवन की संजीवनी है प्यार में संतुलन

'प्यार' शब्द का संबंध केवल दो युवा दिलों से ही नहीं बल्कि संपूर्ण प्राणी जगत से है। प्रत्येक रिश्ते को सुचारु रूप से चलायमान रख उसमें जीवंतता और सरसता बनाए रखने के लिए प्यार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

हमारे धर्मग्रंथों में भी वर्णित है और धर्मगुरु भी कहते हैं कि प्यार जीवन के मूल में है। जीवन की धुरी है, जीवन की क्वालिटी में इजाफा है। जीवनरूपी भोजन का स्वाद है। हर रिश्ते की सफलता और तरलता का आधार ही प्यार है।

प्यार, इश्क, मोहब्बत सभी शब्दों में एक अक्षर आधा है। यह आधा अक्षर उस विराटता का प्रतीक है जिस पर कभी पूर्ण विराम लग ही नहीं सकता है। प्यार अंतहीन होता है। धरती, गगन, सागर की कहीं न कहीं कोई सीमा अवश्य है, किंतु प्रेम सीमाहीन होता है। यह व्यक्ति पर निर्भर होता है कि वह किससे कितना प्यार कर सकता है या करता है। प्यार के विषय में यह तथ्य सौ फीसद सत्य है कि 'प्यार' शब्द का संबंध केवल दो युवा दिलों से ही नहीं बल्कि संपूर्ण प्राणी जगत से है। प्रत्येक रिश्ते को सुचारु रूप से चलायमान रख उसमें जीवंतता और सरसता बनाए रखने के लिए प्यार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यदि परस्पर प्यार न हो तो औरों की तो छोड़िए पति-पत्नी, माता-पिता, सगे भाई-बहन के रिश्ते भी बेमानी लगने लगते हैं, क्योंकि रिश्तों में सरसता ही जीवन में सुख का आधार है। सुख की परिभाषा के मद्देनजर यह वाक्य बहुत छोटा प्रतीत होता है, लेकिन इस पर गहराई से चिंतन करें तो निष्कर्ष के तौर पर हम पाएँगें कि यही सुख की संपूर्ण परिभाषा है। जहाँ प्यार नहीं, वहाँ करोड़ों की जायदाद भी सुख का थोड़ा अहसास जुटा पाने में स्वयं को असमर्थ पाती है और रिश्तों में प्यार के बिना सरसता नामुमकिन है।

हर दिल में प्यार की उपस्थिति प्रत्येक के लिए प्रकृतिप्रदत्त एक विशिष्ट उपहार है। प्रकृति ने किसी को भी इससे वंचित नहीं रखा है, बस जरूरत है इस खूबसूरत अनमोल उपहार को पूरे मनोयोग से तराशकर व्यवहार में लाने की।

दो युवा धड़कनों के मध्य जब प्यार की बयार बहती है, तब अन्य रिश्तों के मध्य अधिकांशतः प्यार की खनक धीमी पड़ जाती है, तब प्यार के नाम पर केवल एक ही शख्स का चेहरा हर वक्त आँखों के सामने होता है। रात-दिन, सोते-जागते उसी के ख्वाब में खोए रहना ही नियति हो जाती है। कई लोग सिर्फ इसी प्यार को सुख का स्थायी स्वरूप मान बैठते हैं। यह प्यार अल्पकालिक, दीर्घकालिक और सार्वकालिक भी हो सकता है, किंतु इस प्यार को संपूर्ण सुख का पर्याय नहीं माना जा सकता है। यह सत्य है कि इस प्यार की तुलना किसी और रिश्ते में होने वाले प्यार से नहीं की जा सकती है, क्योंकि दोनों तरह के प्यार का जो धरातल है, वह एक-दूसरे से पूर्णतया भिन्न है। लेकिन प्यार किसी भी तरह का हो उसकी नियति है सुख देना और जीवन में सुख के कई आयाम हैं। प्रेमी-प्रेमिका या दांपत्य जीवन का प्यार जहाँ नितांत सुख और सुखद अनुभव का अहसास दिलाता है, वहीं दोस्त, माता-पिता, संतान और अन्य पारिवारिक और सामाजिक व्यक्तियों के बीच पसरा प्यार अपनत्व का आभास कराता हुआ अत्यंत आत्मिक सुख प्रदान करता है। कहने का आशय है कि हम जीवन के सर्वांगीण सुख को प्राप्त करना चाहते हैं तो प्राणीमात्र से प्यार तो करें ही लेकिन जिससे हमारे करीबी संबंध हैं, जिनके बीच हमारा जीवन चलायमान है उनके प्रति प्यार में विशेष उदारता बेहद जरूरी है।

वर्तमान में क्लेश, तनाव, कलह, पारिवारिक विघटन आदि की बढ़ती घटनाएँ आपसी समझ और प्यार में कमी की ही परिणति हैं। जिन संबंधों में प्यार नहीं वे करीबी होते हुए भी कबाड़ हैं और जहाँ प्यार है समझो जंगल में भी बहार है, क्योंकि प्यार में समाहित हैं कुछ अतिमहत्वपूर्ण गुण-

- जहाँ प्यार है, वहाँ एक-दूसरे के लिए उत्तम से अति उत्तम सोचने का आभास है और प्रायः व्यक्ति की सोच ही कार्य में परिणित होती है।
- प्यार के चलते व्यक्ति स्वयं से ज्यादा सामने वाले को महत्व देता है, इसी स्वभाव के कारण कई बार वह आवश्यकता पड़ने पर अपने व्यक्तिगत कार्यों को अधूरा छोड़ अन्य के कार्य में स्वेच्छा से खुशी-खुशी अपनी सहभागिता प्रदान करता है। यह प्रक्रिया दोनों को असीम सुख देने वाली होती है।
- सुख-दुख बिना किसी प्रयास के यहाँ से वहाँ, वहाँ से यहाँ स्वमेव हस्तांतरित होते रहते हैं। खुशी बँटती है तो बढ़ती है, दुख बँटता है तो कम होता है।
- प्यार हमेशा देने में विश्वास रखता है, लेने में नहीं। यह प्रवृत्ति सुख-शांति और सम्मान की जनक है।
- कर्तव्य निर्वहन में यदि प्यार समाहित है तो अधिकारों से कहीं ज्यादा खुशी और संतुष्टि का अनुभव कर्तव्य निर्वहन से होगा।
- जहाँ प्यार होता है, वहाँ क्लेश और कलह का वास असंभव है। स्वाभाविक है तनाव से मुक्ति।
- प्यार के सहारे मुश्किल से मुश्किल कार्य भी सहजता से संपन्ना हो जाते हैं।
- आत्मीयता की गहन अनुभूति का माध्यम भी प्यार ही है।
- इंसान ताउम्र सुखमय जीवन के लिए लालायित रहता है और इस लालसा की पूर्ति भी प्यार से ही संभव है।
- अनेक मामलों में देखा गया है कि प्यार की गहराई कई बार संबंधित व्यक्ति को अनिष्टकारी घटनाओं से बचाने में भी सक्षम रही है।
- प्यार छल-कपट, झूठ आदि दुष्प्रवृत्तियों से भी व्यक्ति को बचाता है।

प्यार के ऐसे और भी कई अच्छे प्रभाव परोक्ष रूप से हमारी दिनचर्या में सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर प्यार मानवता का परिधान और सुखमय जीवन का आधार है, फिर इससे दूरी कैसी?

रौनक लौटाएं बालों की

पौष्टिक तत्वों की कमी और खानपान की गलत आदतों का प्रभाव आपके बालों पर सीधा पडता है। विटमिंस की कमी के कारण बाल कमजोर होकर गिरने लगते हैं। हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब की मानें तो बालों की पचास प्रतिशत समस्याएं गलत आहार के कारण ही हैं। आप अपने बालों को स्वस्थ और मजबूत कैसे बनाएं, जानें।

- बालों के गिरने का एक अहम कारण डैंड्रफहै। अगर आपको रूसी की समस्या है तो उससे निपटने के लिए एंटी डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल करें। बालों की सही ढंग से सफाई करें। रूसी धूल, शैंपू केमिकल्स और अतिरिक्त सीबम फॉलिकल ऑयल के कारण पैदा होती है। यह सभी सिर की त्वचा पर एक फिल्म की तरह चढ जाते हैं और हेयर फॉलिकल्स को बंद कर देते हैं। इस कारण फॉलिकल्स बालों को विकसित नहीं कर पाते। सिर की त्वचा के छिद्र बंद होने और ऑक्सीजन भीतर न जाने के कारण बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए हर दूसरे दिन शैंपू के बाद अच्छी तरह धुलाई बेहद जरूरी है।
- धूप, गर्मी और लू के कारण भी बाल कमजोर होते हैं। इसलिए बालों में हेयर सीरम और सनब्लॉक जरूर लगाएं। बाहर जब भी निकलें तो सिर ढक कर निकलें ताकि सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावायलेट किरणें सीधे बालों पर न पडें।
- हफ्ते में एक बार हॉट ऑयल मसाज करें। फिर कुछ देर गर्म पानी में तौलिये को भिगोकर निचोडकर सिर पर लपेटें। इसके बाद मेथी दाना पैक लगाएं और आधे घंटे बाद शैंपू कर लें। यह बालों को मजबूती प्रदान करेगा और चमक भी।
- अपने आहार में हरी सब्जियां, अंडा, दूध और फल शामिल करें। अधिक से अधिक तरल पदार्थ लें। ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा मे)

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2023

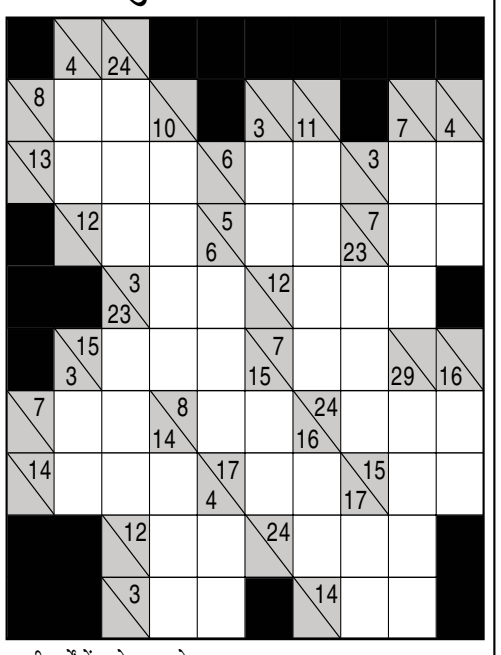

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

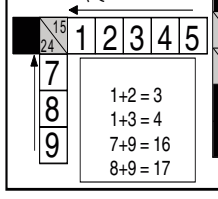

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2022 का हल

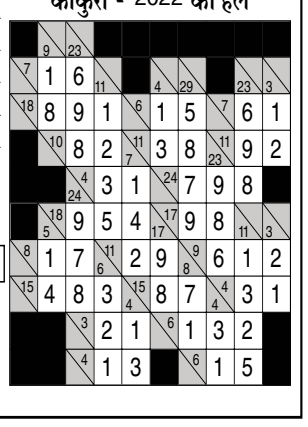

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2023

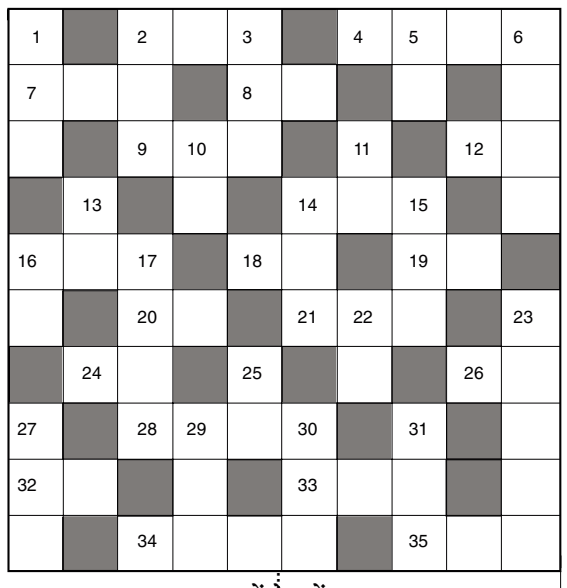

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. खीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथनु, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2022

रि	फ्यू	जी		बे	मि	सा	ल		क
शि		न	म्र	ता		या		फ	र्ज
ता	क	त		बी	ना		सु	र	
	र्त		श		स्ति			दी	पा
दि	व्य	श	क्ति		क	न्या	दा	न	
ल		रा		रो			ग		ई
से	ह	रा		श	र्मी	ली		घा	त
	थि		स	नी		ला	रा		का
द	या	वा	न		पॉ		जा	लि	म
स	र		म	न	च	ली		सा	

सूडोकु -:2023

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2022 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - :2023

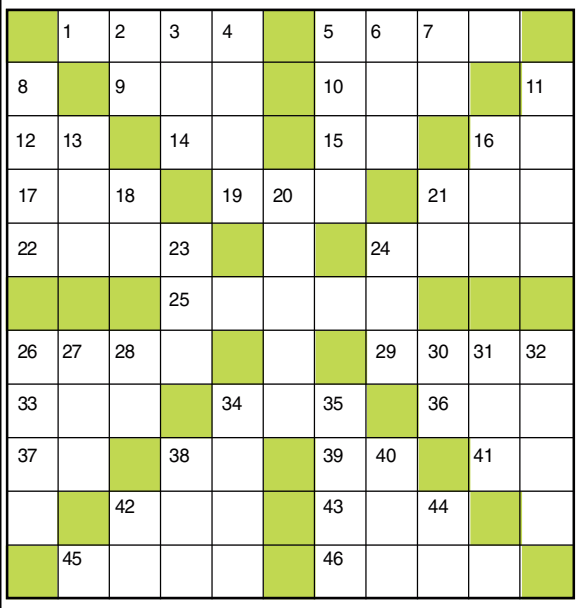

बाएँ से दाएँ

1. सरदार,अगुआ-4
5. जनमत,एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता,परवाह-3
12. पैंदा,तल्ला-2
14. ताल,सुर,आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला,दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल,करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट,पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36. चौकसी,रखवाली-3
37. हलक,कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर,मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा,गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी,अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा,बैर-2
8. आदत,व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग,हिलोर-3
16. तृष्णा,लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर,पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या,डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली,आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन,प्रेमपात्र-3
42. पहरा,चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली - 2022 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स		
कु	ल			झ		क	रा	ह		म	न
ल				धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	न	ल
त्ति		ह		म	नो	नी	त		सी		
	जा	त						त	ब		
	मु		फि	त	र	त		ना		ना	
म	न	का		न		प	र	व	रि	श	
लि				न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न	
	आ	स	रा			जा	य	दा	द		

छत्तीसगढ़ में जबरन धर्मांतरण पर लगाम कसने के लिए विधानसभा में नया विधेयक पेश

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने जबरन या प्रलोभन के माध्यम से किए जाने वाले धार्मिक धर्मांतरण के खिलाफ कानूनों को सख्त करने के लिए छत्तीसगढ़ 'धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026' विधानसभा में पेश किया है। राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने विधेयक पेश किया। विधेयक राज्य के मौजूदा धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 1968 पर आधारित है, जिसे मूल रूप से छत्तीसगढ़ के गठन के बाद 2000 में मध्य प्रदेश से अपनाया गया था। नए विधेयक में प्रलोभन, जबरन धर्मांतरण, गलत बयानी, सामूहिक धर्मांतरण और यहां तक कि सोशल मीडिया जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से धर्मांतरण की स्पष्ट परिभाषाएं दी गई हैं, साथ ही जबरन धर्मांतरण पर अंकुश लगाने के लिए कठोर दंडात्मक प्रावधान भी निर्धारित किए गए हैं।छत्तीसगढ़ विधानसभा में धर्म की स्वतंत्रता विधेयक 2026 पेश किए जाने पर हंगामा मच गया और विपक्ष ने अपनी आपत्तियां खारिज होने के बाद सदन से वॉकआउट कर दिया। विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने तर्क दिया कि इसी तरह के मामले पहले से ही 11 राज्यों में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष हैं और उन्होंने विधेयक को एक चयन समिति को भेजने का आग्रह किया।

एमबीएम विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह : ज्ञान को राष्ट्र निर्माण में लगाएं, यही दीक्षांत का सार – राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

जोधपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि नव जीवन की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान में करें तथा अपने लक्ष्य निर्धारित कर सतत प्रयास के साथ आगे बढ़ें। राज्यपाल बागडे ने एमबीएम विश्वविद्यालय, जोधपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि सपने केवल देखने से नहीं, बल्कि कठोर परिश्रम से साकार होते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के विचारों का उल्लेख करते हुए युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझना भी है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला होते हैं। तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए होना चाहिए, अन्यथा इसका विवेकहीन उपयोग नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि एआई सहायक है, परंतु मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं ले सकती। विद्यार्थियों को इसके उपयोग में विवेक बनाए रखना चाहिए।

पंजाब पुलिस को मिली बड़ी सफलता: बंबीहा गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात गैंगस्टर लकी पाटियाल के बंबीहा गैंग से जुड़े दो अहम साथियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब ने हरियाणा की स्पेशल टास्क फोर्स (करनाल यूनिट) के साथ संयुक्त अभियान चलाकर राजन उर्फ पियूष पहलवान और प्रीतम शाह को दबोचा है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी चंडीगढ़ के सेक्टर-9 में हुए चर्चित हत्या कांड में शामिल थे, जिसमें चरणप्रीत सिंह उर्फ चिन्नी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद से ही पुलिस इनकी तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि राजन उर्फ पियूष पहलवान एक अन्य हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में भी वांछित था। वह जीवनजोत सिंह उर्फ जुगनू के ड्राइवर यादविंदर सिंह की हत्या में भी शामिल रहा है।

कांग्रेस ने वीबीएसए विधेयक को संघीय ढांचे का उल्लंघन बताया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उच्च शिक्षा नियामक ढांचे में प्रस्तावित बदलावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) जैसी प्रमुख संस्थाओं में बड़ी संख्या में रिक्त पदों का खुलासा हुआ है। ऐसे समय में सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीबीएसए) विधेयक-2025 चिंताजनक है। कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने पार्टी का आधिकारिक पत्र जारी करते हुए कहा कि पार्टी को इस विधेयक के मौजूदा स्वरूप पर 7 आपत्तियां हैं। शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है, लेकिन इस विधेयक के मसौदे में राज्य सरकारों से कोई परामर्श नहीं किया गया। यह संघीय ढांचे का उल्लंघन है। पत्र में कहा गया है कि विधेयक में अनुदान देने वाली परिषद का प्रावधान नहीं है।

पश्चिम बंगाल में वाममोर्चा की दूसरी सूची जारी, 32 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर वाममोर्चा ने अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस सूची में 32 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इससे पहले वाममोर्चा पहली सूची में 192 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुका था। दूसरी सूची के साथ अब तक कुल 224 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जा चुके हैं। दूसरी सूची के अनुसार, कालचिनी (एसटी) सीट से आरएसपी के पासंग शेरपा को उम्मीदवार बनाया गया है। करनदिघी से माकपा के एमडी साहाबुद्दीन और हबीबपुर से बसुदेव मुर्मू को टिकट दिया गया है। चांचल से अनवारुल हक, भगवानगोला से महमूदुल हसन और रानीनगर से जमाल हुसैन को उम्मीदवार बनाया गया है। नवग्राम (एससी) सीट से पूर्णिमा दास और जलंगी से यूनुस अली सरकार को टिकट मिला है।

कृष्णनगर उत्तर से अद्वैत विश्वास, कृष्णगंज (एससी) से अर्चना विश्वास और कल्याणी (एससी) से सबुज दास को उम्मीदवार बनाया गया है। बसिरहाट दक्षिण से ऐनुल आरफिन को मैदान में उतारा गया है।

कुलतली (एससी) से रामशंकर हालदार, जयनगर (एससी) से अपूर्व प्रमाणिक और बारुईपुर पश्चिम से लायक अली को उम्मीदवार बनाया गया है। डायमंड हार्बर से समरेंद्र नाथ नैया को टिकट दिया गया है।टॉलीगंज से प्रोफेसर पार्थ प्रतिम विश्वास, मेटियाब्रुज से अधिवक्ता मनीरुल इस्लाम और भवानीपुर से अधिवक्ता श्रीजीव विश्वास उम्मीदवार बनाए गए हैं। बालीगंज से कलाकार अफरीन बेगम को उम्मीदवार बनाया गया है। चांपदानी से चंद्रनाथ बनर्जी, जांगीपाड़ा से सुदीप्त सरकार और पुरशुड़ा से संदीप कुमार सामंत को उम्मीदवार बनाया गया है। पांशकुड़ा पूर्व से इब्राहिम अली और पांशकुड़ा पश्चिम से निरंजन सिही को टिकट मिला है। नंदीग्राम से सीपीआई के शांति गिरी, खेजुरी (एससी) से हिमांशु दास और नयाग्राम (एसटी) से डॉ. पुलिन बिहारी बास्के को उम्मीदवार बनाया गया है। गोपिबल्लभपुर से विकास सारंगी, मोंतेश्वर से अनुपम घोष और आसनसोल उत्तर से अखिलेश कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। मुराराई से मोहम्मद अली रेजा मंडल को टिकट दिया गया है।

दिल्ली में तरुण हत्याकांड मामले में राहुल गांधी ने की भाईचारा बनाए रखने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 26 वर्षीय तरूण खटीक की हत्या के मामले पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोगों से बहकावे में आए बिना आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। राहुल ने एक्स पोस्ट में कहा कि उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है। एक तरफ एक जवान लड़के तरुण की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। राहुल ने कहा कि लोगों को और खून-खराबा नहीं चाहिए। नफरत फैलाने वाले चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान के मुद्दे में उलझा रहे, ताकि लोग यह सवाल न पूछ सकें। उन्होंने

लोगों से अपील की कि किसी बहकावे में न आएं। देश की शक्ति हमारी एकता, भाईचारे और मोहब्बत में है। उन्होंने कहा, 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो। '

आमजन को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़े : सुरेश सिंह रावत

एजेंसी

भरतपुर। जल संसाधन मंत्री एवं भरतपुर जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आमजन को पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा संबंधी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़े इसके लिए अभी से प्लानिंग कर सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करें। उन्होंने विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। जल संसाधन मंत्री गुरूवार को भरतपुर कलैक्ट्रेट सभागार में मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति, बजट घोषणाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को गर्मी के मौसम में पेयजल समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े जहां विभाग के सिस्टम हैं नियमित रूप से पेयजल सप्लाई हो, आवश्यक स्थानों पर टैंकरों के माध्यम से या स्थानीय स्त्रोतों से पेयजल आपूर्ति की जाये। उन्होंने जलदाय विभाग के कंट्रोल रूम नम्बर 05644-222731 का प्रचार-प्रसार कर जनप्रतिनिधियों तक सूचना भिजवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जलस्त्रोतों के कार्य पूर्ण होने पर विद्युत निगम शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराये जिससे जनता को लाभ मिल सके। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को भी गति देकर आवश्यक मरम्मत कार्यों को पूरा कराने के निर्देश दिये। प्रभारी मंत्री ने विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा संस्थानों में मौसमी बीमारियों के रोकथाम के उपाय करने, ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं संबंधी जनहित के समस्याओं का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पंच गौरव योजना में सभी कार्यों को प्रचार-प्रसार कर जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए प्रमोशन को बढावा दें। उन्होंने एक जिला - एक उत्पाद में एग्रो इंडस्ट्रीज को बढावा देने के लिए उद्यमियों को सरकार की योजनाओं को समय पर लाभ प्रदान करें। उन्होंने राईजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को पूर्ण कर स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। विभागवार समीक्षा के दौरान उन्होंने क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों के मरम्मत कार्यों को गुणवत्ता से कराने, 414 कक्षा-कक्षों के मरम्मत कार्य के वर्क ऑर्डर के साथ ही नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिये। जिला प्रभारी मंत्री ने सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की समीक्षा करते हुए कहा कि आमजन को समस्या निराकरण के लिए कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाने पडे। सभी अधिकारी संवेदनशीलता से समय पर निराकरण करते हुए परिवादी से संवाद कर फीडबैक भी लें। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सम्पर्क पोर्टल के परिवादों को शीघ्रता के साथ निस्तारण के निर्देश दिये हैं इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

दिल्ली विधानसभा ने 'विधान साथी' एआई चैटबॉट किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने अपने कार्य संचालन को अधिक प्रभावी, सटीक और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'विधान साथी' नामक एआई-सक्षम चैटबॉट को लॉन्च किया।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि यह प्रणाली आगामी बजट सत्र (23 मार्च) से लागू की जाएगी। गुप्ता ने कहा कि विधायकों को सीमित समय में जटिल विधायी और नीतिगत विषयों पर विचार करना होता है। ऐसे में 'विधान साथी' एक समर्पित विधायी अनुसंधान एवं सहायता उपकरण के रूप में कार्य करेगा, जो उन्हें स्पष्ट, संदर्भित और विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराकर सदन में होने वाली चर्चाओं को अधिक तथ्यात्मक, सारगर्भित और प्रभावशाली बनाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा देश की पहली विधायिका है, जिसने अपने सदस्यों के लिए इस प्रकार का एआई-सक्षम चैटबॉट विकसित किया है। 'विधान साथी' को विजेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में विशेष रूप से दिल्ली विधानसभा की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं के अनुरूप तैयार किया गया है। यह मंच विधायकों को विधेयकों, अधिनियमों, समिति रिपोर्टों और नीतिगत मुद्दों का डेटा-आधारित विश्लेषण उपलब्ध कराएगा। सदस्य बिल या रिपोर्ट के स्क्रीनशॉट अपलोड कर तुरंत उसका विश्लेषण और संदर्भ समझ सकते हैं, जिससे वे अधिक सूचित और प्रभावी ढंग से चर्चा में भाग ले सकेंगे। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य सिर्फ दस्तावेज उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि जटिल विषयों को समझने और उनका सही विश्लेषण करने में मदद करना है, ताकि सदस्य सदन में तथ्यों पर आधारित और स्पष्ट रूप से अपने विचार रख सकें। विधान साथी को उपयोग में सरल बनाने के लिए प्रत्येक सदस्य की डेस्क पर एक विशेष क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा, साथ

ही एक डिजिटल लिंक भी प्रदान किया जाएगा, जिससे किसी अतिरिक्त डाउनलोड या प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। यह सुविधा केवल विधानसभा के 70 सदस्यों के लिए सुरक्षित रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्लेटफॉर्म विधानसभा के नियमों, पूर्व बहसों, समिति रिपोर्टों और विधायी अभिलेखों पर आधारित है।

पानी के गलत बिलों और सीवर कनेक्टिविटी को लेकर जल बोर्ड का व्यापक सुधार अभियान होगा शुरू : प्रवेश साहिब सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के नागरिकों को वर्षों से परेशान कर रही पानी और सीवर से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाते दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह की अध्यक्षता में कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन फैसलों का उद्देश्य लोगों की गलत पानी के बिल, खराब मीटर और सीवर कनेक्टिविटी की कमी की दिक्कतों को खत्म करना है।

मंत्री ने बताया कि पानी के बिलों को लेकर बढ़ती शिकायतों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली जल बोर्ड ने करीब 35 लाख उपभोक्ताओं के लिए घर-घर जाकर ई-केवाईसी और डिजिटल डेटा अपडेट का बड़ा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि करीब 60 करोड़ की लागत से शुरू हो रहे इस अभियान के तहत फोटो के साथ तकनीक आधारित मीटर रीडिंग, सटीकता सुनिश्चित करने के लिए जीपीएस टैगिंग औ प्रूफ ऑफ डिलीवरी के साथ समय पर बिल

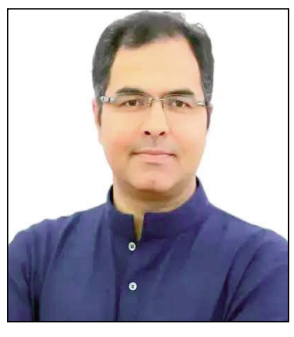

वितरण जैसी व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोग अपने पानी के बिल भरना चाहते हैं और अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहते हैं। समस्या तब होती है जब अचानक अत्यधिक बिल आ जाता है, मीटर काम नहीं करता या बिल समय पर घर तक नहीं पहुंचता। ये केवल तकनीकी खामियां नहीं हैं, बल्कि लोगों की रोज़मर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्याएं हैं। हमारा प्रयास इन सभी कमियों को जमीनी स्तर पर दूर कर एक पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था स्थापित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले 6 महीनों में हर उपभोक्ता का डिजिटल रिकॉर्ड सत्यापित किया जाएगा, जिससे विवादों में कमी आएगी और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा।

मंत्री ने बताया कि किराड़ी और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को राहत देते हुए दिल्ली जल बोर्ड ने बड़े पैमाने पर हाउस सर्विस सीवर कनेक्शन (एचएसएससी) को मंजूरी दी है। इस परियोजना के तहत प्रताप विहार कैचमेंटः 4.30 लाख लोग (72 कॉलोनियां), प्रेम नगर कैचमेंटः 1.45 लाख लोग (30 कॉलोनियां) और भाग्य विहार कैचमेंटः 1.5 लाख लोग (11 कॉलोनियां और 3 गांव) को सीधा लाभ मिलेगा।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यमुना नदी को साफ करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने प्रदूषण को उसके स्रोत पर ही रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसके तहत 71.12 करोड़ की लागत से दिल्ली गेट नाले में इन-सीटू वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट परियोजना, वजूराबाद बैराज के ऊपर स्थित पोंडेज एरिया का पुनर्जीवन को मंजूरी दी गई है। इन पहलों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिना ट्रीट किया गया सीवेज यमुना में जाने से पहले ही रोका जाए जिससे नदी की सफाई को स्थायी और प्रभावी बनाया जा सके।

कई मंत्रियों, विधायकों व पार्षदों ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज का हालचाल जाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज से आज उनके आवास पर कई मंत्रियों, विधायकों, पार्षदों एवं अन्य ने उनका हालचाल जाना तथा उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। विज से आज उनके आवास पर खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, खेल मंत्री गौरव गौतम, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, विधायक बिमला चौधरी ने उनका हालचाल जाना। इस दौरान सभी ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

इसी प्रकार आज शाम मंत्री अनिल विज का हाल जानने के लिए उनके आवास पर घरौंडा नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता के साथ पार्षद सोमनाथ प्रजापति, पार्षद अश्विनी राणा, जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य नरेंद्र प्रजापति के अलावा अन्य ने उनका हालचाल जाना।

भीषण गर्मी से निपटने की तैयारी: भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला, जलदाय विभाग के अवकाश रद्द

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश में आगामी भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आमजन की सुविधा और राहत को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जलदाय विभाग के सभी फील्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा जनता को शुद्ध एव समुचित पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं पेयजल आपूर्ति सम्बंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभाग द्वारा राज्य स्तरीय एवं प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय नियन्त्रण कक्षों की स्थापना की गई है। राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्मकाल 2026 के लिए प्रदेश के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी 41 जिलों के शहरी क्षेत्र के लिए 55.88 करोड़ रुपए एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 154.83 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है। जल परिवहन के लिए राशि स्वीकृत

ग्रीष्म ऋतु में प्रदेश के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 41 जिलों के लिए 1 अप्रेल

2026 से 31 जुलाई 2026 तक आवश्यकतानुसार जल परिवहन के लिए अनुमानित शहरी क्षेत्र के लिए 23 करोड़ रुपए एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 82.37 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है। गर्मियों के सीजन में पेयजल आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए सरकार ने 1 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक अवधि के लिए 500 श्रमिक प्रतिमाह एवं 100 किराये के वाहन प्रतिमाह लेने की स्वीकृति जारी की है। इसी तरह 1 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक की अवधि के लिए 2000 श्रमिक प्रतिमाह एवं 400 किराये के वाहन प्रतिमाह तथा 1 मई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक अवधि के लिए 2500 श्रमिक प्रतिमाह एवं 450 किराये के वाहन प्रतिमाह की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

आकस्मिक कार्यों के लिए जिला कलेक्टर को एक-एक करोड़ रुपए की स्वीकृति

जलदाय विभाग ने गर्मियों के मौसम में प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों में आकस्मिक कार्यों के लिए 1-1 करोड रुपये की राशि खर्च करने की स्वीकृति जारी कर दी गई है। इसके तहत जिला कलक्टर्स की अनुशंषा पर सम्बंधित क्षेत्र के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अपने अधीन आने वाले जिलों में 1 करोड़ रुपये तक की सीमा में पेयजल व्यवस्था से सम्बंधित आवश्यक कार्य करा सकेंगे।

प्रदेश में संचालित जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत पूर्ण हो चुकी जल योजनाओ के संचालन के लिए विभाग गर्मियों के मौसम में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों के लिए 25-25 लाख रुपये की राशि खर्च करने की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

कांग्रेस के भीतर मतभेद उजागर, शशि थरूर व मनीष तिवारी ने पश्चिम एशिया नीति पर केंद्र का किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को लेकर जहां एक ओर कांग्रेस पार्टी लगातार केंद्र सरकार की आलोचना कर रही है जबकि पार्टी के दो सांसदों शशि थरूर और मनीष तिवारी ने भारत की विदेश नीति का समर्थन किया। दोनों नेताओं ने कहा कि इस जटिल स्थिति में भारत ने अपने हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित और समझदारी भरा रुख अपनाया है। शशि थरूर ने अपने एक लेख में भारत की 'चुप्पी' को सही ठहराते हुए कहा कि यह कोई नैतिक कमजोरी नहीं बल्कि जिम्मेदार कूटनीति का हिस्सा है। उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत हमेशा सिद्धांत और व्यवहारिकता के बीच संतुलन बनाकर चलता आया है। शशि थरूर ने लिखा, 'गुटनिरपेक्षता का मतलब नैतिक रुख से दूर रहना नहीं था, बल्कि यह समझना था कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए बड़े वैश्विक टकरावों से दूरी बनाए रखना जरूरी है। ' उन्होंने कहा कि आज के दौर में भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' की नीति पर चल रहा है, यानी वह अलग-अलग वैश्विक ताकतों के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हित को

प्राथमिकता देता है। उन्होंने यह भी माना कि ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सही नहीं है, लेकिन भारत की चुप्पी इसका समर्थन नहीं है, बल्कि यह एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है।

उन्होंने कहा, 'सरकार का यह देखना कि किसी बयान का देश की अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्थिति पर क्या असर पड़ेगा, नैतिक समर्पण नहीं, बल्कि जिम्मेदार शासन है। 'वहीं, मनीष तिवारी ने भी हाल ही में एक कार्यक्रम में केंद्र सरकार के रुख का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में सिर्फ एक नहीं, बल्कि कई संघर्ष चल रहे हैं और ऐसे में किसी एक पक्ष का समर्थन करना आसान नहीं है।

मनीष तिवारी ने कहा, 'यह भारत की लड़ाई नहीं है। हम इस क्षेत्र में हमेशा सीमित भूमिका में रहे हैं, इसलिए दूरी बनाए रखना ही समझदारी है।' उन्होंने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का जिक्र करते हुए कहा कि अपने हितों की रक्षा करना और संतुलन बनाकर चलना ही सही नीति है। इधर, केंद्र सरकार की कथित चुप्पी और ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या पर देर से प्रतिक्रिया देने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना करते हुए एक खुला पत्र लिखा था। हालांकि, कांग्रेस के ही दो वरिष्ठ नेताओं द्वारा सरकार के रुख का समर्थन किए जाने से पार्टी के भीतर मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। इससे विपक्ष के आरोपों की धार भी कुछ कमजोर होती दिख रही है।

बता दें कि इससे पहले भी शशि थरूर और मनीष तिवारी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद केंद्र सरकार की कूटनीतिक पहल का समर्थन किया था।

गुजरात के अहमदाबाद में नकली नोटों का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीती देर रात अमराईवाड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की नकली भारतीय मुद्रा जब्त की है। इस मामले में सूरत की एक महिला समेत कुल 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से कुल ?2.90 करोड़ की नकली नोट बरामद हुए हैं। इनमें से ?2.10 करोड़ अहमदाबाद से और ?80 लाख सूरत से जब्त किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में नोटों की गिनती करने में पुलिस को लगभग 6 घंटे का समय लगा। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजियन ने आज बताया कि आरोपित चीन से हाई क्वालिटी का पेपर मंगाकर नकली नोट तैयार करते थे। इन नोटों का इस्तेमाल वे खास तौर पर जमीन के सौदों में खपाने के लिए करते थे और इसके लिए आंगड़िया

नेटवर्क का भी उपयोग किया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित पहले भी अहमदाबाद में 3-4 वित्तीय लेनदेन कर चुके हैं।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध लग्जरी कार को अमराईवाड़ी में रोका , जिस पर 'सत्यम योग फाउंडेशन' लिखा हुआ था। जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए। आरोपित खुद को सरकारी वाहन दिखाने के लिए भारत सरकार और आयुष मंत्रालय के नाम का दुरुपयोग कर रहे थे।

पूछताछ के दौरान इस पूरे रैकेट के तार सूरत तक जुड़े पाए गए। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना दी गई, जहां उधना इलाके में छापेमारी कर हाईटेक प्रिंटिंग मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए गए। साथ ही ?80 लाख की नकली नोट भी जब्त किए गए। क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद और सूरत में कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद से रुपये 2.10 करोड़ और सूरत से रुपये 80 लाख की नकली नोट बरामद किए। इस मामले में सत्यम योग फाउंडेशन के प्रदीप गुरुजी को भी गिरफ्तार किया गया है।फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और आशंका है कि इस गिरोह के और भी बड़े कनेक्शन सामने आ सकते हैं।

यशस्वी सहित इन तीन क्रिकेटरों पर रहेगी रॉयल्स की जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इस बार नये कप्तान रियान पराग के साथ उतर रही। राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। रॉयल्स के पास उभरते क्रिकेटर युशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और शिमोन हैटमायर हैं हालांकि उसे इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन की कमी खलेगी। टीम का उम्मीद रहेगी की उसके युवा खिलाड़ जबरदस्मत प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायें। पिछले कुछ सत्र में टीम ने युवाओं को अधिक से अधिक अवसर दिये हैं। जिस प्रकार से वैभव, यशस्वी और पराग सहित युवा खेल रहे हैं उससे रॉयल्स का सामना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और टीम की सफलता काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी संतुलित बल्लेबाज़ी है। टीम में शीर्ष क्रम से लेकर मध्य क्रम तक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बड़े शॉट्स खेलने के साथ-साथ पारी को संभालने में कुशल हैं। टीम में देशी और विदेशी खिलाड़ियों का मिश्रण इसे और भी अधिक घातक बनाता है। टीम किसी भी प्रकार के हालातों में निडर होकर खेलने तैयार है। इसके बाद भी इन तीन खिलाड़ियों को निभानी होगी अहम भूमिका।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल इस सीज़न में टीक के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ साबित हो सकते हैं। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने पिछले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 559 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 159.71 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी को दिखाता है। वह बड़ी पारी खेलने में माहिर होने के साथ ही एंकर की भूमिका भी निभाते हैं। सैमसन के टीम से जाने के बाद अब बल्लेबाज़ी की जिम्मेदारी काफी हद तक उनके पास रहेगी। ऐसे में टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदार उनपर रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी: 14 साल के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी रॉयल्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 206.56 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाकर सबको प्रभावित किया था।उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर इतिहास रच दिया था और टीम20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने वाले खिलाड़ी बने। इस दूसरे सत्र में भी उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वैभव का कहना है कि उनकी नजरें क्रिस गेल के 175 रनों का रिकार्ड तोड़ना है।

शिमरॉन हेटमायर: वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ शिमरॉन हेटमायर रॉयल्स मध्यक्रम के आधार हैं। वह लंबे समय से टीम का हिस्सा है और कई मौकों पर मैच विजेता पारियां खेल चुके हैं।हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने तेज़ स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी सबसे बड़ी ताकत दबाव में भी बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता है। इस सत्र में टीम उनसे फिनिशर की भूमिका निभाने की उम्मीद करेगी।

थरूर को याद आई गंभीर की बात, सैमसन को अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही बल्लेबाज संजू सैमसन छाये हुए हैं। संजू की प्रशंसा करते हुए केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि एक बार उनसे टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि उसे दूसरा महेंद्र सिंह धोनी बनने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह अपने में ही खास है और उसे संजू सैमसन ही बने रहना चाहिये। थरूर ने कहा कि तब उन्होंने बातचीत के दौरान गंभीर से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। वहीं अब थरूर ने गंभीर की इस बात को याद करते हुए विश्वकप में संजू की बल्लेबाजी के अंदाज को सराहा है। थरूर का कहना है कि वह क्लब क्रिकेटर के तौर पर करियर की शुरुआत से ही सैमसन को पसंद करते हैं। अब जबकि उसने इतनी उपलब्धियों को हासिल कर लिया है कि उन्हें उसपर गर्व होता है।

उन्होंने कहा, मैं उससे तब मिला था जब वह 14 साल का था, वह एक युवा क्लब क्रिकेटर था। वह देखने में भले ही कमजोर लगता था पर मन से काफी मजबूत था। उसमें जबरदस्त प्रतिभा थी। वह उस समय से ही विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों कर रहा था। थरूर ने कहा, मैंने तब सैमसन से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। इस बात को जब मैंने गंभीर से कहा, तो उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं, उसे अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं है, वह अपने में ही विशेष है, उसे सैमसन ही बने रहना होगा। और ये बात सही साबित हुई है। थरूर ने कहा, जब मैं उसके साथ दुख-सुख में, कठिन समय में था तो मुझे ऐसा महसूस हुआ कि अगर वह अपने को संभाल ले तो सब कुछ वापस आ जाएगा। उसके अंदर प्रतिभा शुरु से थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में जब उसने खेलना शुरू किया तो मैंने उसकी आंखों में गजब का आत्मविश्वास देखा था। उसी पल मुझ लगा कि वह आज आउट नहीं होने वाला। वह उस मैच में आउट ही नहीं हुआ और लगातार आगे बढ़ते रहा।

आईपीएल से बाहर हुए सैम करन, राजस्थान रॉयल्स की मुश्किलें बढ़ीं

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से बाहर हो गये हैं। सैम के बाहर होने से रॉयल्स को करारा झटका लगा है। सैम के आने से माना जा रहा था कि रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी मजबूत होगी पर ग्रोइन इंजरी के कारण वह भाग नहीं ले पायेंगे। ऐसे में रॉयल्स करन की जगह लेने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर सकती है।

रॉयल्स ने संजू सैमसन के बदले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हुई ट्रेड डील में रविन्द्र जडेजा के साथ ही सैम को भी लिया था और अब ये फैसला उसके लिए नुकसानदायक साबित हो गया। सैम टी20 विश्व कप में भी इंग्लैंड टीम में शामिल थे।

सैम ने इससे पहले पंजाब किंग्स और सीएसके की ओर से खेला है। वह साल 2023 के इंडियन प्रीमियर लीग सत्र से पहले 18.5 करोड़ रुपए में बिके सबसे महंगे खिलाड़ी थे, उन्होंने साल 2020 और 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से था और गत सत्र से पहले 2.4 करोड़ रुपए में टीम में शामिल थे। उन्होंने 2025 में सीएके की ओर से पांच मैचों में 114 रन बनाने के साथ ही एक विकेट भी लिया था। वहीं भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा था कि राजस्थान रॉयल्स को अनुभवी जडेजा या सैम में से किसी एक को कप्तान बनाना चाहिये था पर फ्रैंचाइजी ने युवा रियान पराग को कप्तान बनाया।

सहवाग की तरह आक्रामकता को संतुलित करें अभिषेक : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि उन्हें लंबी पारी खेलने के लिए सही संतुलतन बनाना होगा। कुंबले के अनुसार अभिषेक को बल्लेबाजी के दौरान अपनी आक्रामकता पर नियंत्रण करना होगा ताकि वह जिम्मेदारी से अपनी भूमिक निभा सकें। इसके लिए उन्हें पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की बल्लेबाजी देखनी चाहिये। जिस प्रकार सहवाग ने अपने करियर के दौरान आक्रामकता को संतुलित कर लंबी पारियां खेली हैं। वैसा ही अभिषेक भी कर सकता हैं। अभी वह अधिकतर अधिक जोखिम उठाकर रन टीम को तेज शानदार शुरुआत दिलाते हैं पर बड़ी पारी नहीं खेल पाते।

कुंबले ने कहा, मैं उनकी तुलना सहवाग जैसे खिलाड़ी से करूंगा क्योंकि वह भी हर गेंद को स्मैश करने की कोशिश करते थे। जब वह टेस्ट क्रिकेट से एकदिवसीय क्रिकेट और फिर टी20 में आए तो उन्हें अहसास हुआ कि उन्हें अपनी पारी की गति थोड़ी अलग तरह से तय करनी होगी। हालांकि सहवाग तब भी 140-150 के स्ट्राइक रेट से खेलते थे। अभिषेक को भी इसी प्रकार की नीति अपनानी होगी। उन्हें अपने से पूछना चाहिए, मैं 200 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहा हूं, मुझसे उम्मीदें लगी हुई हैं, तो क्या अब मुझे 300 के स्ट्राइक रेट से खेलना चाहिए या नहीं? आपको बस सामान्य रहना है। आपको ज्यादा से ज्यादा गेंदें खेलनी हैं। उन्होंने कहा, अगर वह किसी पारी में 20 गेंदें खेलते हैं तो करीब 50 रन तक पहुंच जाएंगे। हमने संजू सैमसन के साथ भी ऐसा ही देखा है, वह 40 या 50 के स्कोर पर आउट नहीं होते बल्कि पारी को और आगे ले जाकर 85-90 के स्कोर तक पहुंचते हैं और अपनी पारी को यादगार बनाते हैं। कुंबले ने कहा, टी20 प्रारूप में आपको इसी तरह की ही बल्लेबाजी की जरूरत होती है। हो सकता है अभिषेक इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बदलाव लाये।

गौरतलब है कि अभिषेक टी20 विश्व कप में अधिक सफल नहीं रहे और केवल दो बार ही 50 रनों से अधिक बना पाये। अब वह 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते नजर आएंगे। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भी कहा कि उन्हें अपनी निरंतरता पर काम करने की जरुरत है। इसका कारण है कि उनसे टीम को काफी उम्मीदें रहेंगी। उन्होंने कहा, वह अब 25 साल का है, 20 का नहीं। इसलिए यह निश्चित रूप से वह दौर है जब उसे ज्यादा जिम्मेदारी लेनी शुरू कर देनी चाहिए। मीडिया का दबाव होगा और लोग उससे और अधिक अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे। डिविलियर्स ने कहा, हम जानते हैं कि टी20 विश्व कप के दौरान उसका प्रदर्शन थोड़ा ऊपर-नीचे रहा था, जो निराशाजनक था। फाइनल में उसने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसके अलावा उसके लिए यह टूर्नामेंट इतना अच्छा नहीं रहा।

सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर एडवर्ड्स चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हुए

नई दिल्ली ।सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में शामिल ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र से बाहर हो गये है।एडवर्ड्स को सनराइजर्स ने नीलामी में 3 करोड़ रुपए में खरीदा था।इस ऑलराउंडर ने अब तक अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल एक मैच खेला है जिसमें उन्होंने पांच रन बनाए हैं।इस खिलाड़ी ने 77 टी20 मैचों में 57 पारियां खेलते हुए 853 रन बनाने के साथ ही 52 विकेट भी लिए हैं।एडवर्ड्स का प्रदर्शन बिग बैश लीग (बीबीएल) में काफी अच्छा रहा था।उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए 13 मैचों में 19 विकेट लिए और 133 रन बनाए।एडवर्ड्स के बाहर होने के बाद अब उनकी जगह टीम किसे रखती है ये देखना होगा।टीम के नियमित कप्तान ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस भी अब तक फिट नहीं होने के कारण शुरुआती सत्र से बाहर हैं, ऐसे में एडवर्ड्स का बाहर होना उसके लिए दूसरा झटका है।इसी कारण शुरुआती मैचों में ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे।सनराइजर्स हैदराबाद का पहला मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा।

आयरलैंड के स्टर्लिंग ने टी20 कप्तानी छोड़ी, एकदिवसीय में बने रहेंगे

डबलिन (ईएमएस)।आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 विश्वकप की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है हालांकि वह एकदिवसीय प्रारुप में कप्तान बने रहेंगे। स्टर्लिंग ने कहा कि उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की रना रहेगा। इसी लिए वह टी20 प्रारुप की कप्तानी छोड़ रहे हैं। स्टर्लिंग ने कहा, इस प्रारुप में आयरलैंड की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है और मुझे ऐसा करने पर बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है।अपने देश की कप्तानी करना सम्मान की बात है जिसके साथ आप पर जिम्मेदारी भी आती है। कप्तानी करते हुए मुझे जो विश्वास और समर्थन मिला, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, हालांकि मैं टी–20 कप्तानी छोड़ रहा हूं, फिर भी मैं आयरलैंड टीम के प्रति पूरी तरह समर्पित हूं और एकदिवसीय कप्तान के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाता रहूंगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मुझमें अभी भी बहुत अधिक जुनून है और मुझे लगता है कि टी20 प्रारुप की कप्तानी छोड़ने के बाद मैं और बेहतर तरीके से एकदिवसीय प्रारुप पर ध्यान दे सकूंगा। स्टर्लिंग ने 48 टी–20 मैचों में आयरलैंड की कप्तानी की है जिसमें से 20 मैच वह जीते और 26 हारे हैं। वहीं दो मैचों का कोई परिणाम नहीं आया। उन्हें साल 2023 में एंडी बालबर्नी के कप्तानी छोड़ने के बाद कप्तान बनाया गया था।

केकेआर का कोच अभिषेक ने हौंसला बढ़ाया, चौथी बार खिताब जीतने उतरे टीम

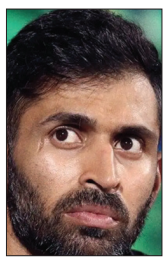

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने यहां अभ्यास सत्र में टीम का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि उसे इस बार खिताब जीतने के इरादे से उतरना चाहिये। नायर ने कहा कि टीम के पास चौथी बार इस खिताब को जीतने के लिए सभी जरुरी कौशल हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है केवल उसे एकजुट होकर खेलना है। तीन बार की आईपीएल विजेता केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले से करेगी। केकेआर के एक वीडियो में नायर ने कहा, 'हमने काफी तैयारी की है जिसे अब अमल में लाने का समय आ गया है पिछले कुछ महीनों में हमने अपने कौशल को निखारा है।हमने पर पक्ष को लेकर बात की है।अब हमें केवल इस बात का ध्यान रखना है कि हम किस प्रकार से मानसिक रुप से तैयार होते हैं।हमें मैदान पर बिताया हर पल, का लाभ उठाना होगा।' उन्होंने कहा, 'हमें बस एक काम करना है कि जीत का लक्ष्य लेकर उतरना है। हमें वह चौथा खिताब हासिल करना है जिसके लिए हमें तैयार रहना होगा। हम हर चीज के लिए तैयार।' नायर ने इस अवसर पर यहायक कोच शेन वॉटसन और फील्डिंग कोच दिशंत याग्निक का भी टीम में स्वागत किया। ये दोनो ही इस सत्र में सहयोगी स्टाफ का हिस्सा बने हैं।साथ ही कहा कि हर कोई शेन वॉटसन को एक खिलाड़ी के तौर पर जानता है पर मैं उन्हें एक ऐसे इंसान के तौर पर जानता हूं, जिसने उनके नेतृत्व में एक खिलाड़ी के तौर पर खेला है।केकेआर ने साल 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था पर साल 2025 में आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम असफल रही थी।इस बार भी हालांकि रहाणे ही कप्तान रहेंगे।

भारत की अंडर 20 महिला टीम एशियाई कप खेलने थाईलैंड पहुंची, दो दशक बाद किया क्वालीफाई

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की 24 सदस्यीय अंडर 20 महिला फुटबॉल टीम थाईलैंड में अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप से पहले पंद्रह दिन के अनुकूलन शिविर में भाग लेने शुक्रवार को यहां पहुंच गई।

भारतीय टीम ने दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। यह टीम दो अप्रैल को जापान के खिलाफ ग्रुप सी के पहले मुकाबले से पूर्व13 दिन अनुकूलन शिविर में भाग लेगी। भारत को पांच अप्रैल को आस्ट्रेलिया से और आठ अप्रैल को चीनी ताइपै से खेलना है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली टीमें पोलैंड में इस साल होने वाले फीफा अंडर 20 विश्व कप में जगह बनाएंगी।

भारतीय टीम ने इंडियन वुमैंस लीग के पहले चरण के बाद बेंगलुरू में स्वीडिश कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन के मार्गदर्शन में अभ्यास किया है। इसके अलावा स्वीडन में एक महीने का अभ्यास शिविर भी लगा था। भारत ने स्वीडन की सीनियर टीम के खिलाफ पांच दोस्ताना मैच भी खेले। यूरोप से आने के बाद टीम ने कोलकाता में अभ्यास शिविर में भी भाग लिया।

भारतीय टीम

गोलकीपर : मोनालिसा देवी एम, नंदिनी, रिबांसी जामू

डिफेंडर : अलका इंदवार, सिंडी आर कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रूचि यादव, सहीना टीएच, शुभांगी सिंह, टी चानू तोइजाम

मिडफील्डर : अंजू चानू कायेनपेइबाम, अरिना देवी एन, भूमिका देवी, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, श्रुति कुमारी

फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, दीपिका पाल, लिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी एन, सुलांजना राउल

अभ्यास मैच में शमी, आवेश ने खोले हाथ, ऋषभ का आक्रामक अंदाज

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम ने गुरुवार को यूपी 20 लीग की टीम काशी रुद्रा के साथ अभ्यास मैच में अपने हाथ खोले।स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट अकादमी के मैदान पर एलएसजी बनाम केआर इलेवन अभ्यास मैच खेला गया जिसमें तेज गेंदबाज मो. शमी, मोहसिन खान, आवेश खान और बल्लेबाज मुकुल चौधरी काशी रुद्रा के खिलाड़ियों के साथ खेले। जबकि कप्तान ऋषभ पंत दोनों टीमों से बैटिंग करने उतरे। पहले बल्लेबाजी करने आई एलएसजी की टीम से ऋषभ पंत, अर्शीन कुलकर्णी और शहबाज अहमद ने आक्रामक पारी खेली। केआर इलेवन की ओर से मो. शमी,

आवेश खान और मोहसिन ने अपनी स्विंग और बाउंसर से चकित किया। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत व मुकुल चौधरी और काशी रुद्रा के शुभम व अभिषेक ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और मैदान के चारों ओर शॉट लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। एलएसजी की ओर से मयंक यादव, दिग्वेश राठी, शहबाज, अर्जुन ने बेहतरीन गेंदबाजी की। एलएसजी के खिलाड़ियों को खेलते देख अकादमी के नन्हें क्रिकेटर भी चीयर करने पहुंचे। कुछ खिलाड़ियों ने बच्चों को आटोग्राफ भी दिए और फोटोज खिंचवाई। टीम प्रबंधन के मुताबिक लखनऊ सुपर जायंट्स के सभी भारतीय खिलाड़ी पहले ही टीम से जुड़ चुके हैं, शुक्रवार से ओवरसीज खिलाड़ियों का आना भी शुरू हो जाएगा। इसके बाद अभ्यास में और तेजी आएगी।

कजाकिस्तान की मेजबानी कर रहा है हॉकी इंडिया

नई दिल्ली।हॉकी इंडिया ने कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया।यह टीम अभी भारत में है और 10 से 21 मार्च, 2026 तक हरियाणा के सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण (स्र्ड्ढ) के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में एक हाई–परफॉर्मेंस ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रही है। यह कैंप आने वाले एशियन गेम्स क्वालिफायर्स 2026 की तैयारियों का हिस्सा है। भारत के सबसे बेहतरीन हॉकी ट्रेनिंग केंद्रों में से एक में आयोजित यह कैंप, विश्व–स्तरीय सिंथेटिक टर्फ, आधुनिक कंडीशनिंग सुविधाएँ और एक बेहद प्रतिस्पर्धी माहौल प्रदान करता है। यह कजाकिस्तान को एक अहम कॉन्टिनेंटल मुकाबले से पहले अपनी तैयारियों को और बेहतर बनाने के लिए एक आदर्श मंच देता है।यह पहल भारत सरकार, युवा मामले और खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के उस विजन के अनुरूप है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय टीमों की मेजबानी और उन्हें सहयोग देकर देश को खेल उत्कृष्टता के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। यह ओलंपिक आंदोलन के सिद्धांतों को भी दर्शाता है, जो सीमाओं के पार सहयोग और एथलीटों के विकास को बढ़ावा देता है। भारत में अभ्यास करने के बारे में बात करते हुए, कज़ाकिस्तान की कोच ओल्गा उरमानोवा ने कहा, ' 'हमें भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत में आकर बहुत खुशी हुई है।यहां हमारी टीम का बहुत ही मेहमाननवाज तरीके से स्वागत किया गया है।कुल मिलाकर, भारत में हॉकी का स्तर बहुत ऊँचा है, और यही वजह है कि हमने यहां आने का फैसला किया–ताकि हम सीख सकें, यहाँ के माहौल में ढल सकें और आगे बढ़ सकें।हीरो एशिया कप 2025 के दौरान बिहार के राजगीर में खेलने के बाद, यह हमारी भारत की दूसरी यात्रा है, और एक बार फिर, हमारा अनुभव अमूल्य रहा है।'

रोहित, धोनी सहित ये खिलाड़ी एक बार भी नहीं हासिल कर पाये ऑरेंज कैप

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल का 19 वां सत्र इस माह के अंत में शुरु होने जा रहा है। जिसमें दस टीमो के बीच खिताब मुकाबला होगा। इस दौरान सबसे अधिक रनों के लिए बल्लबाज को ऑरैंज कैप दी जाती है। रोहित शर्मा,महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के बाद भी कभी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। इसका कारण ये ही है कि ये बल्लेबाज एक सत्र में रनों के मामले में नंबर एक पर नहीं रहे।

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार खिताब जीता है। वह आईपीएल इतिहास में विराट कोहली 8661 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं इसके बाद भी उन्हें आज तक ऑरेंज कैप नहीं मिली है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 272 मैच खेलकर 7046 रन बनाए हैं, मगर फिर भी कभी ऑरेंज कैप नहीं जीती। रोहित का लक्ष्य इस बार अधिक से अधिक रन बनाकर ये खिताब जीतना रहेगा।

महेन्द्र सिंह धोनी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी आईपीएल में 5439 रन बनाये हैं। उन्होंने कई मौकों पर सीएसके को हारी हुई बाजी जिताई है, मगर वह कभी भी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए है।

सुरेश रैना

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी भी अपने आईपीएल करियर में 200 से अधिक मैच खेले, मगर कभी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। रैना ने 205 आईपीएल मैचों मं 5528 रन बनाए मगर कभी ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए।

शिखर धवन

शिखर धवन ने भी आईपीएल में काफी रन बनाये है मगर कभी वह ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए। शिखर धवन ने अपने आईपीएल करियर में मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और पंजाब जैसी टीमों के लिए खेला। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद में रहते हुए ट्रॉफी उठाने में भी सफल रहे। धवन ने 222 आईपीएल मैच खेलकर 6769 रन बनाए मगर एक सत्र में नंबर एक न होने के काण ऑरेंज कैप नहीं जीत पाए।

एबी डी विलियर्स

दिल्ली कैपिटल्स (दिल्ली डेयरडेविल्स पुराना नाम) से आईपीएल में डेब्यू करने वाले एबी डी विलियर्स डी वीलियर्स पहले तीन साल दिल्ली के लिए खेलने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलने लगे। इस लीग में 14 सत्र खेलकर डी विलियर्स ने 5000 से अधिक रन बनाये पर कभी ऑरेंज कैप

नहीं जीत पाए। एबी डी विलियर्स ने अपने आईपीएल करियर में कुल 5162 रन बनाए थे।

भारत 2028 विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप की करेगा मेजबानी

नयी दिल्ली।भारत 2028 विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा।ये खेल ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित किये जाये।भारत की मेजबानी वाली बोली को विश्व एथलेटिक्स परिषद की गुरुवार को पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने जनवरी 2026 में इस चैंपियनशिप के लिए अपनी बोली पेश की थी।इसके तुरंत बाद, उसी महीने वैश्विक एथलेटिक्स संस्था की दो–सदस्यीय टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम परिसर में स्थित इंडोर सुविधा का दौरा किया था। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस घटनाक्रम पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'यह जानकर बहुत खुशी हुई कि ओडिशा का भुवनेश्वर 2028 विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा।' भारत इस चैंपियनशिप की मेज़बानी करने वाला चौथा एशियाई देश बन जाएगा। जापान (1999), कतर (2010) और चीन (2025) अन्य एशियाई देश हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता की मेजबानी की है।

राजकुमार राव की अगली फिल्म 'रफ्तार' में कीर्ति सुरेश होंगी फीमेल लीड

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।

राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।

फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है। बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है। कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है। जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

कब रिलीज होगी मूवी?

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा तान्या मानिकतला, रजत कपूर, अनुराग ठाकुर और रोहन वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सरके चुनर' विवाद से नोरा ने पल्ला झाड़ा

कन्नड़ फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' विवादों में है। इस गाने पर नोरा फतेही ने डांस किया है। दो दिन पहले ये गाना यूट्यूब पर रिलीज हुआ। रिलीज होते ही यह विवादों में आ गया। विवाद में आने के बाद गाने को मेकर्स ने सोशल मीडिया से हटा लिया है। नोरा फतेही ने इस विवाद से खुद को अलग कर लिया है।

नोरा की पोस्ट में क्या है?

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में नोरा फतेही ने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए एक पोस्ट लिखी। इसमें उन्होंने लिखा 'मैं बिल्कुल नहीं चाहूंगी कि कोई यह सोचे कि मैं इस गाने का समर्थन करती हूं। आपकी कड़ी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म बनाने वालों ने इसे हटा लिया है।' उन्होंने आगे कहा 'मैं आप सभी से यह भी गुजारिश करूंगी कि इस गाने को शेयर करना बंद कर दें, क्योंकि आप इसे बेवजह एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। मैं देख रही हूं कि आप में से कुछ लोग इसे मेरे चरित्र पर हमला करने के एक मौके के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'

गाने के बारे में नहीं थी जानकारी

उन्होंने आगे कहा 'मुझे इस हिंदी गाने के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। मैंने इस पर कोई परफॉर्मेंस नहीं दी। मेरी तस्वीर के साथ इसका इस्तेमाल करने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।' यह गाना 3 साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया गया था।

लेखक ने झाड़ा पल्ला

ख्याल रहे कि गाने पर विवाद होने के बाद इसके लेखक रकीब आलम ने भी विवाद से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि वह इस गाने को नहीं लिखना चाहते थे, निर्देशक के कहने पर कन्नड़ में लिखे गाने को वर्ड टू वर्ड ट्रांस्लेट किया है।

पहला गाना विवादों में

इस गाने को सिंगर मंगली ने गाया है। वह साउथ की सिंगर हैं। उन्होंने इस गाने से हिंदी में डेब्यू किया था, हालांकि उनका पहला ही गाना विवादों में आ गया।

80 करोड़ में बिके अक्षय और सैफ की 'हैवान' के राइट्स

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 2026 की चर्चित रिलीज में शामिल है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। हाल ही में खबर आई थी कि सोनी नेटवर्क ने फिल्म के सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स हासिल कर लिए हैं। नई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म के नॉन-थिएट्रिकल राइट्स 80 करोड़ रुपए की बड़ी रकम में बेचे गए हैं। सूत्रों के अनुसार... 'फिल्म को लेकर बाजार में उत्साह था और कई प्लेटफॉर्म्स इसे खरीदने की होड़ में थे। हालांकि सबसे ऊंची बोली सोनी नेटवर्क की रही, जिसने 80 करोड़ रुपए में सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स अपने नाम किए। इस डील के साथ ही फिल्म की टीम अपनी लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पहले ही वसूल कर चुकी है। फिल्म की रिलीज अगस्त महीने में हो सकती है। मेकर्स इसे किसी बड़ी टक्कर से बचाते हुए सोलो रिलीज देना चाहते हैं, ताकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर साफ रन मिल सके।'

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, 'हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है।'

एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, 'भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें।' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

निकिता दत्ता ने जुबीन नौटियाल से शादी की खबरों पर की बात

कई सेलेब्रिटीज के बाद अब अभिनेत्री निकिता दत्ता ने भी इंडस्ट्री में होने वाले पीआर गेम पर बात की। साथ ही उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए फैलाई जाने वाली अफवाहों की खुलकर आलोचना की। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंगर जुबीन नौटियाल के साथ अपने रिलेशनशिप और शादी की खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि वह अनजाने में भी अफवाहों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं।

बातचीत के दौरान निकिता ने जुबीन नौटियाल के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर कहा कि पीआर के बारे में मेरी समझ की बात करें, तो बेशक यह बहुत देर से आई। यह एक ऐसी बात है, जिसका मुझे अफसोस है और काश कबीर सिंह के रिलीज होने के समय मुझे इस बात की थोड़ी बेहतर जानकारी होती कि चीजें कैसे काम करती हैं। दूसरी बात अगर आप इन सभी वर्षों में मेरे करियर को देखें, तो मैंने व्यक्तिगत और निजी जीवन के बीच एक सीमा बनाए रखी है। इस सीमा को मैंने कभी पार नहीं किया है। आपने मेरे बारे में कभी भी मनगढ़ंत अफवाहें नहीं सुनी होंगी। मैं वैसी इंसान नहीं हूं। मैं न तो ऐसी अफवाहें फैलाना पसंद करती हूं और न ही उनका हिस्सा बनना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो। मैं ऐसी चीजों का समर्थन नहीं करती। मार्केटिंग स्ट्रेटजी के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस का निर्णय होता है।

बीते दिनों निकिता को जुबीन नौटियाल के साथ सिंगर के होम टाउन में देखा गया था। इसके बाद ही दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं सामने आई थीं। हालांकि, अब निकिता ने साफ तौर पर तो शादी के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने अफवाहों और पीआर गेम की बात करते हुए इशारों में इसे गप्प बता दिया।

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवां' का बदला नाम

सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

क्या आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

अपूर्व लाखिया ने किया निर्देशन

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

डकैत के बाद 'जी2' पर जुटेंगे अदिवि शेष स्पाई ड्रामा 'जी3' भी हो सकती है अनाउंस

भारतीय सिनेमा में क्रॉस-इंडस्ट्री कोलैबोरेशन का ट्रेड तेजी से बढ़ रहा है। इस वक्त जिस जोड़ी पर सबसे ज्यादा नजरें टिकी हैं, वह है मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की। दोनों की अपकमिंग फिल्म 'डकैत: ए लव स्टोरी' को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि यह कोलैबोरेशन केवल एक फिल्म तक सीमित नहीं रहने वाली बल्कि सूत्रों की मानें तो 'डकैत' की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से प्रभावित एक बड़े प्रोडक्शन हाउस ने मृणाल और अदिवि को 2027 की एक और फिल्म के लिए अप्रोच किया है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक चला, तो 'डकैत' से शुरू हुआ यह कोलैबोरेशन आने वाले वर्षों में पैन-इंडिया सिनेमा का बड़ा अध्याय साबित हो सकता है। फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम सामने नहीं आया है।

एनामॉर्फिक लेंस पर गोल्डन पैलेट में शूट हुई है फिल्म

फिल्म 'डकैत' की शूटिंग ग्रामीण लोकेशन्स और विशाल सेट्स पर की गई है, जो 70-80 के दशक के चंबल के बीहड़ों की याद दिलाते हैं। क्लाइमैक्स का एक बड़ा एक्शन सीन, जिसमें अदिवि घायल हुए थे, फिल्म का टर्निंग पॉइंट होगा। यह हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और देसी हथियारों वाला रॉ एक्शन सीन है। सिनेमैटोग्राफी शिनिएल देओ संभाल रहे हैं। वह इसे डस्टी और गोल्डन पैलेट के साथ एनामॉर्फिक लेंस पर शूट कर रहे हैं। 'डकैत' के संगीत के लिए अमित त्रिवेदी या हर्षवर्धन रामेश्वर के नाम पर चर्चा है। इसमें चंबल और बुंदेलखंड के कई स्थानीय थिएटर आर्टिस्ट्स को भी कास्ट किया गया है।

'मेजर 2' पर भी शुरू हो सकता है काम

'डकैत' के तुरंत बाद अदिवि शेष अपनी स्पाई फ्रेंचाइज 'जी2' (गुडाचारी 2) पर फोकस करेंगे। यह फिल्म उनकी चर्चित स्पाई फिल्म 'गुडाचारी' की सीक्वल है और 1 मई 2026 को रिलीज के लिए शेड्यूल बताई जा रही है। चर्चा है कि 2027 की शुरुआत में इसके तीसरे पार्ट या बड़े स्पिन-ऑफ की घोषणा भी हो सकती है। 'जी2' में अदिवि के साथ वमिका गब्बी नजर आएंगी। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि इन दो बड़ी रिलीज के बाद अदिवि 2027 में किसी मेगा बजट प्रोजेक्ट संभवत: 'मेजर 2' पर भी काम शुरू कर सकते हैं।

बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है 'डकैत'

'डकैत' को सिर्फ एक एक्शन-रोमांस कहना इसके साथ नाइंसाफी होगी। यह बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है, जिसकी संभावित टैगलाइन 'प्यार और बारूद के बीच की कहानी' बताई जा रही है। फिल्म में अदिवि एक ऐसे शख्स की भूमिका में हैं जो हालातों के चलते हथियार उठाने पर मजबूर होता है। उनका लुक सूटेड-बूटेड स्पाई इमेज से बिल्कुल अलग बढ़ी दाढ़ी, बिखरे बाल और खादी के कुर्ते वाला रखा गया है। वहीं मृणाल पारंपरिक एथनिक अंदाज में नजर आएंगी, लेकिन उनका किरदार महज प्रेमिका का नहीं, बल्कि कहानी की मजबूत कोर का है।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।